Kũṛux Grammar and Xosrāchammbi

कुँड़ुख़ कत्थअईन अरा ख़ोसराचम्मबी

शोध–संकलन एवं सम्पादन :

डॉ० नारायण उराँव ''सैन्दा''

प्रकाशक :

अद्दी कुँड़ुख़ चाःला धुमकुड़िया पड़हा अखड़ा (अद्दी अखड़ा),

तोलोंग पिण्डा, बोड़ेया रोड, नगड़ा डिप्पा, चिरौन्दी, राँची, झारखण्ड, पिन-834006

In Association with

TRIBAL CULTURAL SOCIETY, JAMSHEDPUR

An Ethnicity Wing of TATA STEEL FOUNDATION

Kũṛux Grammar and Xosrāchammbi

कुँडुख़ कत्थअईन अरा ख़ोसराचम्मबी

प्रथम संस्करण : फरवरी 2024

प्रतियाँ : 2000 (दो हजार)

शोध–संकलन एवं सम्पादन :

Dr. Narayan Oraon 'Sainda'

Publication © : शोध–संकलन कर्ता

Editorial Board :-

1. Dr. Narayan Oraon
2. Dr. Bindu Pahan
3. Dr. Narayan Bhagat
4 Dr. Ramkishor Bhagat
5. Dr. (Smt.) Jyoti Toppo
6. Dr. (Smt.) Shanti Xalxo
7. Fr. Augustin Kerketta
8. Shri Mahesh S. Minj
9. Shri Saran Oraon
10. Shri Ranthu Oraon
11. Shri Bipta Oraon
12. Shi Bhuneshwar Oraon
13. Shri Arbind Oraon
14. Shi Mahadeo Toppo
15. Shri Kislay Jee

प्रकाशक :

अद्दी कुँडुख़ चाःला धुमकुड़िया पड़हा अखड़ा (अद्दी अखड़ा),

तोलोंग पिण्डा, बोड़ेया रोड, नगड़ा डिप्पा, चिरौन्दी, राँची, झारखण्ड, पिन-834006

In Association with

TRIBAL CULTURAL SOCIETY, JAMSHEDPUR

An Ethnicity Wing of TATA STEEL FOUNDATION

प्राचीन कँडुख (उराँव) भाषा के विशिष्ट गुण

1. कहा जाता है प्राचीन भाषाओं में कर्ता कारक का चिन्ह नहीं होता हैं। जैसे – अंगरेजी में, John is coming, Jeny is coming. इसमें कर्ता कारक का कोई चिन्ह नहीं है। पर प्राचीन कुँडुख़ भाषा में कर्ता कारक चिन्ह अस, अद, अय, अर आदि है और संज्ञा के अंत में जुड़कर संज्ञा पद बनता है। यह संज्ञा पद के अनुसार अर्थात कर्ता के रूप के अनुसार किया का रूप परिवर्तन होता है। जैसे – मंगरस बरआ लगदस, मंगरी बरआ लगी, की तरह बनता है। यहाँ मंगरा संज्ञा के साथ अस कर्ता कारक चिन्ह जुड़कर मंगरस बना और क्रिया रूप बरआ लगदस हुआ है।
2. संस्कृत में, संज्ञा का कर्ता कारक पुलिंग का रूप बदलता है, पर स्त्रीलिंग का रूप नहीं बदलता है। जैसे – रामः गच्छति, सीता गच्छति। यहाँ राम संज्ञा के साथ कर्ता कारक रूप सः जुड़ा और रामः बना। कुँडुख़ भाषा में पुलिंग एवं स्त्रीलिंग दोनों का रूप बदलता है। जैसे – बिरसस मण्डी ओना लगदस। बिरसिद मण्डी ओना लगी।
3. संस्कृत एवं अंगरेजी में पुलिंग तथा स्त्रीलिंग दोनों के लिए क्रिया रूप एक ही होता है। पर कुँडुख़ भाषा में पुलिंग तथा स्त्रीलिंग दोनों के लिए अलग–अलग क्रिया रूप होता है।
4. संस्कृत में, काल के भेद में continuous tense नहीं होता है। जबकि कुँडुख़ भाषा में continuous tense को तीनों काल में अधिकतम तीन तरीके से बोला जाता है।
5. हिन्दी में पुलिंग तथा स्त्रीलिंग संज्ञा के नाम के आधार पर वाक्य बनता है। इसमें, कर्ता के साथ कर्ता कारक का ने चिन्ह का प्रयोग कुछ सीमित क्रिया शब्द के साथ जुड़ता है। पर कुँडुख़ भाषा में पुलिंग एकवचन के साथ सामान्य रूप से कर्ता का कारक रूप जुड़ता है।
6. कुँडुख़ भाषा में महिलाएं जब पुरूषों से बात करती हैं तो पुलिंग रूप में अथवा पुरूषों के साथ बराबरी में आकर बातें करती हैं। पर, जब वे आपस में बातें करती हैं तो स्त्रीलिंग सूचक क्रिया शब्दों का प्रयोग करती हैं।
7. कुँडुख़ भाषा में जब महिला अकेली रहती है अथवा एकवचन में बोलती है, तो उसके बोलने के लिए प्रयुक्त क़्रिया शब्द तथा मानवेतर लिंग के लिए प्रयुक्त होने वाले क्रिया शब्द, दोनों एक जैसे होते हैं। पर जब वे एक से अधिक होती हैं अथवा बहुवचन में बातें करती हैं तो पुलिंग या स्त्रीलिंग, दोनों के लिए एक समान क्रिया शब्दावली का प्रयोग होता है, अर्थात दोनों समान अधिकार के साथ बातें करते हैं।
8. भारतीय दर्शन में से सांख्य दर्शन में प्रकृति और पुरूष, दो बातों पर व्याख्या किया गया है। इसमें पुरूष का अर्थ आत्माा है और प्रकृति स्वयं प्रकृति ही है। कुँडुख़ भाषा व्याकरण में भी आत्मा स्वरूप के लिए आल जिया या आल शब्द है जिसका अर्थ आदमी या मानव होता है। जिसमें आःली (स्त्री०) एवं आःले (पु०) तथा मानव से अलग सभी के लिए आःलो शब्द है।
9. कुँडुख़ भाषा में किसी मूल क्रिया धातु से 150 से अधिक क्रिया शब्द बनता है। जबकि वैदिक संस्कृत के आधार पर पर 10 लकार, 03 पुरूष तथा 03 वचन के अनुरूप कुल 90 क्रिया शब्द बनता है तथा लौकिक संस्कृत अर्थात वर्तमान समय के पठन–पाठन में 05 लकार, 03 पुरूष तथा 03 वचन के अनुरूप कुल 45 क्रिया शब्द बनता है।
10. कुँडुख़ भाषा व्याकरण के अनुसार कारक चिन्ह के साथ 30 से अधिक पद बनता है, जबकि संस्कृत में 07 विभक्ति एवं 03 वचन के अनुरूप कुल 21 पद बनता है।

– सम्पादक मण्डल

दिनांक : 29 / 02 / 2024

(पइत्त) = contents, विषय सूची

/ विषय

A. - I

1. प्राक्कथन - 07

2. कुँड़ुख़ व्याकरण एवं ख़ोसराचम्मबी : एक परिचय - 08

B. - II

= व्याकरण संबंधी निर्देश - 13

C. - III

(तोःड़घोख) = Orthography, वर्ण विचार - 15

(1) (तोड़पाब) = Alphabet, वर्णमाला - 15

(2) (पड़हरा) = Parhara, ककहरा - 15

(3) (सरह) = Vowel, स्वर - 18

1. / बइता सन्नी सरह = Oral short vowel - 18

2. / मुँइता सन्नी सरह = Nasal short vowel - 18

3. / बइता दिगहा सरह = Oral long vowel - 19

4. / मुँइता दिगहा सरह = Nasal long vowel - 19

5. / बइता जोट्ठा सरह = Oral diphthongs - 19

6. / मुइँता जोट्ठा सरह = Nasal Diphthongs - 20

(4) (हरह) = Consonant, व्यंजन - 20

1. / मूली हरह = Primry consonant - 21

2. / संयुक्त व्यंजन = Compound consonant - 21

(5) हेचका हरह = Glotal stop - 22

1. (बइता हेचका हरह) = Oral Glotal stop - 22

2. (मुँइता हेचका हरह) = Nasal Glotal stop - 23

(6) (फुरचाअ़ना ढचर) = औच्चारणिक व्यवस्था - 23

(क) (हरह तोड़ फुरचारना खन्दहा) - 24

(ख) (फुरचारना अड्डा) - 24

(ग) (निनास, Respiration) ही बेहवार मदहे ती - 25

(घ) (फुरचन ताँइत, Vocal cord) ही बेहवार मदहे ती - 25

(ङ) (ततख़ा उदुरना अरा चलख़रना) = Tongue height situation) मदहे ती - 25

(च) (लवटो) = Lips) ही बेहवार मदहे ती - 25

(छ) (ततख़ा) = Tongue Position) ही बेहवार मदहे ती - 25

(7) (फुरचारना कत्थसोर) = औच्चारणिक विवरणी - 26

(I) (मूली सरह) = Primary vowel, मूल स्वर - 26

(II) (मूली हरह) = Primary Consonants, मूल व्यंजन - 29

(III) (दोहड़ा हरह) = Pure Compound Consonants, पूर्ण पुनरूक्त व्यंजन - 33

(8) = Arrangment of aphabets, वर्ण व्यवस्था - 35

1. (तोड़न) = Spelling, हिज्जा, उच्चारण, वर्ण विन्यास - 35

2. (सन्नी अरा दिगहा सरह बक्क) = Short & long vowel word - 36

(9) (जोट्ठा सरह बक्क) = Diphthong word - 36

(10) (मू:ली हरह बक्क)

= Primary consonant word - 37
(11) [illegible] (जोट्ठा हरह बक्क)
= Compound consonant word - 38
(12) [illegible]
= Glotal stop, short & long vowel word - 39
(13) [illegible]
ओन्द मदहे मिन्दिर'उ बक्क = श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द। - 40
(14) [illegible] (हहस कसरत) = phonetic drill - 40
(i) [illegible]
[illegible] = Use of short i and long i: vowel - 41
(ii) [illegible]
[illegible] = Use of short e and long e: vowel - 42
(iii) [illegible]
[illegible] = Use of short u and long u: vowel - 43
(iv) [illegible]
[illegible] = Use of short o and long o: vowel - 43
(v) [illegible]
[illegible] = Use of short a and long a: vowel - 44
(vi) [illegible]
[illegible] = Use of short $\bar{a}$ and long $\bar{a}$: vowel - 44
D. [illegible] – IV
[illegible] (देवनागरी एवं तोलोंग सिकि नू सिकिजुमा) = Traslitetation in Devnagri & Tolongsiki, देवनागरी एवं तोलोंग सिकि में लिप्यन्तरण - 45
E. [illegible] – V
[illegible] (बक्क बक्कसोर) = Word Definition, शब्द परिभाषा - 47
1. [illegible] (हहस) = Sound, ध्वनि - 47
2. [illegible] (सरह) = Vowel, स्वर - 47
3. [illegible] (हरह) = Consonant, व्यंजन - 47
4. [illegible] (सहङ) = Syllable, शब्दखण्ड - 47
5. [illegible] (तोःड़) = Alphabet, वर्ण - 47
6. [illegible] (तोड़पाब) = Alphabets, वर्णमाला - 47
7. [illegible] (बक्क) = Word, शब्द - 47
8. [illegible] (रूड़आबक्क) = Phrase, समूह शब्द, पदबंध - 47
9. [illegible] (बकपुन) = Sentence, वाक्य - 47
10. [illegible] (कुहाबकपुन) = Clause, उपवाक्य - 47
11. [illegible] (रूईहबक्क) = व्याकरणिक शब्द, पद - 47
12. [illegible] (सँवसिरा) = प्रकृति - 47
13. [illegible] (सिरज'नी) = जन्मदात्री - 47
14. [illegible] (साःरना) = आत्मसात करना, महशूस करना - 47
15. [illegible] (सरना) = विग्घन वाधाओं के वावजूद नियत समय में कार्य होना, गतिमान - 48
F. [illegible] - VI
[illegible] (बक्कघोख) = Etymology, शब्द विचार - 48
(1) [illegible] (बक्क गढ़ईन) = Words formation, शब्द रचना - 48
(2) [illegible] (पिंज्जका) = Noun, संज्ञा - 49

(उइजिपिंज्जका) = Pronoun, सर्वनाम - 52
(गुनख़ी) = Adjective, विशेषण - 56
(jokkhnatā gunxi / जोक्खानखरका गुनख़ी) = Degree of comparison, तुलनावाचक विशेषण। - 57
/ Declcention of noun = संज्ञा का रूप विस्तार - 58
(A) (मे:द'उ) = Gender, लिंग - 58
(B) (गनयाँ) = Number, वचन - 60
(C) (आ:ल) = Person, पुरूष - 62
(D) (ननतुद) = Case, कारक - 62
(E) = Case chain, कारक माला - 63
(F) = Declention, सर्वनाम का रूप विस्तार - 68
(नलङ) = Verb, क्रिया - 80
(नलङ गुनख़ी) = Adverb, क्रिया विशेषण - 82
(करिचका) = अव्यय - 84
(बेड़ा अरा परिया) = Time and Tense - 85
(10) (नलङ मेदोख़ा) = Mood, क्रिया भाव, वृति - 98
G. – VII
(बकपून घोख) = Syntex, वाक्य विचार - 99
1. (बक्कपून पो:र) = वाक्य के अवयव - 99
2. (तिङिर'उ) = Voice, वाच्य - 100
3. (बक्क पाँ:ती) = पदक्रम - 101
4. (बक्क मे:ल) = अन्वय (मेल) - 101
H. - VIII (इदहि चिन्हाँ) = Punctuation, विराम चिह्न - 101
I. - IX (क्रिया एवं क्रिया रूप) - 104
J. X
कुँडुख़ क्रिया के विभिन्न स्वरूप की सारणी = Table of different form of Verb - 109
K. - XI
कुँडुख़ भाषा की पारिभाषिक शब्दावलली / Kurux Terminology and Hindi-English - 116
L. - XII / कुँडुख़ गिनती मानकीकरण - 137
(1) (कुँडुख़ गनती) = कुँडुख़ गिनती - 141
(कुँडुख़ पहड़ा) = कुँडुख़ पहाड़ा - 142
M. - XIII
देवनागरी लिपि में कुँडुख़ भाषा की लेखन समस्या और समाधान तथा अंक में सुधार - 143
N. - XIV
अंतर्राष्ट्रीय गणित का सिद्धांत के आधार पर कुँडुख़ गिनती का मानकीकरण हो - 147
O. - XV
(1) / धुमकुड़िया पड़हरा डण्डी - 148
/ धुमकुड़िया कुंडुख़ गनती - 149
P. - XVI
/ तोलोङ सिकि वर्णमाला का साहित्यिक विवेचना - 150
Q. - XVII
BIBLIOGRAPHY / संदर्भ सूची - 152

1. प्राक्कथन

भारत देश में निवास करने वाली आदिवासी समूह अपनी विशिष्ट भाषा एवं विशिष्ट संस्कृति के माध्यम से पहचानी जाती है। उनकी विशिष्ट भाषा एवं संस्कृति आदिवासियों के पहचान की धरोहर है। इस विशिष्ट धरोहर को आधार बनाकर कुँड़ुख़ भाषी उराँव आदिवासी समूह के लोगों द्वारा अपनी विशिष्ट भाषा कुँड़ुख़ की लिपि का विकास किया गया है जिसका नाम तोलोंग सिकि है। इस कुँड़ुख़ (उराँव) पहचान को बनाये रखने के लिए पेशे से चिकित्सक डॉ0 नारायण उराँव ने अपने सहयोगियों के साथ कुँड़ुख़ भाषा की लिपि के रूप में तोलोंग सिकि नामक लिपि को स्थापित किये जाने में महती भूमिका निभायी है, जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। वर्तमान में, झारखण्ड एवं प0 बंगाल सरकार में कुँड़ुख़ (उराँव) भाषा (तोलोंग सिकि के साथ) राजकीय भाषा के रूप में मान्यता प्रदान किया गया है। साथ ही झारखण्ड अधिविद्य परिषद, राँची द्वारा वर्ष 2009 में एक विद्यालय के लिए तथा वर्ष 2016 में सार्वजनिक रूप से मैट्रिक परीक्षा में कुँड़ुख़ भाषा विषय की परीक्षा, तोलोंग सिकि से लिखने की अनुमति प्रदान की गई है और कई विद्यालयों से वर्ष 2009 से कुँड़ुख़ भाषा विषय की मैट्रिक परीक्षा अपनी भाषा की लिपि तोलोंग सिकि में लिख रहे हैं।

नई लिपि विकास के इस कार्य को पेशे से चिकित्सक डॉ० नारायण उराँव द्वारा वर्ष 1989 में आरंभ किया गया। ततपश्चात, डॉ० रामदयाल मुण्डा एवं डॉ० (श्रीमती) इन्दु धान जैसे शिक्षाविदों ने वर्ष 1999 में समाज के लोगों के व्यवहार के लिए लोकार्पित किया। इस कार्य को पहली बार समाज के सामने 1993 में प्रदर्शित किया गया, जिसे पहली बार हिन्दी दैनिक ''आज'' में ख़ब़र छापा। इस कार्य को भारत सरकार के ''केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर'' के भाषाविद, प्रोफेसर एवं निदेशक डॉ. फ्रांसिस एक्का द्वारा 28 जुलाई 1996 को मार्ग दर्शन दिया गया। उसके बाद भाषाविद डॉ० रामदयाल मुण्डा जी द्वारा 05 मई 1997 को जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के एक लोकार्पण समारोह में लिपि विकास में महत्वपूर्ण सुझाव दिया गया। 15 नवम्बर 2000 को नया राज्य झारखण्ड बनने के बाद पहली बार 2003 में कुँड़ुख़ भाषा की लिपि के रूप में तोलोंग सिकि को मान्यता मिला। उसके बाद 2009 में पहली बार झारखण्ड अधिविद्य परिषद, राँची द्वारा वर्ष 2009 के मैट्रिक परीक्षा में एक स्कूल के लिए कुँड़ुख़ भाषा विषय की परीक्षा, तोलोंग सिकि से लिखने की अनुमति प्रदान की गई है तथा वर्ष 2016 में सार्वजनिक रूप से मैट्रिक परीक्षा में कुँड़ुख़ भाषा विषय की परीक्षा, तोलोंग सिकि से लिखने की अनुमति प्रदान की गई है। दूसरी ओर प०बंगाल में 2018 में कुँड़ुख़ भाषा एवं तालोंग सिकि को मान्यता मिला है। इसी कड़ी में टाटा स्टील फाउण्डेशन के द्वारा गुमला, लोहरदगा एवं राँची जिला क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में कुँड़ुख़ भाषा–तोलोंग सिकि की पढ़ाई करायी जा रही है।

पाठ्य सामग्री निर्माण में आदिवासी समाज के लोग आगे आ रहे हैं, जिसे सम्पादक मंडली द्वारा सम्पादित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त टाटा स्टील फाउण्डेशन की ओर से अद्दी कुँड़ुख़ चाःला धुमकुड़िया पड़हा अखड़ा, राँची द्वारा तैयार किया गया Web Magazine, kurukhtimes.com को आगे ले जाने में सहयोग किया जा रहा है। अबतक कुँड़ुख़ में 1. अयंग कोंयछा 2. चींचो डण्डी अरा ख़ीरी 3. तोलेंग सिकि कुंड़ुख़ कत्थपून नामक तीन पुस्तकें तथा 4. तोलोंग सिकि वर्णमाला चार्ट प्रकाशित कराया गया है।

अंत में सम्पादक मण्डली एवं कुँड़ुख़ भाषा प्रेमियों को ''कुँड़ुख़ कत्थअईन अरा ख़ोसराचम्मबी'' नामक कुँड़ुख़ व्याकरण पुस्तक के सफल प्रकाशन के लिए मैं हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ तथा उम्मीद करता हूं कि यह पुस्तक उराँव/कुँड़ुख़ समाज में जनचेतना तथा जनजागरण की नवज्योति बनें।

JIREN XEVIER TOPNO
HEAD, TRIBAL IDENTITY
TATA STEEL FOUNDATION

DATED : February 12, 2024

2. [illegible]

''कुँड़ुख़ व्याकरण एवं ख़ोसराचम्मबी : एक परिचय'

(Kuṛux grammar and footprint of Xosra river : An introduction)

कुँड़ुख़ कत्थ'अइन अरा ख़ोसराचम्मबी, कत्थसिरा (शीर्षक) ती कुँड़ुख़ कत्था गही कत्थ'अइन अरा इदी गही गढ़ईन ही परदना ख़ीरी, ख़ोसरा ख़ाड़ ही नाःमे गने जोड़ोचका रअ़ई। कत्थ'अइन गही मने हिन्दी नु व्याकरण अरा अंग्रेजी नु Grammar बातार'ई। अन्नेम ख़ोसराचम्मबी गही मने ख़ोसरा ख़ाड़ गही चम्मबी बेअ़ई। कुँड़ुख़ कत्था अरा इदी गही उपचन पहईट ही पईत्त नु गुनुचका ती लग्गी का कुँड़ुख़ कत्था ख़ोसरा ख़ाड़ गण्डा कूःटी नु परदकी रअ़ई। राःजी गही नकसा तिंग्गी का रांची, गुमला, लोहरदगा, लातेहार, पलामू जिला मझी एँःड़ गोटंग ख़ाड़ परदकी बेअ़ई, एकदद उतरी कोयल अरा दक्षिणी कोयल बातार'ई। गुमला अरा लोहरदगा जिला ही ओन्द पहटा ता अम्म अरा लातेहार अरा पलामू जिला ता अम्म उतरी कोयल ख़ाड़ नू संग्गे मनर जपला हेद्दे सोन ख़ाड़ नु सईहा जोड़ोर'ई दरा संग्गे–संग्गे गंगा ख़ाड़ नू दिघा शहर गुसन मेल मनी। अन्नेम रांची, गुमला अरा लोहरदगा जिला ही ओन्द पहटा ता अम्म संग्गे मनर कारो ख़ाड़ अरा शंख ख़ाड़ गने जोड़ोरनुम, ओड़िसा राती ता ब्राह्मनी ख़ाड़ गने संग्गे मनर बंगाल गही खाड़ी नू मेल मनी। ई पुथी गही नाःमे उईरना अरा अबड़ा गही पईत्त नु अख़ना दरा कुँड़ुख़ कत्था ही परदना ही कत्थख़ीरी बुझुरनखरना गही घोख तली। इबड़ा कत्थन तेंग्गा गे दिम पुरखर डण्डी पाःड़ियर –

कोइलो रे कारो, संग्गे मनर शंखो,
सोन–गंगा मनर काःली, रे ।।2।।

भावार्थ – झारखण्ड के पठारी भूभाग में बहने वाली कोयल नदी (दक्षिणी कोयल) एवं कारो नदी, साथ में शंख नदी एक साथ आगे बढ़ते हुए, ब्राहम्णी नदी से मिलकर बंगाल की खाड़ी में जा मिलती है। उसी तरह उतरी कोयल नदी सोन नदी के साथ गंगा में मिलकर आगे बढ़ती है।

ई लेखे ''कुँडुख कत्थ'अइन अरा ख़ोसराचम्मबी गही नाःमे पइत्त नु कुँड़ुख़ खोंड़हा तरती नाःमे पिंज्जना अरा अदी ही कत्थ'अइनन (व्याकरण को) इंजिरना बुझुरतार'ई। नन्ना कत्था गही कत्थअइन तंगआ–तंगआ मइनता बेसे जुदम रअ़ई, अन्नेम कुँड़ुख़ कत्था गही हूँ तंगआ कत्थअइन रअ़ई। अन्ने गा कत्था पइत्त नु बातार'ई का – हिन्दी कत्था, संस्कृत ती उरूख़की रअ़ई मुन्दा इदि गही 'कत्थअइन' अंग्रेजी गने हूँ हेद्दे रअ़ई। इबड़ा कत्था तिङगी का हिन्दी कत्थअइन गही पईत्त नु टूःडुर अंग्रेजी कत्था गही सेब्बन हूँ धरचर अरा तंगआ कत्था गने जोड़चर। ई लेखआ कत्थ बेयाँख़ो (भाषा विज्ञान) गही तंगआ चाःलो रअ़ई अरा गोट्टे ख़ेख़ेल–बेलखा नु ओन्टे बेसेम बुझुरतारई। अंवगे ई पुथि नु कुँड़ुख़ मइनता अरा कुँड़ुख़ कत्थ बेयाँखो गही मइनतन संगे ननर की फरीयाचका रअ़ईं।

ई पुथिन ख़ोःजा गे कुँड़ुख़ मइनता गने, अंग्रेज सहेबर गही टूड़का कत्थअइन पुथी इदातो Rev. Hahn's सहेबस गही टूड़का "KUṚUḴH GRAMMAR"-1900 ई०, A. Grignard सहेबस गही टूड़का An Oraon English Dictionary- 1924 ई०, Dr. Francis Ekka सहेबस गही टूड़का – Kurux Phonetic Reader, CIIL Serise – 9, डॉ० मिखाइल तिग्गस सहेबस गही टूड़का *कुँडुख़ कत्थ अरा कत्थ बिल्लीन ईदऊ* – 1952 ई०, पी० सी० बेकस गही टूड़का – *कुँडुख़ कत्थ बिल्ली* - 1996, अरा नेड्डा 09-12-2005 ती 18-12-2005 गूटी मंज्जका Terminology Planning in Kurux सय आर० एलांगियन सहेबस गही अगुवई नु झारखण्ड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान, राँची नु मंज्जका पिंज्जसोर गही पईत ती सहड़ा होच्चका ऱअ़ई। इदी ख़ोःख़ा नेड्डा

11.12.2010 अड्डा जेवियर सेवा संस्थान, राँची नु मंज्जका कुँडुख़ पिंज्जसोर अरा मने बइसकी नु डॉ० बिशप निर्मल मिंज, डॉ० दुखा भगत अरा प्रो० बेनीमाधव भगतस ही अगुवई नु बुझुरनखरका अरा फरियाचका पिंज्जसोर ई पुथि नु चिपताःरना मना लगी। कुँडुख़ कत्था ही कत्थपण्डी परदना अरा इदी संग्गे इबड़ा गही पुना पिंज्जसोरन इंजिरना ही पइत्त नु खोंड़हन तेंग्गना चाँड़ बुझुरअर कियॅा टूड़तारआ लगी।

ज्ञातब्य हो कि अंगरेजों द्वारा पूर्वी देश की भाषाओं को लिखने के लिए अंगरेजी लिपि, रोमन लिपि के माध्यम से मानकीकरण GENEVA में हुए Second Oriental Congress, 1900 ई० में किया गया। इस मानकीकरण के आधार पर तमाम किताबें लिखी गई। उन लेखकों में से यूरोपीय साहित्यिकार Rev. Ferd Hahn का कुँडुख़ ग्रामर (वर्ष 1998 ई०), Fr. A. Grignard का कुँडुख़ शब्दकोश (वर्ष 1924 ई0) तथा भारतीय लेखक S.C.Roy (The Oraons of Chotanagpur) मुख्य रूप से देखने एवं पढ़ने योग्य है। आजादी के बाद कुछ कुँडुख़ साहित्यकारों द्वारा देवनागरी लिपि के माध्यम से कुँडुख़ साहित्य पुस्तकें प्रकाश में आईं। जिनमें डॉ० ख्रीस्त मिखाइल तिग्गा की पुस्तक 'कत्था अरा कत्थ बिल्लिन ईदऊ (वर्ष 1952 ई०)', श्रद्धेय श्री अहलाद तिर्की की पुस्तक 'चुरकी डहरे (वर्ष 1949), श्री शान्ति प्रकाश बख़ला का कुंडुख़ नैगस (वर्ष 1952 ई०)'वर्ष 1962 ई०)', श्री पी० सी० बेक की पुस्तक 'कुँडुख़ कत्थ बिल्ली (वर्ष 1949 ई०) पुस्तकें छपीं। वर्तमान में राँची विश्वविद्यालय, राँची के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग में स्नातकोत्तर स्तर तक पढ़ाई–लिखाई चल रही है। इसी बीच कुँडुख़ समाज द्वारा तोलोंग सिकि नामक लिपि को कुँडुख़ भाषा की लिपि के रूप में स्वीकार कर पठन–पाठन का कार्य चलाया जा रहा है, जिसे झारखण्ड सरकार द्वारा 19 फरवरी 2009 को मान्यता दी जा चुकी है।

उपरोक्त शीर्षक–लेख के माध्यम से यह बतलाने का प्रयास किया गया है कि अब तक अनेकों लेखकों एवं साहित्यकारों द्वारा कई पुस्तकें अपने–अपने विचार एवं बौद्धिक क्षमता के आधार पर लिखी गईं। इनमें से कुछ तो उच्च स्तरीय है और कुछ साधारण, किन्तु वर्तमान में जब प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ाई–लिखाई चल रही है तथा राजकीय स्तर की परीक्षाओं में कुँडुख़ भाषा एक विषय के रूप में प्रश्न–पत्र दिये जा रहे हैं तब अलग–अलग विचारों एवं पारिभाषिक शब्दावली वाली पुस्तकें बच्चों एवं विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराया जाना उचित नहीं है। इससे बचने के लिए वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पारिभाषिक शब्दावली का मानकीकरण किये जाने की आवश्यकता है। प्रस्तुत शीर्षक लेख में गैर–सरकारी संगठनों एवं समाज के बुद्धिजीवियों द्वारा किये गये कार्यों को उद्धृत किया गया है। इसके अतिरिक्त शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा यथा शोध संस्थाओं एवं विश्वविद्यालय स्तर में अनेकों कार्य किये गये हैं किन्तु वह कार्य समाज के लोगों तक नहीं पहुँच पाया है।

इन परिस्थितियों में बिशप डॉ० निर्मल मिंज ने रेभ० हॉन द्वारा अंग्रेजी में लिखित कुँडुख़ ग्रामर का कुँडुख़ भाषा में अनुवाद करने का निर्णय लिया जाना कुँड़ख़ साहित्य के लिए नया सवेरा जैसा है। रेभ० हॉन द्वारा लिखित कुँडुख़ ग्रामर एक उच्च स्तरीय ग्रामर है किन्तु यह अंग्रेजी में है जिसके चलते सर्वजन को समझ पाना मुश्किल होता है। इस धरोहर को लोगों तक पहुँचाने हेतु बिशप मिंज ने अतुलनीय साहस का कार्य किया और कुँडुख़ में अनुवाद करना आरंभ किया। अनुवाद के दौरान कई तकनीकी कठिनाइयाँ आयीं। पहला – अंग्रेजी शब्दों का कुँडुख़ अनुवाद क्या हो ? तथा दूसरा – एक व्यक्ति (बिशप मिंज) द्वारा दिया गया सुझाव, सर्वजन को मान्य होगा अथवा नहीं ? इन प्रश्नों के उत्तर की खोज में बिशप मिंज द्वारा कुछ पारिभाषिक शब्दावली (Terminology) का कुँडुख़ रूपान्तर की सूची कुछ कुँडुख़ भाषियों एवं जिज्ञासुओं के समक्ष भेजा गया। उपरोक्त प्रश्नों का जबाव न मिलने पर

उन्होनें अकेले ही अनुवाद का कार्य आरम्भ किया। इसी बीच डॉ० मिंज द्वारा वितरित पारिभाषिक शब्दावली मुझे भी प्राप्त हुआ, जिसे देखकर आरंभ में तो मैं विचलित हुआ किन्तु कुछ अध्ययन के पश्चात मुझे विश्वास हो गया कि मैं इस विषय में कुछ अच्छे सुझाव दे सकता हूँ। इसके मैनें हिन्दी व्याकरण, संस्कृत व्याकरण, अंग्रेजी ग्रामर, कुँड़ुख़ व्याकरण, अंग्रेजी शब्दकोश, कुँड़ुख़ अंग्रेजी शब्दकोश (A Grignand) आदि पुस्तकों का अध्ययन किया। अध्यनोपरान्त पारिभाषिक शब्दावली की एक लम्बी सूची तैयार कर बिशप डॉ० निर्मल मिंज को सौंपा। इस बीच डॉ० मिंज द्वारा अनुवाद का कार्य वर्ष 2003 ई० के अन्त तक पूरा कर लिया गया था तथा जल्द ही इसे प्रकाशित करवाने की योजना थी। किन्तु जब डॉ० मेरे द्वारा तैयार की गई सूची वर्ष 2004 ई० में मिली तो उन्होंने फिर से अपना उत्तरोत्तर कार्य आरंभ किया और कुँड़ुख़ भाषा एवं व्याकरण को भाषाविदों से मान्यता दिलाने के उद्‌देश्य से "Central Institute of Indian Language, Mysore के कुँड़ुख़ भाषा विशेषज्ञ श्री आर० इलांगियन से मिले। उन्होनें अपनी अनुवादित कुँड़ुख़ ग्रामर एवं मेरे द्वारा समर्पित पारिभाषिक शब्दावली की सूची CIIL Mysor के भाषा विशेषज्ञ श्री इलांगियन को सौंपा। यह कार्य वर्ष 2005 के मध्य का है। इन दोनों अभिलेख सामग्रियों के आधार पर कुँड़ुख़ भाषा विशेषज्ञ श्री इलांगियन द्वारा अपनी व्यस्तता के बावजूद कुँड़ुख़ समाज के लिए समय निकाल कर एक योजना तैयार किया और झारखण्ड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान, राँची के प्रांगण में दिनांक 09.12.2005 से 18.12.2005 तक कार्यशाला कराया जाना निध ारित किया गया। इसी योजना के तहत दिनांक 09.12.2005 को केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर की ओर से श्री आर० इलांगियन एवं झारखण्ड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान, राँची के निर्देशक डॉ० प्रकाश चन्द्र उराँव के संयुक्त समन्वयन में Terminology planning in Kurux कार्यशाला आरंभ हुई।

कार्यशाला का शुभारंभ प्रो० दुखा भगत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ0 रामदयाल मुण्डा तथा विशिष्ट अतिथि बिशप डॉ० निर्मल मिंज, डॉ० करमा उराँव, प्रो० एडमण्ड टोप्पो, डॉ० बसंती कुमारी आदि की उपस्थित थे। लगातार 9 दिनों तक लगभग 30 प्रतिभागियों के उपस्थिति में सम्पन्न कार्यशाला हुई, जिनमें प्रो० इन्द्रजीत उराँव, डॉ० हरि उराँव, डॉ० नारायण भगत, प्रो० रामकिशोर भगत, प्रो० सूरा उराँव, प्रो० महामनी उराँव, प्रो० चौठी उराँव, प्रो० बेनीमाधव भगत, प्रो० बसन्ती कुजुर, प्रो० कैलाश उराँव, श्री हेमन्त टोप्पो, श्री महाबीर उराँव, श्री महेश भगत श्री अगुस्तीन केरकेट्‌टा, एस० जे०, श्री शिवशंकर भगत, श्री सरन उराँव आदि विभिन्न कॉलेजों के कुँड़ुख़ भाषा के शिक्षक, कुँड़ुख भाषा प्रेमी एवं छात्र–छात्राएँ उपस्थित थे। कार्यशाला में बिशप डॉ० निर्मल मिंज एवं मेरे द्वारा (डॉ० नारायण उराँव ''सैन्दा'') समर्पित शब्दावली को सभी प्रतिभागियों के बीच वितरित किया गया। इन प्रस्तावित अभिलेखों पर गौर करते हुए, प्रतिभागियों का सुझाव एवं श्री इलांगियन का भाषा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर Terminology Planning का कार्य सम्पन्न हुआ। इस विचार गोष्ठी में सभी भाषा प्रेमियों ने अपने सूझबझ का परिचय दिया, जिसका एक सदस्य के रूप में मुझे भी अपनी सहभागिता निभाने का अवसर प्राप्त हुआ। अंतिम दिन दिनांक – 18.09.09 को, दिनांक 09.12.2005 से 17.12.2005 तक हुए कार्य का संकलन प्रतिवेदन श्री शिवशंकर उराँव द्वारा प्रस्तुत किया गया तथा श्री इलांगियन की अगुवाई में यह प्रस्ताव पारित हुआ कि राँची विश्वविद्यालय, राँची के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग से कुँड़ुख भाषा विभाग अलग हो। इस प्रस्ताव के आलोक में लगभग 35 प्रतिभागियों के हस्ताक्षर से कुलपति, राँची विश्वविद्यालय एवं सचिव, मानव संसाधन विकास विभाग, झारखण्ड सरकार को इस संबंध में ज्ञापन सौंपा गया। एक भाषाविद् एवं टीम लीडर की तरह कार्य करते हुए राँची से भावभीनी

विदाई से पूर्व कुँड़ुख़ भाषा विशेषज्ञ श्री इलांगियन ने वर्ष 2006 में पुनः कार्यशाला आयोजित कर शेष कार्यों को पूरा करने तथा किये गये कायों की समीक्षा किये जाने का आश्वासन दिया था, किन्तु उनके असमय निधन से कुँड़ुख़ समाज को घोर क्षति हुई तथा कुँड़ुख़ शब्दावली विकास का यह कार्य अधुरा रह गया। इसी बीच ''कुँड़ुख़ कत्थ अइन'' नामक एक पुस्तक दिसम्बर 2005 के अन्त में ही प्रकाशित हुई। श्री इलांगियन के असमय निधन से कुँड़ुख़ भाषा प्रेमियों के बीच उठा जोश फिर से धीमा हो गया और एक लम्बे समय के बाद वर्ष 2007 में झारखण्ड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान, राँची के सभागार में Terminology Planning in Kũṛux के उत्तरोत्तर विकास संबंधी बैठक हुई, किन्तु कुछ लेखकों के विचारों में विवाद हो गया। इस विवाद पर प्रो० एडमण्ड टोप्पो ने सुझाव दिया कि कुँड़ुख़ कत्थ अइन के माध्यम से Terminology को जनमानस के बीच जाने दिया जाए, फिर कुछ दिनों पश्चात् इस पर समीक्षा एवं संशोधन हो। इस बैठक के दो वर्ष बाद फिर से बिशप मिंज के अनुरोध पर Terminology Planning के कुछ अधुरे कार्य को पूरा करने हेतु कुँड़ुख़ प्रेमियों ने दिनांक 04.05.2009 दिन मंगलवार को जनजातीय एवं क्षेत्रिय भाषा विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची के प्रांगण में बिशप डॉ० निर्मल मिंज की अध्यक्षता में तथा कुँड़ुख़ प्राध्यापक डॉ० हरि उराँव, प्रो० इन्द्रजीत उराँव, प्रो० दुखा भगत, श्री अगुस्तीन केरकेट्टा, एस० जे०, श्री महाबीर उराँव, श्रीमती चौठी उराँव, श्री महेश भगत एवं डॉ० नारायण उराँव (स्वंय) की उपस्थिति में कार्यशाला आयोजित किया गया। कार्यशाला में काफी विचार–विर्मश के पश्चात यह निर्णय लिया गया कि रिभिजन की जहाँ जरूरत है वहाँ रिभिजन किया जाना चाहिए। इस बैठक में प्रतिभागियों की ओर से कई अच्छे सुझाव दिये गये किन्तु कोई ठोस निर्णय नहीं निकल पाया। अंत में "Terminology Planning in Kurux" विषयक अद्यतन प्रतिवेदन अगली बैठक में प्रस्तुत किये जाने पर सहमति बनी। इसके बाद दिनांक 13.09.2009 को पुनः जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग में डॉ० हरि उराँव की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें डॉ० एलेसियुस खा़खा़, प्रो० महामनी, प्रो० श्रीमती चौठी उराँव, श्री महाबीर उराँव, श्री रामदास उराँव, श्री महेश भगत, श्री अशोक बख़ला, डॉ० नारायण उराँव ''सैन्दा'' (स्वयं), तथा कई स्नातकोत्तर छात्र एवं शोधार्थी उपस्थित थे। कार्यशाला के आरम्भ में ''कुँड़ुख़ कत्थ अइन'' के लेखक का सुझाव था कि यह पुस्तक "Terminology Planning in Kurux" सेमिनार के आधार पर लिखी गई'' है, अतएव इसमें संशोधन की बात उचित नहीं है। वहीं पर कुछ प्रतिभागियों का सुझाव था कि उक्त सेमिनार से कुँड़ुख़ साहित्य को एक नई दिशा एवं ओज प्रदान हुआ है किन्तु पुस्तक में जहाँ गुंजाइश है वहाँ रिभिजन किया जाना चाहिए। इस तरह उपस्थित प्रतिभागियों के विचारों में विवाद न थमने पर बहुत दिनों तक यह कार्य लंबित रहा। एक लम्बे समय के बाद, बिशप डॉ० निर्मल मिंज के उत्साह वर्धन पर अखिल भारतीय तोलोंग सिकि प्रचारिणि सभा द्‌वारा दिनांक – 11.12.2010 को जेवियर समाज सेवा संस्थान, राँची के सभागार में तोलोंग सिकि के परिपेक्ष्य में कुँड़ुख़ भाषा की पारिभाषिक शब्दावली नामकरण योजना के अंतर्गत एक कार्यशाला आयोजित हुई। यह कार्यशाला बिशप डॉ० निर्मल मिंज की अध्यक्षता में तथा तीन समीक्षक डॉ० दुखा भगत, प्रो० बेनीमाधव भगत तथा फ़ा० जेम्स टोप्पो की देखरेख में सम्पन्न हुई। विशिष्ट प्रतिभागियों के रूप में फ़ा० अगुस्तिन केरकेट्टा, डॉ० नारायण भगत, प्रो० (श्रीमती) महामनी उरांव, डॉ० (श्रीमती) शान्ति ख़लख़ो, श्री दुलार लकड़ा, श्री पइकस ख़ेस्स, श्री निस्तार कुजुर, श्री अगस्तुस एक्का, श्री सरन उराँव, श्री जीतू उराँव, श्री सुबोध ख़ाख़ा, पूर्व जिला कृषि पदाधिकारी श्री अगस्तुस तिग्गा, पूर्व केन्दीय काराधीक्षक श्री अब्राहम मिंज, पूर्व डी० आई० जी० श्री पियुस अमृत कुमार बेक, निर्मला कुवांरी मिंज आदि उपस्थित थे। कार्यशाला में अखिल भारतीय तोलोंग सिकि प्रचारिणी सभा के अध्यक्ष फ़ा० अगुस्तिन केरकेट्टा, ने

वर्तमान भूमण्डलीकरण के दौर में कुँड़ुख़ भाषा के लिए नयी लिपि (तोलोंग सिकि) की आवश्यकता तथा कार्यशाला आयोजित किये जाने के औचित्य पर प्रकाश डाला और प्रचारिणी सभा की आगे की कार्य योजना के बारे में बतलाया। उसके बाद मैंने दिनांक 09.12.2005 से 18.12.2005 तक सम्पन्न पारिभाषिक शब्दावली नामकरण योजना के तहत अग्रेतर विकास कार्यक्रम एवं अनेकानेक समीक्षा बैठकों में से एक के अन्तर्गत अपनी बातें रखीं। कार्यशाला में कुँड़ुख़ भाषा–व्याकरण को हिन्दी एवं अंग्रेजी व्याकरण के साथ तुलनात्मक अध्ययन करते हुए प्रस्तुत किया गया, जिसे गहन विचार–विमर्श एवं मंथन के बाद उपस्थित प्रतिभागियों ने मेरे द्वारा दिये गये सुझाव में संशोधन करते हुए जनसाधाराण को अंगीकार होने लायक तथ्यों को स्वीकार किया गया। सभा के अन्त में सर्वसहमति से यह प्रस्ताव पारित किया गया कि कार्यशाला में लिये गये निर्णय को प्रकाशित कर जनमानस तक पंहुचाया जाय तथा इसके आधार पर साहित्य सृजन किये जाएँ।

इस शोध एवं प्रस्तुतिकरण में स्व० डॉ० फ्रांसिस एक्का, पूर्व कुलपति स्व० डॉ० बहुरा एक्का, पद्मश्री एवं पूर्व कुलपति डॉ० रामदयाल मुण्डा, पूर्व कुलपति स्व० डॉ० श्रीमती इन्दु धान, पूर्व कुलपति फ़ा० डॉ० बेनी एक्का, विशप डॉ० निर्मल मिंज, डॉ० दिनेश्वर प्रसाद, स्व० प्रो० इन्द्रजीत उराँव, फ़ा० प्रताप टोप्पो, फ़ा० जेम्स टोप्पो, डॉ० प्रकाशचन्द उराँव, डॉ० करमा उराँव, डॉ० दुखा भगत, फ़ा० डा० जेफ्रेनियुस बख़ला, फ़ा० डॉ० लिनुस कुजुर, डॉ० नारायण भगत, डॉ० हरि उराँव, डॉ० श्रीमती शान्ति खलख़ो, डॉ० गिरिधारी राम ''गौंझु'', फ़ा० डॉ० ईमानुएल बख़ला, फ़ा० अगुस्तीन केरकेट्टा, श्री अशोक बख़ला, ई० अजीत मनोहर खलख़ो, डॉ० विनय कुमार मिश्रा, श्री मनोरंजन लकड़ा, श्री विनोद भगत 'दिवान', श्री किसलय जी आदि विद्वतजनों का मार्गदर्शन एवं सुझाव प्राप्त हुआ है। संस्कृत व्याकरण को समझने में मेरी धर्मपत्नी डॉ० श्रीमती ज्योति टोप्पो उराँव, व्याख्याता, संस्कृत का योगदान सराहणीय रहा है। डॉ० निर्मल मिंज एवं फ़ा० अगुस्तीन केरकेट्टा की भूमिका हमेशा स्मरण रहेगा, जिन्होंने इस पुस्तक के पठनीय रूप तक लाने में अपनी विशेष वौद्धिक क्षमता का परिचय दिया। प्रकाशन हेतु, धन्यवाद दिये विना आगे बढ़ना मुश्किल होगा जिनकी कार्य कुशलता से यह पुस्तक नियत समय में ही अपने स्वरूप में आ सका। उपरोक्त सामाजिक मार्ग दर्शन एवं दिशा निर्देश के आधार पर इस पुस्तक को तैयार किया गया है। आशा है जनसमुदाय भी अपनी इस सहभागिता में सहमति प्रकट करेगी और इसके प्रचार–प्रसार के कार्य में, समाज में आगे आ़कर हाथ बटाएंगे।

पाठ्य सामग्री निर्माण में आदिवासी समाज के लोग आगे आ रहे हैं, जिसे सम्पादक मंडली द्वारा सम्पादित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त TATA STEEL FOUNDATION, JAMSHEDPUR की ओर से अद्दी कुँड़ुख़ चाःला धुमकुड़िया पड़हा अखड़ा, राँची द्वारा तैयार किया गया Web Magazine, kurukhtimes.com को आगे ले जाने में सहयोग किया जा रहा है। अबतक कुँड़ुख़ में 1. अयंग कोंयछा 2. चींचो डण्डी अरा ख़ीरी 3 तोलेंग सिकि कुंड़ुख़ कत्थपून नामक तीन पुस्तकें तथा 4. तोलोंग सिकि वर्णमाला चार्ट प्रकाशित कराया गया है।

अंत में सम्पादक मण्डली एवं कुँड़ुख़ भाषा प्रेमियों एवं अद्दी अखड़ा संस्था से जुड़े सदस्यों को ''कुँड़ुख़ कत्थअईन अरा ख़ोसराचम्मबी'' नामक कुँड़ुख़ व्याकरण पुस्तक के सफल प्रकाशन के लिए मैं हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

– डॉ० नारायण उराँव,
एम.जी.एम.मेडिकल कॉलेज अस्पताल,
जमशेदपुर (झारखण्ड)

दिनांक : 15 फरवरी 2024

B. [illegible] - II

व्याकरण संबंधी निर्देश

1. 'तोलोङ सिकि' अथवा 'तोलोङ लिपि' एक वर्णात्मक लिपि है। इसे IAP (International Phonetic Alphabet) के सिद्धांत की तरह एक के बाद एक, लिखा जाता है। यह, 'देवनागरी लिपि' में मात्रा चिह्न लगाने की परम्परा से मुक्त है। इस लिपि से किसी शब्द को उसके शब्द–खण्ड (Syllable) के आधार पर लिखा एवं पढ़ा जाता है। जैसे – कमहड़। इस शब्द में कम् + हड़ दो शब्द खण्ड है। इसे तोलोङ सिकि में इस प्रकार लिखा जाता है – **[illegible]+[illegible] = [illegible].**

2. किसी एक शब्द–खण्ड में व्यंजन वर्ण के साथ कम से कम एक स्वर वर्ण का होना आवश्यक है। बिना स्वर के शब्द–खण्ड पूरा नहीं होता है। जैसे – **[illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible].**

3. किसी शब्द–खण्ड में एक मात्र स्वर रह सकता है किन्तु व्यंजन, स्वर के बिना अकेला नहीं रह सकता। जैसे – **[illegible]** (ओ+था), **[illegible]** (ओ+थोर+आ)।

4. किसी शब्द–खण्ड में स्वर वर्ण के बाद अधिक से अधिक दो व्यंजन वर्ण हो सकते हो । जैसे – **[illegible] + [illegible] = [illegible]** (बर्ह + माःरना = बर्हमारना)।

5. यदि किसी शब्द–खण्ड के प्रथम दोनों आरंभिक वर्ण व्यंजन हो तो पहला व्यंजन, दूसरे व्यंजन के साथ संयुक्त होकर उसके स्वर के अनुरूप उच्चरित होता है। जैसे – प्यार – **[illegible],** क्रिया – **[illegible].**

6. शब्द–खण्ड का अंतिम वर्ण यदि 'अकारान्त' हो वह स्वर रहित होता है । जैसे :– कर्म – **[illegible],** समान – **[illegible].** यहाँ अन्तिम वर्ण म् एवं न् स्वर रहित है, चूंकि शब्द–खण्ड का दोनों अन्तिम वर्ण 'अकारान्त' है।

7. यदि किसी शब्द में प्रथम शब्द–खंड के बाद शब्द–खंड के रूप में स्वर आए तो उसे पूर्व के शब्द–खंड से अलग दिखलाने के लिए घेतला (') चिह्न दिया जाता है। इसके अतिरिक्त इस चिह्न का प्रयोग वैसे स्थान पर भी होता है जहाँ एक वर्ण प्रथम शब्द–खंड के अंतिम वर्ण के रूप में तथा बाद वाले शब्द खंड के प्रथम वर्ण के रूप में एक ही स्थान पर व्यवस्थित हो । वैसी स्थिति में इसके उच्चारण एवं शब्द–खंड को दिखलाने के लिए घेतला चिह्न (') (शब्द खंड सूचक चिह्न) देकर लिखा जाता है। जैसे – पर्दो – **[illegible],** पर्दओ – **[illegible],** बन्ना – **[illegible],** बनना – **[illegible].**

8. यदि ''प'' वर्ग, ''त'' वर्ग, ''ट'' वर्ग, ''च'' वर्ग, ''क'' वर्ग के निरनुनासिक वर्ण के पहले अनुनासिक ध्वनि आये तो उस स्थान को अपने–अपने वर्ग का पंचम वर्ण स्थान ग्रहण करता है । जैसे – रम्फ, मेन्त, चेण्ठ, पंच, कंक क्रमशः **[illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible]** आदि ।

9. यदि य, र, ल, व, स, ह, ख़, ड़, ढ़ आदि के पहले, अनुनासिक ध्वनि हो, तो क्रमशः अपने उच्चारण स्थान के अनुसार अनुनासिक स्वर ध्वनि सूचक स्थान लेता है। अतः इन वर्णों के पूर्व अनुनासिक ध्वनि रहने पर, अनुनासिक स्वर ध्वनि सूचक चिह्न मितला (˙) दिया जाता है, जो उच्चारण एवं जो देवनागरी में चन्द्रविन्दु के उच्चारण चिह्न जैसा है। जैसे – **[illegible] - [illegible]-[illegible], [illegible] - [illegible]-[illegible], [illegible] - [illegible], [illegible] - [illegible]-[illegible], [illegible] - [illegible], [illegible] - [illegible], [illegible] - [illegible], [illegible] - [illegible]** ; किन्तु कुछ देशज एवं विदेशज शब्दों के प्रयोग में 'स' वर्ण के पूर्व 'न' का भी प्रयोग होता है । जैसे – सन्स **- [illegible].**

10. यह लिपि वर्णात्मक है इसलिए हलन्त का प्रयोग नहीं होता है।

11. सेला (:) चिह्न का प्रयोग स्वर के उच्चारण समय को लम्बा करने के लिए तथा हेचका (I) का प्रयोग स्वर को झटके के साथ उच्चारण करने के स्थान पर किया जाता है । जैसे – **ν:ঙা** (एःड़ा) = बकरी, **ᱮ৭ᱷৌ** (बअ़ना) = बोलना ।

12. कुछ देशज एवं विदेशज ध्वनियाँ हैं, जिनका उच्चारण सीखना चाहिए, जिससे दूसरी भाषाओं को भी सही–सही बोला एवं लिखा जा सकता है । इसके लिए "देशज एवं विदेशज ध्वनियाँ" में ध्वनि चिह्न के साथ ध्वनि मान दिया गया है। जैसे – **ᱮॉॆ৪** (बॉल), **ᱻাᱚ৭৪** (फ़ादर), **ᱹ৭৪ᱻᱹা** (शरीफ़ा)।

13. मितला (˙) का प्रयोग देवनागरी लिपि के चन्द्र बिन्दु (ँ) के स्थान पर होता है अर्थात मितला चिह्न अनुनासिक स्वर सूचक है, जबकि देवनागरी लिपि के बिन्दु (˙) चिह्न का प्रयोग अपने–अपने वर्ग के वर्णों से पहले व्यवहारित पंचम वर्ण का द्योतक है यथा व्यंजन वर्ण का द्योतक है। जैसे – **ᱹ৭ঙᱷা, ᱹ৭ᱚᱷা, ᱚᱺ:ᱝ, ᱛᱺ:ᱚᱣᱢ, ᱚᱹ:ᱛ, ᱮᱺ:ᱥᱺ, ᱣᱹᱥᱛᱺ ᱣᱹᱚᱢᱺ.**

14. शब्द के अन्त में यदि अकारान्त संयुक्त 'र' हो तो 'र' के पूर्व वर्ण में रेवाँ 'र' देकर लिखा जाता है, जैसे :– राष्ट्र – **ᱢাᱻᱹ**, मित्र – **ᱣᱺᱹ**, वक्र – **ᱵ৭ᱹ.**

15. देवनागरी लिपि से कुँडुख़ भाषा के सभी ध्वनियों को ज्यों का यों लिखने में कठिनाई होती है । अतः देवनागरी लिपि के मूल सिद्धांत 'एक ध्वनि एक संकेत' के अनुसार तथा पुनरूक्ति दोष से बचने हेतु प्रचलित ध्वनि चिह्न के नीचे या उपर भाषा विज्ञान एवं तकनीकि सम्मत, पूरक चिह्न देकर पढ़ने एवं लिखने के तरीके को तोलोंग सिकि में अपनाया गया है, जिस प्रकार कि उर्दू भाषा के ध्वनियों को दिखलाने के लिए देवनागरी अक्षर के नीचे बिन्दु देने की मान्यता है । जैसे – क़, ख़, ग़, ब़, फ़, ज़, व़ आदि । कुँडुख़ भाषा के ध्वनियों के लिए पूरक चिह्न का प्रयोग इस प्रकार किया गया है :–

(क) दिगहा सरह (Long Phone) को दिखलाने के लिए दिगहा ए एवं दिगहा ओ ध्वनि को क्रमशः एः तथा ओः की तरह लिखकर पढ़ा एवं समझा गया है। फ़ादर कामिल बुल्के की पुस्तक ''अंग्रेजी–हिन्दी शब्दकोश'' में अक्षर के बाद ' : ' (कॉलन) चिह्न देकर दिगहा सरह (Long Phone) को दिखलाने के लिए व्यवहार किया गया है। इस पद्धति को हिन्दी साहित्य के विद्वान डॉ० दिनेश्वर प्रसाद द्वारा भी समर्थन किया गया है। जैसे – कोंःड़ा–कोंःड़ा, मोःड़ा, ओःड़ा, एःड़ा, तेःला, मोःख़ो, चाँःड़े–चाँःड़े आदि ।

(ख) हेचका हरह (Glotal stop) को दिखलाने के लिए ' अ़ ' चिह्न का व्यवहार किया गया है। जैसे – रअ़ना, बअ़ना, चिअ़ना, बिअ़ना नेअ़ना, खेअ़ना, होअ़ना, चोअ़ना आदि।

(ग) कुँडुख़ भाषा की उच्चारण विशेषता को दिखलाने के लिए घेतला चिह्न (') यानि शब्द खण्ड सूचक चिह्न दिया गया है। जैसे – बरई – बर'ई, कमई – कम'ई इत्यादि ।

(घ) कुँडुख़ भाषा के शब्दों को, 'रोमन लिपि' में लिप्यन्तरण हेतु स्व० डॉ० फ्रांसिस एक्का द्वारा, कुँडुख़ फोनेटिक रीडर में बतलाए 6 (six) vowel concept के सिद्धांत को स्वीकार किया गया है, जो प्रयोग की दृष्टि से उत्तम है। इस सिद्धांत के अनुसार छठवाँ vowel के रूप में A या a के नीचे पड़ी लकीर दिया गया है । जैसे :– जैसे – i, e, u, o, a, $\bar{a}$. यथा अ = a, आ = $\bar{a}$, अँ = $\tilde{a}$, आँ = $\tilde{\bar{a}}$ आदि।

दिनांक – 12 फरवरी 2024

– डॉ० नारायण उराँव 'सैन्दा

C. - III

(तोःड़घोख) = Orthography, वर्ण विचार

(I) (तोड़पाब) = Alphabsts, वर्णमाला

(सरह तोःड़) = स्वर वर्ण

i इ	e ए	u उ	o ओ	a अ	ā आ

ः (सेला) = लम्बी ध्वनि, ˙ (मितला) = नासिक्य व्यंजन सूचक, ' (घेतला) = शब्दखण्ड सूचक, ˜ (एवाँ) = नासिक्य स्वर सूचक, ˷ (रेवाँ) = नासिक्य स्वर सूचक, । (हेचका) = व्यंजन अ़

(हरह तोःड़) = व्यंजन वर्ण

p प्	ph फ्	b ब्	bh भ्	m म्
t त्	th थ्	d द्	dh ध्	n न्
ṭ ट्	ṭh ठ्	ḍ ड्	ḍh ढ्	ṇ ण्
ch च्	chh छ्	j ज्	jh झ्	ñ ञ्
k क्	kh ख्	g ग्	gh घ्	ṅ ङ्
y य्	r र्	l ल्	v व्	ż ञ़्
s स्	h ह्	x ख़्	ṛ ड़्	ṛh ढ़्

(II) (पड़हरा) = ककहरा

पि	पे	पु	पो	प	पा
pi	pe	pu	po	pa	pā
फि	फे	फु	फो	फ	फा
phi	phe	phu	pho	pha	phā

बि	बे	बु	बो	ब	बा
bi	be	bu	bo	ba	bā
भि	भे	भु	भो	भ	भा
bhi	bhe	bhu	bho	bha	bhā
मि	मे	मु	मो	म	मा
mi	me	mu	mo	ma	mā
ति	ते	तु	तो	त	ता
ti	te	tu	to	ta	tā
थि	थे	थु	थो	थ	था
thi	the	thu	tho	tha	thā
दि	दे	दु	दो	द	दा
di	de	du	do	da	dā
धि	धे	ध	धो	ध	धा
dhi	dhe	dhu	dho	dha	dhā
नि	ने	नु	नो	न	ना
ni	ne	nu	no	na	nā
टि	टे	टु	टो	ट	टा
ṭi	ṭe	ṭu	ṭo	ṭa	ṭā
ठि	ठे	ठु	ठो	ठ	ठा
ṭhi	ṭhe	ṭhu	ṭho	ṭha	ṭhā
डि	डे	डु	डो	ड	डा
ḍi	ḍe	ḍu	ḍo	ḍa	ḍā
ढि	ढे	ढु	ढो	ढ	ढा
ḍi	ḍhe	ḍhu	ḍho	ḍha	ḍhā

णि	णे	णु	णो	ण	णा
ṇi	ṇe	ṇu	ṇo	ṇa	ṇā
चि	चे	चु	चो	च	चा
chi	che	chu	cho	cha	chā
छि	छे	छु	छो	छ	छा
chhi	chhe	chhu	chho	chha	chhā
जि	जे	जु	जो	ज	जा
ji	je	ju	jo	ja	jā
झि	झे	झु	झो	झ	झा
jhi	jhe	jhu	jho	jha	jhā
ञि	ञे	ञु	ञो	ञ	ञा
ñi	ñe	ñu	ño	ña	ñā
कि	के	कु	को	क	का
ki	ke	ku	ko	ka	kā
खि	खे	खुइ	खो	ख	खा
khi	khe	khu	kho	kha	khā
गि	गे	गु	गो	ग	गा
gi	ge	gu	go	ga	gā
घि	घे	घु	घो	घ	घा
ghi	ghe	ghu	gho	gha	ghā
ङि	ङे	ङु	ङो	ङ	ङा
ṅi	ṅe	ṅu	ṅo	ṅa	ṅā
यि	ये	यु	यो	य	या
yi	ye	yu	yo	ya	yā

रि	रे	रु	रो	र	रा
ri	re	ru	ro	ra	rā
लि	ले	लु	लो	ल	ला
li	le	lu	lo	la	lā
वि	वे	वु	वो	व	वा
vi	ve	vu	vo	va	vā
ज़ि	ज़े	ज़ु	ज़ो	ज़	ज़ा
żi	że	żu	żo	ża	żā
सि	से	सु	सो	स	सा
si	se	su	so	sa	sā
हि	हे	हु	हो	ह	हा
hi	he	hu	ho	ha	hā
ख़ि	ख़े	ख़ु	ख़ो	ख़	ख़ा
xi	xe	xu	xo	xa	xā
ड़ि	ड़े	ड़ु	ड़ो	ड़	ड़ा
ṛi	ṛe	ṛu	ṛo	ṛa	ṛā
ढ़ि	ढ़े	ढ़ु	ढ़ो	ढ़	ढ़ा
ṛhi	ṛhe	ṛhu	ṛho	ṛha	ṛhā

(8) (सरह) = Vowel, स्वर

Tolong siki (तोलोङ सिकि)	Roman script (रोमन लिपि)	Devanagri lipi (देवनागरी लिपि)

1. (बइता सन्नी सरह) = Oral short vowel / मौखिक ह्रस्व स्वर

	i	इ
	e	ए
	u	उ

	o	ओ
	a	अ
	ā	आ

2. (मुँइता सन्नी सरह) = Nasal short vowel, नासिक्य ह्रस्व स्वर

	ĩ	इँ
	ẽ	एँ
	ũ	उँ
	õ	ओं
	ã	अँ
	ā̃	आँ

3. (बइता दिगहा सरह) = Oral long vowel, मौखिक दीर्घप्लूत स्वर

	i:	इः
	e:	एः
	u:	उः
	o:	ओः
	a:	अः
	ā:	आः

4. (मुँइता दिगहा सरह) = Nasal long vowel, नासिक्य दीर्घप्लूत स्वर

	ĩ:	इँः
	ẽ:	एँः
	ũ:	उँः
	õ:	ओंः
	ã:	अँः
	ā̃:	आँः

5. बइता जोट्ठा सरह = Oral compound vovel

	ai	अइ
	au	अउ
	ae	ऐ
	ao	औ
	ay	अय
	av	अव
	iu	इउ
	iy	इय

[illegible]	-	iv	-	इव
[illegible]	-	ui	-	उइ
[illegible]	-	uy	-	उय
[illegible]	-	uv	-	उव
[illegible]	-	ei	-	एइ
[illegible]	-	eu	-	एउ
[illegible]	-	ey	-	एय
[illegible]	-	ev	-	एव
[illegible]	-	oi	-	ओइ
[illegible]	-	ou	-	ओउ
[illegible]	-	oy	-	ओय
[illegible]	-	ov	-	ओव
[illegible]	-	āi	-	आइ
[illegible]	-	āu	-	आउ
[illegible]	-	āy	-	आय
[illegible]	-	āv	-	आव

6. मुंईता जोट्ठा सरह = Nasal compound vovel

[illegible]	-	ãi	-	अँइ
[illegible]	-	ãu	-	अँउ
[illegible]	-	ãy	-	अँय
[illegible]	-	ãv	-	अँव
[illegible]	-	ãe	-	ऐं
[illegible]	-	ão	-	औं
[illegible]	-	ĩu	-	इँउ
[illegible]	-	ĩy	-	इँय
[illegible]	-	ĩv	-	इँव
[illegible]	-	ũi	-	उँइ
[illegible]	-	ũy	-	उँय
[illegible]	-	ũv	-	उँव
[illegible]	-	ẽi	-	एँइ
[illegible]	-	ẽu	-	एँउ
[illegible]	-	ẽy	-	एँय
[illegible]	-	ẽv	-	एँव
[illegible]	-	õi	-	ओंइ
[illegible]	-	õu	-	ओंउ
[illegible]	-	õy	-	ओंय
[illegible]	-	õv	-	ओंव

[illegible]	-	ā̃i	-	आँइ
[illegible]	-	ā̃u	-	आँउ
[illegible]	-	ā̃y	-	आँय
[illegible]	-	ā̃v	-	आँव

(ଌ) [illegible] (हरह) = Consonants, व्यंजन

1. [illegible] [illegible] (मू:ली हरह) = primary consonant, मूल व्यंजन

ᑌ	-	p	-	प्
ও	-	ph	-	फ्
ల	-	b	-	ब्
ೞ	-	bh	-	भ्
ഖ	-	m	-	म्
ര	-	t	-	त्
൭	-	th	-	थ्
ಖ	-	d	-	द्
ಬ	-	dh	-	ध्
ന	-	n	-	न्
൫	-	ṭ	-	ट्
ൡ	-	ṭh	-	ठ्
ൻ	-	ḍ	-	ड्
ൽ	-	ḍh	-	ढ्
ൾ	-	ṇ	-	ण्
ഹ	-	ch	-	च्
൯	-	chh	-	छ्
൬	-	j	-	ज्
൮	-	jh	-	झ्
൩	-	ñ	-	ञ्
ഗ	-	k	-	क्
ശ	-	kh	-	ख्
ധ	-	g	-	ग्
ശ	-	gh	-	घ्
ல	-	ṅ	-	ङ्
ഃ	-	y	-	य्
ଣ	-	r	-	र्
ന	-	l	-	ल्
ഒ	-	v	-	व्
ഹ	-	ż	-	ञ़्

[illegible]	-	s	-	स्
[illegible]	-	h	-	ह्
[illegible]	-	x	-	ख़्
[illegible]	-	ṛ	-	ड़्
[illegible]	-	ṛh	-	ढ़्

2. [illegible] (जोट्ठा हरह) = compound consonant, संयुक्त व्यंजन

[illegible]	-	pp	-	प्प्
[illegible]	-	pph	-	प्फ्
[illegible]	-	bb	-	ब्ब्
[illegible]	-	bbh	-	ब्भ्
[illegible]	-	mm	-	म्म्
[illegible]	-	tt	-	त्त्
[illegible]	-	tth	-	त्थ्
[illegible]	-	dd	-	द्द्
[illegible]	-	ddh	-	द्ध्
[illegible]	-	nn	-	न्न्
[illegible]	-	ṭṭ	-	ट्ट्
[illegible]	-	ṭṭh	-	ट्ठ्
[illegible]	-	ḍḍ	-	ड्ड्
[illegible]	-	ḍḍh	-	ड्ढ्
[illegible]	-	ṇṇ	-	ण्ण्
[illegible]	-	chch	-	च्च्
[illegible]	-	chchh	-	च्छ्
[illegible]	-	jj	-	ज्ज्
[illegible]	-	jjh	-	ज्झ्
[illegible]	-	kk	-	क्क्
[illegible]	-	kkh	-	क्ख्
[illegible]	-	gg	-	ग्ग्
[illegible]	-	ggh	-	ग्घ्
[illegible]	-	yy	-	य्य्
[illegible]	-	rr	-	र्र्
[illegible]	-	ll	-	ल्ल्
[illegible]	-	vv	-	व्व्
[illegible]	-	ss	-	स्स्

(९)

(हेचका हरह) = Glottal stop, अर्द्धस्वर अ (। - ऽ – अ़)

1. (बइता हेचका हरह) = Oral glottal stop, मौखिक अर्द्धस्वर अ़

	-	इअ़
	-	एअ़
	-	उअ़
	-	ओअ़
	-	अअ़
	-	आअ़

2. (मुँइता हेचका हरह) = Nasal glottal stop, नासिक्य अर्द्धस्वर अ़

	-	इँअ़
	-	एँअ़
	-	उँअ़
	-	ओंअ़
	-	अँअ़
	-	आँअ़

(६) (फुरचाअ़ना ढचर)
= कुँड़ुख़ ध्वनि एवं औचारणिक व्यवस्था

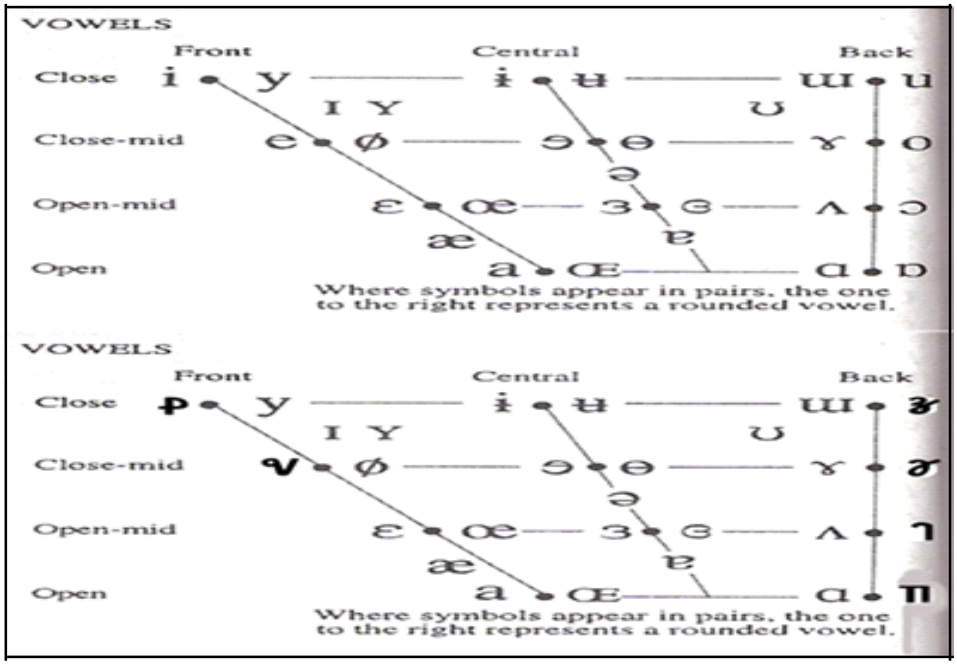

(क) (हरह तोड़ फुरचारना खन्दहा) –

1. / एमसारका (Stop, स्पर्श)
2. / घसरारका (Fricative, संघर्षी)
3. / एमसार–घसरारका (Africative, स्पर्श–संघर्षी)
4. / मईझतल (Intermediate, अन्तःस्थ)
5. / अइखनारका (Retroflex, उत्क्षिप्त)
6. / ठोरकारका (Trill, लुंठित)

(ख) (फुरचारना अड्डा) –

1. / मेलख़ा (Vellar, कण्ठ्य) – अ आ क ख ग घ ङ।
2. / तवला (Pallatal, तालव्य) – इ ई च छ ज झ ञ।
   - (i) / कटरस तवला (Hard Pallatal, कठोर तालु)
   - (ii) / लुदुर तवला (Soft pallatal, मुलायम तालु)
3. / मेदोम्पा (Crebral, मूर्द्धन्य) – ट ठ ड ढ ण।
4. / पल्ले–खोहा (Dento-alveolar, दन्तगुहा) – त थ द ध न।
   - (i) / पल्ले (Hard part of teeth, कठोर दंत, दन्त)
   - (ii) / पल्ले खोहा (Alveolar part, दन्त गुहा)
5. / लवटो (Bilabial, ओष्ठय) – उ ऊ प फ ब भ म।
6. / घसरारका (Fricative, संघर्षी) – स ह ख़।
7. / मईड़ता (Alveolar-pallatal, वत्स्र्य) – ञ़।
8. / ठोरकारका (Trill, लुंठित) – र ल।
9. / ठोरोक अइखनारका (Trill Retroflex, लुंठित उत्क्षिप्त) – ड़, ढ़।
10. / बेघसरा–सरलगआ (Africative Semi vowel, संघर्षहीन–सप्रवाही) – य, व।
11. / मेलख़ा–तवला (Vellar-pallatal, कण्ठ–तालव्य) – ए ऐ (अय) ञ़।
12. / मेलख़ा–लवटो (Vellar-labial, कण्ठ–ओष्ठ्य) – ओ, औ (अव)।
13. / मुहड़ा (Front part, अग्र भाग)

14. / मझड़ा (Mid part, मध्य भाग)

15. / मुसड़ा (Base part, आखरी भाग, आधार वाला भाग)

16. / सुम्हड़ा (Face, चेहरा)

17. / गग्गामुखा एमसारका (Glotal stop, स्वरयंत्र मुख स्पर्शी) – अ़।

(ग) / निनास (respiration) ही बेहवार मदहे ती :–

1. / सेब्बानिनास (Non-aspirated, अल्पप्राण) – प् ब् म् त् द् न् ट् ड् ण् च् ज् ञ् क् ग् ङ् य् र् ल् व् ञ़् स् ख़् ड़् ।

2. / बग्गानिनास (Aspirated, महाप्राण) – फ् भ् थ् ध् ठ् ढ् छ् झ् ख् घ् ह् ढ़्।

(घ) / फुरचन तॉइत (vocal cord) ही बेहवार मदहे ती :–

1. / नुकुरहहस (Voiced, सघोष) – अ आ इ ई ए ऐ उ उ ओ औ ब् भ् म् द् ध् न् ड् ढ् ण् ज् झ् ञ् ग् घ् ङ् य् र् ल् व् ञ़् ड़् ढ़्।

2. थिरावहहस (Nonvoiced, अघोष) – प् फ् त् थ् ट् ठ् च् छ् क् ख् स् ह् ख़्।

(ङ) / ततख़ा ही उदुरना अरा चलख़रना (tongue height situation) मदहे ती :–

1. / उदुरका (Closed, संवृत) – इ उ

2. / चलख़रका (Opened, विवृत) – आ

3. / जोक्क उदुरका (Mid closed, अर्द्धसंवृत) – अ ए ओ

4. / जोक्क चलख़रका (mid opened, अर्द्धविवृत) –

(च) / लवटो (Lips) ही बेहवार मदहे ती :–

1. / मेण्डरो चोम्मे (Rounded, वृतमुखी) – उ उ ओ औ

2. / बेमेण्डरो मलका चोम्मे (Not rounded, आवृतमुखी) – अ आ इ ई ए ऐ

(छ) / ततख़ा (Tongue Position) ही बेहवार मधे ती :–

1. / मुहड़ा (Front, अग्र) – इ ए

2. / मझड़ा (Mid, मध्य) – अ

3. / मुसड़ा (Back, पश्च) – उ ओ आ

(6) [Tolong Siki script] (फुरचारना कत्थसोर) = औच्चारणिक विवरणी,

Articulatory description of alphbets

कुँड़ुख़ ध्वनि एवं औच्चारणिक विवेचना

Kurux phones and Articulatory Discription

(1) [Tolong Siki script] / मूली सरह = Primary vowel, मूल स्वर :–

[Tolong Siki script] (इ) – [Tolong Siki script]
- उदुरका, नुकुरहहस, बेमेण्डरो चोम्मे, मुहड़ा, बइता, सन्नी सरह।
- (संवृत, सघोष, आवृतमुखी, अग्र, मौखिक, ह्रस्व स्वर।)

[Tolong Siki script] (इः) – [Tolong Siki script]
- उदुरका, नुकुरहहस, बेमेण्डरो चोम्मे, मुहड़ा, बइता, दिगहा सरह।
- (संवृत, सघोष, आवृतमुखी, अग्र, मौखिक, उच्च–दीर्घ स्वर।)

[Tolong Siki script] (इँ) – [Tolong Siki script]
- उदुरका, नुकुरहहस, बेमेण्डरो चोम्मे, मुहड़ा, मुइता, सन्नी सरह।
- (संवृत, सघोष, आवृतमुखी, अग्र, नासिक्य, हृस्व स्वर।)

[Tolong Siki script] (इँः) – [Tolong Siki script]
- उदुरका, नुकुरहहस, बेमेण्डरो चोम्मे, मुहड़ा, मुइता, दिगहा सरह।
- (संवृत, सघोष, आवृतमुखी, अग्र, नासिक्य, उच्च–दीर्घ स्वर।)

[Tolong Siki script] (ए) – [Tolong Siki script]
- कोचआ उदुरका, नुकुरहहस, बेमेण्डरो चोम्मे, मुहड़ा, बइता, सन्नी सरह।
- (अर्द्धसंवृत, सघोष, आवृतमुखी, अग्र, मौखिक, हृस्व स्वर।)

[Tolong Siki script] (एः) – [Tolong Siki script]
- कोचआ उदुरका, नुकुरहहस, बेमेण्डरो चोम्मे, मुहड़ा, बइता, दिगहा सरह।
- (अर्द्धसंवृत, सघोष, आवृतमुखी, अग्र, मौखिक, उच्च–दीर्घ स्वर।)

[Tolong Siki script] (एँ) – [Tolong Siki script]
- कोच्चा उदुरका, नुकुरहहस, बेमेण्डरो चोम्मे, मुहड़ा, मुइता, सन्नी सरह।
- (अर्द्धसंवृत, सघोष, आवृतमुखी, अग्र, नासिक्य, हृस्व स्वर।)

[illegible] (एँ:) – [illegible]

– कोचआ उदुरका, नुकुरहहस, बेमेण्डरो चोम्मे, मुहड़ा, मुइता, दिगहा सरह।

– (अर्द्धसंवृत, सघोष, आवृतमुखी, अग्र, नासिक्य, उच्च–दीर्घ स्वर।)

[illegible] (उ) – [illegible]

– उदुरका, नुकुरहहस, मेण्डरो चोम्मे, पेन्दआ, बइता, सन्नी सरह।

– (संवृत, सघोष, वृतमुखी, पश्च, मौखिक, हृस्व स्वर।)

[illegible] (उ:) – [illegible]

– उदुरका, नुकुरहहस, मेण्डरो चोम्मे, पेन्दआ, बइता, दिगहा सरह।

– (संवृत, सघोष, वृतमुखी, पश्च, मौखिक, उच्च–दीर्घ स्वर।)

[illegible] (उँ) – [illegible]

– उदुरका, नुकुरहहस, मेण्डरो चोम्मे, पेन्दआ, मुइता, सन्नी सरह।

– (संवृत, सघोष, वृतमुखी, पश्च, नासिक्य, हृस्व स्वर।)

[illegible] (उँ:) – [illegible]

– उदुरका, नुकुरहहस, मेण्डरो चोम्मे, पेन्दआ, मुइता, दिगहा सरह।

– (संवृत, सघोष, वृतमुखी, पश्च, नासिक्य, उच्च–दीर्घ स्वर।)

[illegible] (ओ) – [illegible]

– कोचआ उदुरका, नुकुरहहस, मेण्डरो चोम्मे, लिड़ही, बइता, सन्नी सरह।

– (अर्द्धसंवृत, सघोष, वृतमुखी, पश्च, मौखिक, हृस्व स्वर।)

[illegible] (ओ:) – [illegible]

– कोचआ उदुरका, नुकुरहहस, मेण्डरो चोम्मे, पेन्दआ, बइता, दिगहा सरह।

– (अर्द्धसंवृत, सघोष, वृतमुखी, पश्च, मौखिक, उच्च–दीर्घ स्वर।)

[illegible] (ओं) – [illegible]

– कोचआ उदुरका, नुकुरहहस, मेण्डरो चोम्मे, पेन्दआ, मुइता, सन्नी सरह।

– (अर्द्धसंवृत, सघोष, वृतमुखी, पश्च, नासिक्य, हृस्व स्वर।)

[illegible] (ओं:) – [illegible]

– कोचआ उदुरका, नुकुरहहस, मेण्डरो चोम्मे, लिहड़ी, मुइता, दिगहा सरह।
– (अर्द्धसंवृत, सघोष, वृतमुखी, पश्च, नासिक्य, उच्च–दीर्घ स्वर।)

[illegible] (अ) – [illegible]
– कोचआ चलख़रका, नुकुरहहस, बेमेण्डरो चोम्मे, मझड़ा, बइता, सन्नी सरह।
– (अर्द्धविवृत, सघोष, आवृतमुखी, मध्य, मौखिक, हृस्व स्वर।)

[illegible] (अ:) – [illegible]
– कोचआ चलख़रका, नुकुरहहस, बेमेण्डरो चोम्मे, मझड़ा, बइता, दिगहा सरह।
– (अर्द्धविवृत, सघोष, आवृतमुखी, मध्य, मौखिक, उच्च–दीर्घ स्वर।)

[illegible] (अँ) – [illegible]
– कोचआ चलख़रका, नुकुरहहस, बेमेण्डरो चोम्मे, मझड़ा, मुइता, सन्नी सरह।
– (अर्द्धविवृत, सघोष, आवृतमुखी, मध्य, नासिक्य, हृस्व स्वर।)

[illegible] (अँ:) – [illegible]
– कोचआ चलख़रका, नुकुरहहस, बेमेण्डरो चोम्मे, मझड़ा, मुइता, दिगहा सरह।
– (अर्द्धविवृत, सघोष, आवृतमुखी, मध्य, नासिक्य, उच्च–दीर्घ स्वर।)

[illegible] (आ) – [illegible]
– चलख़रका, नुकुरहहस, बेमेण्डरो चोम्मे, पेन्दआ, बइता, सन्नी सरह।
– (विवृत, सघोष, आवृतमुखी, पश्च, मौखिक, हृस्व स्वर।)

[illegible] (आ:) – [illegible]
– चलख़रका, नुकुरहहस, बेमेण्डरो चोम्मे, पेन्दआ, बइता, दिगहा सरह।
– (विवृत, सघोष, आवृतमुखी, पश्च, मौखिक, उच्च–दीर्घ स्वर।)

[illegible] (आँ) – [illegible]
– चलख़रका, नुकुरहहस, बेनमेण्डरो चोम्मे, पेन्दआ, मुइता, सन्नी सरह।
– (विवृत, सघोष, आवृतमुखी, पश्च, नासिक्य, हृस्व स्वर।)

[illegible] (आँ:) – [illegible]
– चलख़रका, नुकुरहहस, बेनमेण्डरो चोम्मे, पेन्दआ, मुइता, दिगहा सरह।
– (विवृत, सघोष, आवृतमुखी, पश्च, नासिक्य, उच्च–दीर्घ स्वर।)

(II) [illegible] / मूली हरह = Primary Consonants, मूल व्यंजन :-

[illegible] (प्) – [illegible]
– लवटो, एमसारका, थिरावहहस, सेब्बानिनास, बइता, मूःली हरह।
– (ओष्ठ्य, स्पर्शी, अघोष, अल्पप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (फ्) – [illegible]
– लवटो, एमसारका, थिरावहहस, बग्गानिनास, बइता, मूःली हरह।
– (ओष्ठ्य, स्पर्शी, अघोष, महाप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (ब्) – [illegible]
– लवटो, एमसारका, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, बइता, मूःली हरह।
– (ओष्ठ्य, स्पर्शी, सघोष, अल्पप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (भ्) – [illegible]
– लवटो, एमसारका, नुकुरहहस, बग्गानिनास, बइता, मूःली हरह।
– (ओष्ठ्य, स्पर्शी, सघोष, महाप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (म्) – [illegible]
– लवटो, एमसारका, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, मुइता, मूःली हरह।
– (ओष्ठ्य, स्पर्षी, सघोष, अल्पप्राण, नासिक्य, मूल व्यंजन।)

[illegible] (त्) – [illegible]
– पल्ले, एमसारका, थिरावहहस, सेब्बानिनास, बइता, मूःली हरह।
– (दंत्य, स्पर्शी, अघोष, अल्पप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (थ्) – [illegible]
– पल्ले, एमसारका, थिरावहहस, बग्गानिनास, बइता, मूःली हरह।
– (दंत्य, स्पर्शी, अघोष, महाप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (द्) – [illegible]
– पल्ले, एमसारका, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, बइता, मूःली हरह।
– (दंत्य, स्पर्शी, सघोष, अल्पप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (ध्) – [illegible]

– पल्ले, एमसारका, नुकुरहहस, बग्गानिनास, बइता, मूःली हरह।

– (दंत्य, स्पर्शी, सघोष, महाप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (न्) – [illegible]

पल्ले, एमसारका, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, मुइता, मूःली हरह।

(दंत्य, स्पर्शी, सघोष, अल्पप्राण, नासिक्य, मूल व्यंजन।)

[illegible] (ट्) – [illegible]

मेदोला, एमसारका, थिरावहहस, सेब्बानिनास, बइता, मूःली हरह।

(मुर्द्धन्य, स्पर्शी, अघोष, अल्पप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (ठ्) – [illegible]

मेदोला, एमसारका, थिरावहहस, बग्गानिनास, बइता, मूःली हरह।

(मुर्द्धन्य, स्पर्शी, अघोष, महाप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (ड्) – [illegible]

मेदोला, एमसारका, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, बइता, मूःली हरह।

(मुर्द्धन्य, स्पर्शी, सघोष, अल्पप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (ढ्) – [illegible]

मेदोला, एमसारका, नुकुरहहस, बग्गानिनास, बइता, मूःली हरह।

(मुर्द्धन्य, स्पर्शी, सघोष, महाप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (ण्) – [illegible]

मेदोला, एमसारका, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, मुइता, मूःली हरह।

(मुर्द्धन्य, स्पर्शी, सघोष, अल्पप्राण, नासिक्य, मूल व्यंजन।)

[illegible] (च्) – [illegible]

तवला, एमसार–घसरारका, थिरावहहस, सेब्बानिनास, बइता, मूःली हरह।

(तालव्य, स्पर्श–संघर्षी, अघोष, अल्पप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (छ्) – [illegible]

तवला, एमसार–घसरारका, थिरावहहस, बग्गानिनास, बइता, मूःली हरह।
(तालव्य, स्पर्श–संघर्षी, अघोष, महाप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (ज्) – **[illegible]**

तवला, एमसार–घसरारका, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, बइता, मूःली हरह।
(तालव्य, स्पर्श–संघर्षी, सघोष, अल्पप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (झ्) – **[illegible]**

तवला, एमसार–घसरारका, नुकुरहहस, बग्गानिनास, बइता, मूःली हरह।
(तालव्य, स्पर्श–संघर्षी, सघोष, महाप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (ञ्) – **[illegible]**

तवला, एमसार–घसरारका, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, मुइता, मूःली हरह।
(तालव्य, स्पर्श–संघर्षी, सघोष, अल्पप्राण, नासिक्य, मूल व्यंजन।)

[illegible] (क्) – **[illegible]**

मेलख़ा, एमसारका, थिरावहहस, सेब्बानिनास, बइता, मूःली हरह।
(कण्ठ्य, स्पर्शी, अघोष, अल्पप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (ख्) – **[illegible]**

मेलख़ा, एमसारका, थिरावहहस, बग्गानिनास, बइता, मूःली हरह।
(कण्ठ्य, स्पर्शी, अघोष, महाप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (ग्) – **[illegible]**

मेलख़ा, एमसारका, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, बइता, मूःली हरह।
(कण्ठ्य, स्पर्शी, सघोष, अल्पप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (घ्) – **[illegible]**

मेलख़ा, एमसारका, नुकुरहहस, बग्गानिनास, बइता, मूःली हरह।
(कण्ठ्य, स्पर्शी, सघोष, महाप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (ङ्) – **[illegible]**

मेलख़ा, एमसारका, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, मुइता, मूःली हरह।
(कण्ठ्य, स्पर्शी, सघोष, अल्पप्राण, नासिक्य, मूल व्यंजन।)

[illegible] (य्) – [illegible]

तवला, अनघसरा–सरलगआ, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, बइता, कोचआसरह–हरह ।
(तालव्य, संघर्षहीन–सप्रवाही, सघोष, महाप्राण, मौखिक, अर्द्धस्वर व्यंजन।)

[illegible] (र्) – [illegible]

मईड़पा, ओंड़सारका, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, बइता, मूली हरह।
(वर्त्स्य, लुंठित, सघोष, अल्पप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।) मईता मुसड़ापल्ले = मईड़पा।

[illegible] (ल्) – [illegible]

मईड़पा, तरकुट, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, बइता, मूली हरह।
(वर्त्स्य, पार्श्विक, सघोष, महाप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (व्) – [illegible]

मईड़पा, अनघसरा–सरलगआ, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, बइता, कोच्चासरह–हरह।
(वर्त्स्य, संघर्षहीन–सप्रवासी, सघोष, अल्पप्राण, मौखिक, अर्द्धस्वर व्यंजन।)

[illegible] (ऱ्) – [illegible]

मईड़पा, उदुरका, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, मुइता, मूःली हरह।
(वर्त्स्य, स्पर्शी, सघोष, अल्पप्राण, नासिक्य, मूल व्यंजन।)

[illegible] (स्) – [illegible]

मईड़पा, घसरारका, थिरावहहस, बग्गानिनास, बइता, हरह।
(वर्त्स्य, संघर्षी, अघोष, महाप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (ह्) – [illegible]

गग्गामुखा, घसरारका, थिरावहहस, सेब्बानिनास, बइता, हरह।
(स्वरयंत्रमुखी, संघर्षी, अघोष, अल्पप्राण, मौखिक, व्यंजन।)

[illegible] (ख़्) – [illegible]

ततख़ा–थया, घसरारका, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, बइता, मूली हरह।
(जिह्वामूलीय, संघर्षी, सघोष, अल्पप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (ड़्) – [illegible]

मेदोला, अईखनारका, थिरावहहस, सेब्बानिनास, बइता, मूली हरह।
(मूर्द्धन्य, उत्क्षिप्त, सघोष अल्पप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (ढ़) – **[illegible]**
मेदोला, अईखनारका, थिरावहहस, बग्गानिनास, बइता, मूली हरह।
(मूर्द्धन्य, उत्क्षिप्त, सघोष, महाप्राण, मौखिक, मूल व्यंजन।)

[illegible] (हेचका) – **[illegible]**
गग्गामुखा एमसारका, टिपिरका हरह।
(स्वरयंत्रमुख स्पर्शी, अवरोध्य व्यंजन।)

(III) **[illegible]** / दोहड़ा हरह = Pure Compound Consonants, पूर्ण पुनरूक्त व्यंजन :-

[illegible] (प्प्) – **[illegible]**
– लवटो, एमसारका, थिरावहहस, सेब्बानिनास, बइता, दोहड़ा जोट्ठा हरह।
& (ओष्ठ्य, स्पर्शी, अघोष, अल्पप्राण, मौखिक, पुनरूक्त संयुक्त व्यंजन।)

[illegible] (ब्ब्) – **[illegible]**
– लवटो, एमसारका, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, बइता, दोहड़ा जोट्ठा हरह।
& (ओष्ठ्य, स्पर्शी, सघोष, अल्पप्राण, मौखिक, पुनरूक्त संयुक्त व्यंजन।)

[illegible] (म्म्) – **[illegible]**
– लवटो, एमसारका, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, मुँइता, दोहड़ा जोट्ठा हरह।
– (ओष्ठ्य, स्पर्शी, सघोष, अल्पप्राण, नासिक्य, पुनरूक्त संयुक्त व्यंजन।)

[illegible] (त्त्) – **[illegible]**
– पल्ले, एमसारका, थिरावहहस, सेब्बानिनास, बइता, दोहड़ा जोट्ठा हरह।
– (दंत्य, स्पर्शी, अघोष, अल्पप्राण, मौखिक, पुनरूक्त संयुक्त व्यंजन।)

[illegible] (द्द्) – **[illegible]**
– पल्ले, एमसारका, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, बइता, दोहड़ा जोट्ठा हरह।
– (दंत्य, स्पर्शी, सघोष, अल्पप्राण, मौखिक, पुनरूक्त संयुक्त व्यंजन।)

[illegible] (न्न्) – **[illegible]**
– पल्ले, एमसारका, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, मुँइता, दोहड़ा जोट्ठा हरह।
– (दंत्य, स्पर्शी, सघोष, अल्पप्राण, नासिक्य, पुनरूक्त संयुक्त व्यंजन।)

[illegible] / [illegible] (ट्ट) – [illegible]

– मेदोला, एमसारका, थिरावहहस, सेब्बानिनास, बइता, दोहड़ा जोट्ठा हरह।

– (मुर्द्धन्य, स्पर्शी, अघोष, अल्पप्राण, मौखिक, पुनरूक्त संयुक्त व्यंजन।)

[illegible] / [illegible] (ड्ड) – [illegible]

– मेदोला, एमसारका, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, बइता, दोहड़ा जोट्ठा हरह।

– (मुर्द्धन्य, स्पर्शी, सघोष, अल्पप्राण, मौखिक, पुनरूक्त संयुक्त व्यंजन।)

[illegible] / [illegible] (ण्ण्) – [illegible]

– मेदोला, एमसारका, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, मुँइता, दोहड़ा जोट्ठा हरह।

– (मुर्द्धन्य, स्पर्शी, सघोष, अल्पप्राण, नासिक्य, पुनरूक्त संयुक्त व्यंजन।)

[illegible] / [illegible] (च्च्)– [illegible]

– तवला, एमसार–घसरारका, थिरावहहस, सेब्बानिनास, बइता, दोहड़ा जोट्ठा हरह।

– (तालव्य, स्पर्श–संघर्षी, अघोष, अल्पप्राण, मौखिक, पुनरूक्त संयुक्त व्यंजन।)

[illegible] / [illegible] (ज्ज्)– [illegible]

– तवला,एमसार–घसरारका, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, बइता, दोहड़ा जोट्ठा हरह।

– (तालव्य, स्पर्श–संघर्षी, सघोष, अल्पप्राण, मौखिक, पुनरूक्त संयुक्त व्यंजन।)

[illegible] / [illegible] (क्क) – [illegible]

– मेलख़ा, एमसारका, थिरावहहस, सेब्बानिनास, बइता, दोहड़ा जोट्ठा हरह।

– (कण्ठ्य, स्पर्शी, अघोष, अल्पप्राण, मौखिक, पुनरूक्त संयुक्त व्यंजन।)

[illegible] / [illegible] (ग्ग्) – [illegible]

– मेलख़ा, एमसारका, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, बइता, दोहड़ा जोट्ठा हरह।

– (कण्ठ्य, स्पर्शी, सघोष, अल्पप्राण, मौखिक, पुनरूक्त संयुक्त व्यंजन।)

[illegible] / [illegible] (य्य्) – [illegible]

– तवला, अनघसरा–सरलगा, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, बइता, कोच्चासरह जोट्ठा।

– (तालव्य, संघर्षहीन–सप्रवाही, सघोष, महाप्राण, मौखिक, पुनरूक्त संयुक्त व्यंजन।)

[illegible] / [illegible] (ऱ्) – [illegible]

– मईड़पा, ओंड़सारका, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, बइता, दोहड़ा जोट्ठा हरह।
– (वर्त्स्य, लुंठित, सघोष, अल्पप्राण, मौखिक, पुनरूक्त संयुक्त व्यंजन।)

[illegible] / [illegible] (ल्ल्) – [illegible]

– मईड़पा, तरकुट, नुकुरहहस, सेब्बानिनास, बइता, दोहड़ा जोट्ठा हरह।
– (वर्त्स्य, पार्श्विक, अघोष, महाप्राण, मौखिक, पुनरूक्त संयुक्त व्यंजन।)

[illegible] / [illegible] (व्व्)– [illegible]

– मेण्डार चोम्मे,अनघसरा–सरलगा,नुकुरहहस,सेब्बानिनास,बइता,दोहड़ा,कोच्चासरह–जोट्ठा।
– (वृतमुखी संघर्षहीन–सप्रवासी, सघोष, अल्पप्राण, मौखिक, पुनरूक्त संयुक्त व्यंजन।)

[illegible] / [illegible] (स्स्) – [illegible]

– मईड़पा, घसरारका, थिरावहहस, सेब्बानिनास, बइता, दोहड़ा जोट्ठा हरह।
– (वर्त्स्य, संघर्षी, अघोष, महाप्राण, मौखिक, पुनरूक्त संयुक्त व्यंजन।)

(१) [illegible] = Arrangment of alphabets, वर्ण व्यवस्था

1. [illegible] (हिजा) = Spelling, हिज्जा

1. [illegible] (ललमटिया)
   ल् + अ + ल् + म + अ् + ट् + इ + य् + आ (हिज्जा)
   l + a + l + m + a + ṭ + i + y + ā (वर्ण व्यवस्था)
2. [illegible] (हिन्दुस्तान)
   ह् + इ + न् + द् + उ + स् + त् + आ + न्
   h + i + n + d + u + s + t + ā + n
3. [illegible] (विद्यालय)
   व् + इ + द् + य् + आ + ल् + अ + य्
   v + i + d + y + ā + l + a + y
4. [illegible] (रामेश्वरम)
   र् + आ + म् + ए + श् + व् + अ + र् + अ + म्
   r + ā + m + e + sh + w + a + r + a + m
5. [illegible] (राँची)
   र् + आँ + च् + ई
   r + ã + ch + i
6. [illegible] (लोहरदगा)
   ल् + ओ + ह् + अ + र् + द् + अ् + ग् + आ
   l + o + h + a + r + d + a + d + ā

[illegible] [illegible] (जमशेदपुर)
ज् + अ + म् + च् + ए + द् + प् + उ + र्
j + a + m + sh + e + d + p + u + r

[illegible] [illegible] (नेअ़ना)
न् + एअ् + ना
n + e? + n + ā

[illegible] [illegible] (तिगाबअ़ना)
त् + इ + ग् + आ + ब् + अ + अ़ + न् + आ
t + i + g + ā + b + a + ? + n + ā

10. [illegible] (अलखताअ़ना)
अ + ल् + अ + ख् + ता + अ़ + न् + आ
a + l + a + kh + t + ā + ? + n + ā

2. [illegible]

(short & long primary vowel in word)

Short vowe	-	Long vowel
i - tiryo (तिरयो)	-	i: - ti:nā (तीःना)
ĩ - chĩcho (चिंचो)	-	ĩ: - chĩ:cho (चींःचो)
e - mesgā (मेसगा)	-	e: - te:lā (तेःला)
ẽ - sẽs (सेंस)	-	ẽ: - pẽ:ṛe (पेंःड़े)
u - kubṛā (कुबड़ा)	-	u: - ku:bi (कूःबी)
ũ - kũṛā (कुँड़ा)	-	ũ: - kũ:ṛ (कूँःड़)
o - mosgā (मोसगा)	-	o: - mo:ṛā (मोःड़ा)
õ - kõhṛā (कोंहड़ा)	-	õ: - kõ:ṛā (कोंःड़ा)
a - asmā (असमा)	-	a: - a:v (अःव)
ã - ãṭā (अँटा)	-	ã: - ã:t (अँःत)
ā - āl (आल)	-	ā: - ā:li (आःली)
ā̃ - ā̃ch (आँच)	-	ā̃: - ā̃:ṛko (आँःड़को)

([illegible]) [illegible] (Diphthong)

[illegible] - अइ – [illegible] - baiklā – बइक'ला

[illegible]	- अउ – [illegible]	-	dauṛā	- डउड़ा
[illegible] / [illegible]	- अय / कै – [illegible]	-	kair	- कैर (कय्र)
[illegible] / [illegible]	- अव / औ – [illegible]	-	navr	- नौर (नव्र)
[illegible]	- अँइ – [illegible]	-	pa͂i:yā͂	- पँइःयाँ
[illegible]	- अँउ – [illegible]	-	ka͂uṛ-ka͂uṛ	- कँउड़-कँउड़
[illegible] / [illegible]	- अँय / ऐं – [illegible]	-	cha͂ydnā	- चँएद'ना / चैंदना
[illegible] / [illegible]	- अँव / औं – [illegible] / [illegible]	-	cha͂vr	- चौंर (चँव्र)
[illegible]	- इउ – [illegible]	-	iundā	- इउन्दा
[illegible]	- उइ – [illegible]	-	uirā	- उइरा

(10) [illegible] (Primary consonant)

[illegible] -	प्	– [illegible] -	paplā	- पपला, पोकोल
[illegible] -	फ्	– [illegible] -	pharsā	- फड़सा, फरमा
[illegible] -	ब्	– [illegible] -	bali	- बली, बलम
[illegible] -	भ्	– [illegible] -	bhadṛi	- भदड़ी, भेण्डो
[illegible] -	म्	– [illegible] -	machā	- मचा, मेच्छा
[illegible] -	त्	– [illegible] -	tatxā	- ततख़ा, तड़री
[illegible] -	थ्	– [illegible] -	thaṛā	- थड़ा, थुड़ना
[illegible] -	द्	– [illegible] -	dauli	- दउली, दाःली
[illegible] -	ध्	– [illegible] -	dhanu	- धनु, धुनना
[illegible] -	न्	– [illegible] -	nagṛā	- नड़गा, नरटी
[illegible] -	ट्	– [illegible] -	ṭaṭxā	- टटख़ा, टमरस
[illegible] -	ठ्	- [illegible] -	ṭharki	- ठरकी, ठठरा
[illegible] -	ड्	– [illegible] -	ḍauṛā	- डउड़ा, डेगची
[illegible] -	ढ्	– [illegible] -	ḍherā	- ढेरा, ढेःका
[illegible] -	ण्	– [illegible] -	maṇṇḍi	- मण्डी, मुंई
[illegible] -	च्	– [illegible] -	chalki	- चलकी, चचड़ा
[illegible] -	छ्	– [illegible] -	chaṭkā	- छुटा, छलको
[illegible] -	ज्	– [illegible] -	jatā	- जता, जरगा

[illegible] -	झ्	– [illegible] -	jhaṇḍā	- झण्डा, गण्डा
[illegible] -	ञ्	– [illegible] -	chinā	- चिञा, सिञा
[illegible] -	क्	– [illegible] -	kakṛo	- ककड़ो, कण्डो
[illegible] -	ख्	– [illegible] -	kharpā	- खरपा, खपड़ा
[illegible] -	ग्	– [illegible] -	gamchhā	- गमछा, गुड़था
[illegible] -	ख्	– [illegible] -	ghaṛi	- घड़ी, घिरनी
[illegible] -	ङ्	– [illegible] -	dongā	- डोङा, झिलङी
[illegible] -	य्	– [illegible] -	kiyā	- किया, कोया
[illegible] -	र्	– [illegible] -	rasṛi	- रसड़ी, राःसी
[illegible] -	ल्	– [illegible] -	laṭṭu	- लट्टु ,लकड़ा
[illegible] -	व्	– [illegible] -	javā	- जवा, गवा
[illegible] -	ञ़्	– [illegible] -	manjā	- चिरञ़ी, कोरञ़ो
[illegible] -	स्	– [illegible] -	sa͠ṛsi	- सँड़सी, संजगी
[illegible] -	ह्	– [illegible] -	haṛkā	- हड़का, हरिन
[illegible] -	ख़्	– [illegible] -	xann	- ख़न्न, ख़ेंःस
[illegible] -	ड़्	– [illegible] -	baṛā	- बड़ा, कोंःड़ा
[illegible] -	ढ़्	– [illegible] -	gaṛhe	- उढ़, गढ़े, पोढ़ो

(II) [illegible] (Compound consonant)

[illegible] -	प्प	– [illegible] -	kappā	- कप्पा
[illegible] -	प्फ	– [illegible] -	dopphā	- दोप्फा
[illegible] -	ब्ब	– [illegible] -	jabbā	- जब्बा
[illegible] -	ब्भ	– [illegible] -	lebbhā	- लेब्भा
[illegible] -	म्म	– [illegible] -	amm	- अम्म
[illegible] -	त्त	– [illegible] -	pattā	- पत्ता
[illegible] -	त्थ	– [illegible] -	otthạ	- ओत्था
[illegible] -	द्द	– [illegible] -	addi	- अद्दी
[illegible] -	द्ध	– [illegible] -	laddhaṛ	- लद्धड़
[illegible] -	न्न	– [illegible] -	mann	- मन्न

[illegible]	-	ट्ट	–	[illegible]	-	aṭṭā	-	अट्टा
[illegible]	-	ट्ठ	–	[illegible]	-	laṭṭhā	-	लट्ठा
[illegible]	-	ड्ड	–	[illegible]	-	aḍḍā	-	अड्डा
[illegible]	-	ड्ढ	–	[illegible]	-	loḍḍho	-	लोड्ढो
[illegible]	-	ण्ण	–	[illegible]	-	maṇṇdi	-	मण्णडी
[illegible]	-	च्च	–	[illegible]	-	pachchā	-	पच्चा
[illegible]	-	च्छ	–	[illegible]	-	mechchhā	-	मेच्छा
[illegible]	-	ज्ज	–	[illegible]	-	ojjā	-	ओज्जा
[illegible]	-	ज्झ	–	[illegible]	-	bajjhrā	-	बज्झरा
[illegible]	-	क्क	–	[illegible]	-	makkā	-	मक्का
[illegible]	-	क्ख	–	[illegible]	-	tokkhā	-	तोक्खा
[illegible]	-	ग्ग	–	[illegible]	-	aggi	-	अग्गी
[illegible]	-	ग्घ	–	[illegible]	-	lagghrā	-	लग्घरा
[illegible]	-	य्य	–	[illegible]	-	kiyyā	-	किय्या
[illegible]	-	र्र	–	[illegible]	-	charrā	-	चर्रा
[illegible]	-	ल्ल	–	[illegible]	-	nollā	-	नोल्ला
[illegible]	-	व्व	–	[illegible]	-	havvā	-	हव्वा
[illegible]	-	स्स	–	[illegible]	-	lassā	-	लस्सा

([illegible]) Glottal stop, short & long vowel in word

Glottal stop	-	Short vowel	-	Long vowel
[illegible]	-	[illegible]	-	[illegible]
[illegible]	-	[illegible]	-	[illegible]
[illegible]	-	[illegible]	-	[illegible]
[illegible]	-	[illegible]	-	[illegible]
[illegible]	-	[illegible]	-	[illegible]
[illegible]	-	[illegible]	-	[illegible]
[illegible]	-	[illegible]	-	[illegible]
[illegible]	-	[illegible]	-	[illegible]

[illegible]	-	[illegible]	-	[illegible]
[illegible]	-	[illegible]	-	[illegible]
[illegible]	-	[illegible]	-	[illegible]
[illegible]	-	[illegible]	-	[illegible]
[illegible]	-	[illegible]	-	[illegible]

(18) Similar looking words.

[illegible] (bitnā)	-	[illegible] (bi:tnā)
[illegible] (chipnā)	-	[illegible] (chi:pnā)
[illegible] (biṛi)	-	[illegible] (bi:ṛi)
[illegible] (bi:ṛi)	-	[illegible] (bĩ:ṛi)
[illegible] (pesnā)	-	[illegible] (pe:snā)
[illegible] (kẽsā)	-	[illegible] (kẽ:sā)
[illegible] (kubi)	-	[illegible] (ku:bi)
[illegible] (ṭusā)	-	[illegible] (tu:sā)
[illegible] (bolo)	-	[illegible] (bo:lo)
[illegible] (choro)	-	[illegible] (cho:ro)
[illegible] (chochā)	-	[illegible] (cho:chā)
[illegible] (kavs)	-	[illegible] (ka:v)
[illegible] (āl)	-	[illegible] (ā:las)
[illegible] (āli)	-	[illegible] (ā:lid)
[illegible] (ālo)	-	[illegible] (ā:lod)
[illegible] (kālo)	-	[illegible] (kā:lo)
[illegible] (nidi)	-	[illegible] (ni:di)
[illegible] (xoynā)	-	[illegible] (xo:ynā)
[illegible] (kuti)	-	[illegible] (ku:ti)
[illegible] (sāṛi)	-	[illegible] (sā:ṛi)
[illegible] (horā)	-	[illegible] (ho:rā)
[illegible] (telā)	-	[illegible](te:lā)

(13) [Tolong Siki] (हहस कसरत) = Phonetic drill, अभ्यास

1. [Tolong Siki] (सन्नी इ अरा दिगहा इः गही बेहवार) = use of short ‘i’ & long ‘ i:’ --

	-	idnā	-	इदना	=	रोपना
	-	iṛnā	-	इड़ना	=	भूनना
	-	ibṛā	-	इबड़ा	=	ये सब
	-	titir	-	तितिर	=	तीतर
	-	tiryo	-	तिरयो	=	बाँसुरी
	-	biṛi	-	बिड़ी	=	बिड़ी
	-	tissā	-	तिस्सा	=	खट्टा
	-	biṛnā	-	बिड़ना	=	धूप
	-	chiḍrā	-	चिडरा	=	गिलहरी
	-	i:ri	-	ई:री	=	देखती है
	-	xi:ri	-	ख़ी:री	=	कहानी
	-	ki:ṛā	-	की:ड़ा	=	भूख
	-	ti:ni	-	ती:नी	=	मधुमक्खी
	-	bi:ṛi	-	बी:ड़ी	=	सूर्य
	-	bĩ:ṛi	-	बीं:ड़ी	=	रानी
	-	ki:bā	-	की:बा	=	ओला

2. [Tolong Siki] (सन्नी ए अरा दिगहा एः गही बेहवार) = use of short ‘e’ & long ‘e:’ --

	-	eṛpā	-	एड़पा	=	घर
	-	ettnā	-	एत्तना	=	उतरना
	-	ḍherā	-	ढेरा	=	ढेरा
	-	relā	-	रेला	=	बहुत
	-	melā	-	मेला	=	मेला
	-	keṛā	-	केड़ा	=	केला
	-	ḍenā	-	डेना	=	डैना
	-	ṭeṭe	-	टेटे	=	फतिंगा
	-	cherā	-	चेरा	=	चेरा
	-	e:ṛā	-	एःड़ा	=	बकरी
	-	e:rā	-	एःरा	=	देखो
	-	xe:tā	-	ख़ेःता	=	दोना
	-	pe:ṭh	-	पेःठ	=	बाजार
	-	me:r	-	मेःर	=	धागा
	-	xe:r	-	ख़ेःर	=	मुर्गी

-	xẽ:s	-	ख़ेंःस	=	खून
-	te:lā	-	तेःला	=	केन्द
-	he:rā	-	हेःरा	=	बंधायी

3. (सन्नी उ अरा दिगहा उः गही बेहवार) = use of short 'u' & long 'u:' --

-	ugi	-	उगी	=	सिका
-	hukā	-	हुका	=	हुक्का
-	mukā	-	मुका	=	घुटना
-	hu:dā	-	हुदा	=	ख्याति
-	ugtā	-	उगता	=	हल
-	usar	-	उसर	=	बंजर
-	uinā	-	उइना	=	रखना
-	u:rā	-	ऊरा	=	झिंगुर
-	u:xā	-	ऊख़ा	=	अंधेरा
-	nollā	-	नोल्ला	=	छानो
-	u:ru	-	ऊःरू	=	गोबरैला
-	pũ:p	-	पूँःप	=	फूल
-	pu:ru	-	पूःरू	=	पागल
-	mu:xi	-	मूःख़ी	=	खाती है
-	mu:li	-	मूःली	=	मुख्य
-	dhu:li	-	धूःली	=	धूल
-	ku:bi	-	कूःबी	=	कुआँ
-	ku:ṭi	-	कूःटी	=	किनारा

4. (सन्नी ओ अरा दिगहा ओः गही बेहवार) = use of short 'o'& long 'o:' --

-	osgā	-	ओसगा	=	मूस
-	orot	-	ओरोत	=	अकेला
-	ormar	-	ओरमर	=	सभी
-	xochol	-	ख़ोचोल	=	हड्डी
-	holā	-	होला	=	हलुवा
-	ṭonā	-	टोना	=	गाँठ
-	jhopā	-	झोपा	=	गुच्छा
-	dovā	-	दोवा	=	दुआ
-	o:ṛā	-	ओःड़ा	=	चिड़ियां
-	o:ṣā	-	ओःसा	=	मसरूम

-	mo:ṛā	-	मोःड़ा	=	मोरा
-	no:ṛā	-	नोःड़ा	=	धोओ
-	mo:chā	-	मोःचा	=	काटो
-	mo:xā	-	मोःख़ा	=	खाओ
-	bo:lo	-	बोःलो	=	नवजात
-	go:do	-	गोःदो	=	घड़ियाल
-	ro:ge	-	रोःगे	=	रोग

5. (सन्नी अ अरा दिगहा अः गही बेहवार) = use of short 'a'& long 'a:' --

-	ayang	-	अयङ	=	माँ
-	anā	-	अना	=	हे
-	atxā	-	अतख़ा	=	पत्ता
-	adin	-	अदिन	=	उसे
-	amṛi	-	अमड़ी	=	माँड़
-	asmā	-	असमा	=	रोटी
-	aṛxā	-	अड़ख़ा	=	साग
-	ahṛā	-	अहड़ा	=	मांस
-	kalay	-	कलय	=	जाओ
-	kalā	-	कला	=	जाओ
-	barā	-	बरा	=	आओ
-	babā	-	बबा	=	पिताजी
-	aṛxā	-	अड़ख़ा	=	साग
-	mayā	-	मया	=	दया
-	payā	-	पया	=	ताकत
-	lakṛā	-	लकड़ा	=	बाघ
-	tatxā	-	ततख़ा	=	जीभ
-	ṭaṭxā	-	टटख़ा	=	आम
-	ka:v	-	कःव	=	जाएगी
-	da:v	-	दःव	=	अच्छा

6. (सन्नी आ अरा दिगहा आः गही बेहवार) = use of short 'ā'& long 'ā:' --

-	āl	-	आल	=	आदमी
-	ā:li	-	आःली	=	महिला
-	ā:s	-	आःस	=	वह (पु0)
-	ā:las	-	आःलस	=	पुरुष

[illegible]	-	a̅:d	-	आःद	=	वह (स्त्री0)
[illegible]	-	a̅:lar	-	आःलर	=	आदमी लोग
[illegible]	-	cha̅k	-	चाक	=	चक्का
[illegible]	-	xa̅:xa̅	-	ख़ाःख़ा	=	चिड़िया
[illegible]	-	xa̅ṛ	-	ख़ाड़	=	नदी
[illegible]	-	ta̅:ka̅	-	ताःका	=	हवा
[illegible]	-	gha̅ṭo	-	घाटो	=	घाटो पक्षी
[illegible]	-	ḍa̅:ṛa̅	-	डाःड़ा	=	डाली
[illegible]	-	ga̅ż	-	गाज़	=	ढेर
[illegible]	-	pa̅:da̅	-	पाःदा	=	जड़
[illegible]	-	kha̅r	-	खार	=	नमकीन
[illegible]	-	la:ta̅	-	लाःता	=	बिल
[illegible]	-	gha̅gh	-	घाघ	=	जलप्रपात
[illegible]	-	ta̅:chi	-	ताःची	=	फुआ

D. [illegible] - IV

देवनागरी लिपि का तोलोङ सिकि में लिप्यन्तरण :–

(देवनागरी लिपि)		(तोलोङ सिकि)
अ	-	[illegible]
आ, ा	-	[illegible]
इ, ि	-	[illegible]
ई, ी	-	[illegible]
उ, ु	-	[illegible]
ऊ, ू	-	[illegible]
ए, े	-	[illegible]
ऐ, ै	-	[illegible]
ओ, ो	-	[illegible]
औ, ौ	-	[illegible]
अं	-	[illegible]
अः	-	[illegible]
अँ	-	[illegible]
आँ	-	[illegible]
इँ	-	[illegible]
ईँ	-	[illegible]
उँ	-	[illegible]
ऊँ	-	[illegible]

एँ	-
ऐं	-
ओं	-
औं	-
ऑ	-
ऽ	-
अ़	-
क्	-
ख्	-
ग्	-
घ्	-
ङ्	-
च्	-
छ्	-
ज्	-
झ्	-
ञ्	-
ट्	-
ठ्	-
ड्	-
ढ्	-
ण्	-
त्	-
थ्	-
द्	-
ध्	-
न्	-
प्	-
फ्	-
ब्	-
भ्	-
म्	-
य्	-
र्	-
ल्	-
व्	-
ष्	-

स्	-	[illegible]
श्	-	[illegible]
ह्	-	[illegible]
क्ष् (क् + ष्)	-	[illegible]
त्र् (त् + र्)	-	[illegible]
ज्ञ् (ज् + ञ्)	-	[illegible]
श्र्	-	[illegible]
श्रो	-	[illegible]
श्रृ (श्रृंगार)	-	[illegible] ([illegible])
ड़्	-	[illegible]
ढ़्	-	[illegible]
स्र्	-	[illegible]
स्रो (जलस्रोत)	-	[illegible] ([illegible])
सृ	-	[illegible]
क़्	-	[illegible]
ग़्	-	[illegible]
ज़्	-	[illegible]
फ़्	-	[illegible]
ब़्	-	[illegible]
व़्	-	[illegible]
ख़्	-	[illegible]
अ़	-	।
अ॒	-	[illegible] ([illegible])
अ॒	-	[illegible] पुष्प॒

E. [illegible] - V

1. [illegible] (हहस) = phonem – [illegible]

2. [illegible] (सरह) = vowel - [illegible]

3. [illegible] (हरह) = cosonant – [illegible]

4. [illegible] (सहङ) = syllable – [illegible] (औचारणिक ईकाई) [illegible]

[illegible] – [illegible] [illegible]

5. [illegible] (तोःड़) = alphabet – [illegible]

6. [illegible] (तोःड़पाब) = alphabets - [illegible]

7. [illegible] (बक्क) = word – [illegible] – [illegible]

8. [illegible] (रूड़आबक्क) = phrase, समूह शब्द – [illegible] –

9. [illegible] (बकपुन) = sentence – [illegible] – [illegible]

10. [illegible] (कुहाबकपुन) = clause, उपवाक्य - [illegible]

11. [illegible] (रूईहबक्क) = व्याकरणिक शब्द, पद।

12. [illegible] (बक्कसोर) = definition, परिभाषा।

13. [illegible] (कत्थसोर) = details or description, विस्तार पूर्वक।

14. [illegible] (बुझबईल) = पहेलियाँ।

15. [illegible] (बईतुर्रा) = मुहावरा एवं कहावत। अड्डे एःरना = तीरछा देखना। ननोय होले ओनोय।

16. [illegible] (बक्क तुर्रा) = मुहावरा। अड्डे एःरना = तीरछा देखना।

17. [illegible] (कत्थ तुर्रा) = कहावत। कुद्दोय होले बेद्दोय, ओक्को होले ख़क्खोय। ननोय होले ओनोय।

18. [illegible] (सँवसिरा) = प्रकृति। सँवसे गही सिरजन अड्डा, सभी का उद्गम स्थल।

19. [illegible] (सिरज'नी) = जन्मदात्री।

20. [Tolong Siki] (सा:रना) = आत्मसात करना, महशूस करना, to feel and realise.

21. [Tolong Siki] (सरना) = गतिमान, गतिमान ध्वनि। नियत कार्य का नियत समय में सम्पन्न होना। सर का अर्थ गतिमान ध्वनि है। जहाँ गति है वहाँ ध्वनि है और जहाँ ध्वनि है वहीं गति है। अर्थात सर का अर्थ गतिमान अथवा गतिमान ध्वनि है। उराँव लोग अपने सामुहिक पूजा स्थल में यह प्राकृतिक गति सदा गतिमान रहे इसके लिए सरहुल के दिन पहान की अगुवाई में ईश्वर एवं ईश्वरीय शक्तियों से विनती–प्रार्थना करते है।

F. [Tolong Siki] - VI

[Tolong Siki] (बक्कघोख) = Etymology, शब्द विचार

(I) [Tolong Siki] (बक्क गढ़इन) = Word formation, शब्द रचना

1. [Tolong Siki] (muhzā latxu / मुहड़ा लटखु) = Prefix, उपसर्ग।
2. [Tolong Siki] (muñjā latxu / मुञजा लटखु) = Sufix, प्रत्यय।
3. [Tolong Siki] (majhi latxu / मजही लटखु) = Infix, मध्यसर्ग।
4. [Tolong Siki] (samkā / समका) = Compound, समास।
5. [Tolong Siki] (dohṛā bakk / दोहड़ा बक्क) = Repitational word, पुनरुक्त शब्द।
6. [Tolong Siki] (ṭheṭh dohṛā bakk / ठेठ दोहड़ा बक्क) = पूर्ण पुनरुक्त।
7. [Tolong Siki] (meserkā dohṛā bakk / मेसेरका दोहड़ा बक्क) = अपूर्ण पुनरुक्त।
8. [Tolong Siki] (melerkā dohṛā bakk / मेलेरका दोहड़ा बक्क) = अनुकरनात्मक पुनरुक्त।

[Tolong Siki] :-

1. [Tolong Siki] (Prefix, उपसर्ग) – [Tolong Siki]

   [Tolong Siki] – [Tolong Siki]

2. [Tolong Siki] (Sufix, प्रत्यय) – [Tolong Siki]

   [Tolong Siki] – [Tolong Siki]

[illegible] + [illegible] = [illegible]

[illegible] + [illegible] = [illegible]

[illegible] + [illegible] = [illegible]

[illegible] + [illegible] = [illegible]

3. [illegible] (Infix, मध्यसर्ग) – [illegible]

[illegible] – [illegible] + [illegible] + [illegible] = [illegible]

[illegible] + [illegible] + [illegible] = [illegible]

[illegible] + [illegible] + [illegible] = [illegible]

[illegible] + [illegible] + [illegible] = [illegible]

[illegible] + [illegible] + [illegible] = [illegible]

[illegible] + [illegible] + [illegible] = [illegible]

4. [illegible] (Compound, समास) - [illegible]

[illegible] - [illegible] + [illegible] = [illegible]

[illegible] + [illegible] = [illegible]

5. [illegible] (पुनरूक्त) – [illegible]

[illegible] - [illegible]

6. [illegible] (अपूर्ण पुनरुक्त) – [illegible]

[illegible] - [illegible]

7. [illegible] (अनुकरणात्मक) – [illegible]

[illegible] - [illegible]

(१) [illegible] (pinjkā, पिंज्जका) = Noun, संज्ञा

[illegible]

एकअम आल, आःलो मलता अड्डा गुट्ठी ही नाःमे मलता अबड़ा गही गुण–दसा ही नाःमे, कुँडुख़ कत्था नु पिंज्जका बातार'ई।

[किसी मनुष्य, मनुष्येतर जीव–जन्तु, स्थान आदि के नाम अथवा उनके गुण–अवस्था के नाम

को कुँड़ुख़ भाषा में पिंज्जका (Noun, संज्ञा) कहा जाता है।]

[illegible] :-

1. [illegible] (nā:me pinjkā, नाःमे पिंज्जका) = Proper noun,व्यक्तिवाचक संज्ञा।
2. [illegible] (jait pinjkā, जईत पिंज्जका) = Class noun, जातिवाचक संज्ञा।
3. [illegible] (goṭh pinjkā, गोठ पिंज्जका) = Collective noun,समूहवाचक संज्ञा।
4. [illegible] (jinsi pinjkā, जिनसी पिंज्जका)= Material noun, द्रब्यवाचक संज्ञा।
5. [illegible] (gunsi pinjkā, गुनसी पिंज्जका) = Abstract noun, भाववाचक संज्ञा।

1. [illegible] - "[illegible] (विशेष नाम) **[illegible]."**

एका पिंज्जका बक्क ती एकअम ओण्टा एका आल, आःलो मलता अड्डा गुट्ठी ही चइज्जका नाःमे ही बूझ मनी, आद कुँड़ुख़ कत्था नु **नाःमे पिंज्जका** बातार'ई।

[जिस संज्ञा से किसी एक ही मनुष्य या मनुष्येत्तर प्राणी अथवा अप्राणी या स्थान आदि के विशेष नाम का बोध हो, उसे कुँड़ुख़ भाषा में नाःमे पिंज्जका (proper noun, व्यक्तिवाचक संज्ञा) कहा जाता है।]

[illegible] :-

*[illegible] - [illegible]...
*[illegible] - [illegible]...
*[illegible] - [illegible]...
*[illegible] - [illegible]...
*[illegible] - [illegible]...

2. [illegible] - "[illegible]."

एका पिंज्जका बक्क ती एकअम ओन्द मधे ही उरमी आल, आःलो मलता अड्डा गुट्ठी ही चइज्जका नाःमे ही बूझ मनी, आद कुँड़ुख़ कत्था नु **जईत पिंज्जका** पिंज्जका बातार'ई।

[जिस संज्ञा से किसी एक ही प्रकार के सभी मनुष्य या मनुष्येत्तर प्राणी अथवा अप्राणी या स्थान के नाम का बोध हो, उसे कुँड़ुख़ भाषा में **जईत पिंज्जका** (common / class noun, जातिवाचक संज्ञा) कहा जाता है।]

[illegible] :-

***[illegible] - [illegible].**
***[illegible] - [illegible].**
[illegible].

3. [illegible] – "[illegible]."

एका पिंज्जका बक्क ती आल मलता आःलो गही गोठ नू मनना ही बूझ मनी, आद कुँडुख़ कत्था नु **गोठ पिंज्जका** बातार'ई।

[जिस संज्ञा से प्राणियों अथवा पदार्थों के समूह के नाम का बोध हो, उसे कुँडुख़ भाषा में **गोठ पिंज्जका** (collective noun, समूहवाचक संज्ञा) कहा जाता है।]

[illegible] :-

[illegible] – [illegible].
[illegible] – [illegible].
[illegible] –
[illegible] – [illegible].
[illegible] –
[illegible] –
[illegible] – [illegible].

4. [illegible] – "[illegible]."

एका पिंज्जका बक्क ती एकअम दरप मलता जिनिस गही नाःमे ही बूझ मनी, एकदद ख़ोयजोख ननना मलता तउलाअ्ना नु बेहवार मनी अरा कुदहा नु मनना अख़तार'ई, आद कुँडुख़ कत्था नु जिनसी पिंज्जका बातार'ई।

[जिस संज्ञा से किसी द्रब्य अथवा वस्तु के नाम का बोध हो, जिसे नापा या तौला जाता हो तथा जिससे ढेर में होने का बोध हो, उसे कुँडुख़ भाषा में जिनसी पिंज्जका (Material noun, द्रब्यवाचक संज्ञा) कहा जाता है।]

[illegible] :-

[illegible] –
[illegible] –
[illegible] –
[illegible] –
[illegible] –
[illegible] – [illegible]...

5. [illegible] – "[illegible].

एका पिंज्जका गही तंगआ इन्दिर'इम जुदम दहदर छाव मल मन्नु हुं एक'अम आल मलता आःलो गही गुण, दसा अरा नलख ही नाःमे ती अखताःर'ई, आद कुँडुख़ कत्था नु गुनसी पिंज्जका बातार'ई।

[जिस संज्ञा का अपना कोई अलग स्वरूप नहीं होते हुए भी, किसी मनुष्य या मनुष्येत्तर जीव–जन्तु

के गुण, अवस्था या कार्य के नाम से बोध हो, उसे कुँड़ुख़ भाषा में गुनसी पिंज्जका (abstract noun, भाववाचक संज्ञा) कहा जाता है।]

[illegible] :-

[illegible],
[illegible],
[illegible],
[illegible],
[illegible],
[illegible]
[illegible],
[illegible],
[illegible],
[illegible],
[illegible] - [illegible].

(8) **[illegible]** (uijipinjkā, उइजिपिंज्जका) = Pronoun, सर्वनाम

[illegible] :- "[illegible]."

पिंज्जका ही उइजी नु बर'उ बक्क कुँड़ुख कत्था नु उइजिपिंज्जका बातार'ई।

[संज्ञा के बदले में आनेवाले शब्द को, कुँड़ुख़ भाषा में उइजिपिंज्जका (Pronoun, सर्वनाम) कहा जाता है।]

[illegible] :-

1. **[illegible]** (ā:l uijipinjkā, आ:ल उइजिपिंज्जका) = Personal pronoun, पुरुषवाचक सर्वनाम। नमूद – एन, नीन, तान, एम, नीम, ताम, नाम।
2. **[illegible]** (thithaba?u uijipinjkā, थिथाबअ़उ उइजिपिंज्जका) = Demonstrative pronoun, निर्देशकवाचक सर्वनाम। नमूद – आस, आद, आर।
3. **[illegible]** (angiyar'u uijipinjkā, अंगियार'उ उइजिपिंज्जका) = Reflexive pronoun, आत्मवाचक सर्वनाम। नमूद – तंगआ।
4. **[illegible]** (mentā uijipinjkā, मेनता उइजिपिंज्जका) = Interogative pronoun, प्रश्नवाचक सर्वनाम। नमूद – ने ? एकसन ? ने:कन ?।
5. **[illegible]** (anthah uijipinjkā, अनथह उइजिपिंज्जका) = Indefinite pronoun, अनिश्चयवाचक सर्वनाम। नमूद – एकअम, इन्दिरईम, नीकईम।
6. **[illegible]** (me:lnatā uijipinjkā, मे:लनता उइजिपिंज्जका) = Relative pronoun, संबंधवाचक सर्वनाम। नमूद :– ने – आर, ने – जे,
7. **[illegible]** (dappnatā uijipinjkā, दप्पनता उइजिपिंज्जका) = Possassive pronoun, अधिकारवाचक सर्वनाम। नमूद – एंग्हय, निंग्हय, तंग्हय, एम्हय, निम्हय, तम्हय।

8. [illegible] (xattu uijipinjkā, ख़ट्टु उइजिपिंज्जका) = Distributive pronoun, विभाजकवाचक सर्वनाम। नमूद – इबड़ा, अबड़ा, हुबड़ा, इरबर।

1. [illegible] (ā:l uijipinjkā, आ:ल उइजिपिंज्जका) = पुरुषवाचक सर्वनाम, Personal pronoun.

"[illegible]"

आ:ल मलता आ:लो गही ना:मे ही उइजी नु बर'उ उइजिपिंज्जका बक्क, कुँड़ुख कत्था नु आ:ले उइजिपिंज्जका बातार'ई। बअ़उ गे बर'उ, बअ़उ उइजिपिंज्जका, मिनु गे बर'उ, मिनु उइजिपिंज्जका अरा बअ़उ दरा मिनु रिन अम्बर नन्नर गे बर'उ, बा:त'उ उइजिपिंज्जका बा:तार'ई।

[मानव अथवा मानवेतर जीव–जन्तुओं के नाम के बदले आने वाले सर्वनाम को कँड़ुख़ कत्था में आ:ल उइजिपिंज्जका (पुरुष वाचक सर्वनाम) कहा जाता है। बोलनेवाले के बदले आनवाले को बअ़उ आ:ल, सुननेवाले के बदले आनवाले को मिनु आ:ल तथा बोलनेवाले एवं सुननेवाले को छोड़कर अन्य के बदले आनवाले को बा:त'उ आ:ल कहा जाता है।

[illegible] :- [illegible]

2. [illegible] (thithāba?u uijipinjkā, थिथाबअ़उ उइजिपिंज्जका) = Demonstrative pronoun, निर्देशवाचक सर्वनाम।

'[illegible]'

एका उइजिपिंज्जका, एकअम हेद्दे मलता गेच्छा ता आल मलता आ:लोन थिथाबअ़आ गे अदी ही उइजी नु बर'ई, आद कुँड़ुख कत्था नु थिथाबअ़उ उइजिपिंज्जका बातार'ई)।

[जो सर्वनाम, किसी मनुष्य या मनुष्येतर संबंधी चीजों की ओर संकेत करता हो, तथा पूर्व के संज्ञा के बदले व्यवहृत हुआ हो, उसे कुँड़ुख़ भाषा में थिथाबअ़उ उइजिपिंज्जका (Demonstrative pronoun, निर्देशवाचक सर्वनाम) कहा जाता है।]

[illegible] :- [illegible]

[illegible] (गेच्छा)	[illegible] (हेद्दे)	[illegible] (मजही)
[illegible] (वह)	[illegible] (यह)	[illegible] (वह / यह)
[illegible] (me:t)	[illegible]	[illegible]
[illegible] (mukk)	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]

[illegible] [illegible] [illegible]

नोट :– कुछ व्याकरणचार्यों द्वारा आस, आद, आर को पुरूषवाचक सर्वनाम की श्रेणी में रखा जाता है किन्तु यहाँ इसे निर्देशवाचक सर्वनाम के रूप में व्याख्या की गई है क्योंकि एन – एम्बस, नीन – निम्बस तथा तान – तम्बस नातेदारी शब्द बनता है, आस या आद से नहीं। आस – आस तम्बस (उसका पिता) ए आद – अदि तम्बस (उसका पिता), आर – आर गही तम्बस (उनके पिता) शब्द बनता है।

3. [illegible] (angiyār'u uijipinjkā, अंगीयार'उ उइजिपिंज्जका) = Reflexive pronoun, आत्मवाचक सर्वनाम।

[illegible]

बकपुन नु एका उइजीपिंज्जकन, ननुत'उ (कर्ता) तंग्गा गे बेहवार ननी अरा आ उइजीपिंज्जका, ननुत'उ गही अंगियारका बुझुरतार'ई, आ उइजीपिंज्जका कुँडुख कत्था नु अंगियार'उ उइजीपिंज्जका बाताःर'ई।

[वाक्य में जिस सर्वनाम का प्रयोग कर्त्ता अपने संबंध को स्पष्ट करने हेतु स्वयं के लिये करता है, जो (सर्वनाम) कर्त्ता के साथ आत्मसात हो जाता है, उसे कुँडुख़ कत्था में अंगियार'उ उइजीपिंज्जका कहा जाता है। अंगरेजी में यह Reflexive pronoun तथा हिन्दी में इसे आत्मवाचक सर्वनाम कहलाता है।]

[illegible] :- [illegible]

एःन तंगआ किचरिन होआ लगदन।
नीन तंगआ पुथिन होआ।
तान तंगआ नलखन ननोस।

4. [illegible] (mentāuijipinjkā, मेनता उइजिपिंज्जका) = Interrogative pronoun, प्रश्नवाचक सर्वनाम।

[illegible]

एका उइजिपिंज्जका मेनता मेनना नु बेहवार मनी, आद कुँडुख कत्था नु मेनता उइजिपिंज्जका बातार'ई।

[जो सर्वनाम प्रश्न पूछने के काम में आते हैं, उसे कुँडुख़ भाषा में मेनता उइजिपिंज्जका (Interrogative pronoun, सर्वनाम) कहा जाता है।]

[illegible] :- - [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

5. [illegible] (anthah uijipinjkā, अनथह उइजिपिंज्जका) = Indefinite pronoun, अनिश्चयवाचक सर्वनाम।

[illegible]

[illegible]

एका उइजिपिंज्जका बक्क ती एकअम आल मलता आःलो ही पइत्त नु बूझ मनी मुन्दा एकअम ठउका जिनिस मलता कत्थन पुल्ली तेंग्गा, अबड़द कुँडुख कत्था नु अनथह उइजिपिंज्जका बातार'ई।

[जिस सर्वनाम शब्द से, किसी मनुष्य या मनुष्येतर संबंधी चीजों के संबंध में बोध कराता हो किन्तु किसी विशिष्ट व्यक्ति या वस्तु का बोध न करावे, उसे कुँडुख़ भाषा में अनथह उइजिपिंज्जका (Indefinite pronoun, अनिश्चयवाचक सर्वनाम) कहा जाता है।]

[illegible] :-

*[illegible]
*[illegible]
*[illegible]

6. [illegible] (me:lnatā uijipinjkā / मेःलनता उइजिपिंज्जका) = Relative pronoun, संबंधवाचक सर्वनाम।

[illegible] (उपवाक्य) [illegible]

एका उइजिपिंज्जका बक्कपुन ता एकअम नन्ना कुहाबक्कपुन नु बरचका पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका गने जोक्खा नननुम एँःड़ो कुहाबक्कपून गने नता जोःड़'ई, आद कुँडुख कत्था नु मेःलनता उइजिपिंज्जका बातार'ई।

[वाक्य में जब किसी एक उपवाक्य (अंगवाक्य) का सर्वनाम, दूसरे उपवाक्य में व्यवहृत किसी संज्ञा या सर्वनाम से संबंध जोड़ते हुए दो उपवाक्यों को जोड़ता है, उसे कुँडुख़ भाषा में मेःलनता उइजिपिंज्जका (Relative pronoun, संबंधवाचक सर्वनाम) कहा जाता है।]

[illegible] :- [illegible] ?

- [illegible] - [illegible], [illegible] - [illegible]
- [illegible] - [illegible]

7. [illegible] (dappnatā uijipinjkā, दप्पनता उइजिपिंज्जका) = Possassive pronoun, अधिकारवाचक सर्वनाम। नमूद – एंग्हय, निंग्हय, तंग्हय, एम्हय, निम्हय, तम्हय।

[illegible] (अधिकार–संबंध) [illegible]

एका उइजिपिंज्जका, एकअम पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका गही मुन्दहारे मलता खोःख़ा नु बरअर आ पिंज्जका मलता उइजीपिंज्जका गने संग्गे मनर अदि गही दप्पनता (अधिकार–संबंध) गुट्ठिन दहदर ननी, आ बक्क कुँडुख कत्थआईन नु दप्पनता उइजिपिंज्जका बातार'ई।)

[जो सर्वनाम, किसी संज्ञा या सर्वमाम के पूर्व अथवा अंत में आकर, उस संज्ञा या सर्वनाम के साथ अपने अधिकार–संबंध को स्पष्ट करता है, उसे कुँड़ुख़ व्याकरण में दप्पनता उइजिपिंज्जका (Possassive pronoun, अधिकार वाचक सर्वनाम) कहा जाता है।]

[illegible] :- [illegible], [illegible], [illegible]

कहावत है – बाप बिनु दप्प दइया, गुरू बिनु विद्या, संइया बिनु एड़पा मला सोभ'ई। अर्थात पिता के बिना उनकी दबिस कहां और गुरू के विना उनका ज्ञान कहां, उसी तरह एक पत्नी के लिए उनके पति के बिना उसका घर शोभयमान नहीं होता है।

8. [illegible] (xaṭṭu uijipinjkā, ख़ट्टु उइजिपिंज्जका) = Distributive pronoun, विभाजकवाचक सर्वनाम।

[illegible] (एका उइजिपिंज्जका, एँड़ मलता एँड़ ती बग्गे आल मलता आ:लो गही पइत नु ओतोख़ महले जुदा–जुदम बूझ ननति'ई, आद कुँड़ुख कत्था नु ख़ट्टु उइजिपिंज्जका बातार'ई)।

[जो सर्वनाम, दो या दो से अधिक मनुष्य या मनुष्येतर संबंधी चीजों का अकेला या अलग–अलग बोध करावे, उसे कुँड़ुख़ भाषा में ख़ट्टु उइजिपिंज्जका (distributive pronoun, विभाजकवाचक सर्वनाम) कहा जाता है।]

[illegible] :- *[illegible]......

*[illegible]......

*[illegible]......

*[illegible] बोलने, सुनने वाले एवं जिसके बारे बोला जाए।

(3) [illegible] (gunxi / गुनख़ी) = Adjective / विशेषण

[illegible] (पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका गही बिहइत तिंग्गु बक्क, कुँड़ुख कत्था नु गुनख़ी बातार'ई।)

[illegible] :-

1. **[illegible]** (gu:n tingu gunxi / गुन तिङगु गुनख़ी) = Adjective of quality / गुनवाचक विशेषण।
2. **[illegible]** (lekkhā tingu gunxi / लेक्खा तिङगु गुनख़ी) = numeral adjective, संख्यावाचक विशेषण।
3. **[illegible]** (xo:yjokh tingu gunxi / ख़ो:यजोख तिङगु गुनख़ी) = Adjective of quantity, परिमाणवाचक विशेषण।
4. **[illegible]** (uijipinjkā muṭhan gunxi / उइजिपिंज्जका मुठन गुनख़ी) = Pronoun derived adjective, सर्वनामिक विशेषण ।

1. [illegible] :- [illegible]

[illegible] (पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका बक्क गही गुन, दसा, रंग, छाव गुट्ठी ही बूझ ननतु'उ बक्क, कुँडुख कत्था नु गुन तिंग्गु गुनख़ी बातार'ई।)
[illegible] :- [illegible]

2. [illegible] :- [illegible] (पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका गही लेक्खा तिंग्गु बक्क, कुँडुख कत्था नु लेक्खा तिंग्गु गुनख़ी बातार'ई।)
[illegible] :- [illegible]

3. [illegible] :- [illegible] (एका बक्क ती एकअम पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका ही तउलाअ़ना मलता ख़ोयजोक्ख ननना गही बूझ मनी, आ बक्क कुँडुख कत्था नु ख़ो:य–जोक्ख तिंग्गु गुनख़ी बातार'ई।)
[illegible] :- [illegible]

4. [illegible] :- [illegible] (एका उइजिपिंज्जका, एकअम पिंज्जका गही मुन्दहारे बरअर अदी गही बिहइत तिंग्गी, आ बा:री अबड़ा उइजिपिंज्जका बक्क, कुँडुख कत्था नु उइजिपिंज्जका मुठन गुनख़ी बातार'ई।)
[illegible] :- [illegible] ? [illegible]

(8) [illegible] (jokkhnatā gunxi / जोक्खनता गुनख़ी)

= Degree of comparison, तुलनावाचक विशेषण।

[illegible] :- [illegible] (तुलना) [illegible]
(एका बक्क, एँ:ड़ मलतो एँ:ड़ ती बग्गे आल मलता आ:लो ही गुन, बिहइत, छाव, दसा, हाव–भाव, चा:लो गुट्ठिन एं:ड़ो गने जोक्खा ननना नु बेहवार मनी, आ बक्क कुँडुख कत्था नु जोक्खनता गुनख़ी बातार'ई।)
[illegible] :- [illegible]

1. (sebbā chāv / सेब्बा छाव) = Simple form.

2. (jokkhā chāv / जोक्खा छाव) = Comparative form.

3. (ting'ā chāv / टिंगआ छाव) = Superlative form.

(६)

संज्ञा एवं सर्वनाम का रूप विस्तार

(A) (me:d'u, मेःद'उ) = Gender, लिंग

(B) (ganyā̃, गनयाँ) = Number, वचन

(C) (ā:l, आःल) = Person, पुरूष (जीवात्मा के अर्थ में)

(D) (nantud, ननतुद) = Case, कारक

(A) (me:d'u, मेःद'उ) = Gender, लिंग

पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका गही एका छाव ती पता लग्गी का, आ बक्क आःली बगर गे का आःले बगर गे का आःलो गे बेहवार मंज्जकी रअ़ई, आद कुँडुख कत्थअईन नु मेःद'उ बातार'ई।

[संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से पता चलता है कि वह शब्द पुरूष शरीरधारी या महिला शरीरधारी या मनुष्येतर शरीरधारी के लिए व्यवहृत है; उसे कुँडुख़ व्याकरण में मेःद'उ (gender, लिंग) कहा जाता है।]

नोट – सृष्टि में अनेक तरह की प्रजाति हैं जिसमें नर और मादा है। लकिन कुछ प्रजाति को आसानी से पहचानना कठिन होता है। पर हिन्दी में सभी के लिए सिर्फ दो लिंग भेद पु0 और स्त्री0 में बाँटा गया है। कई भाषाओं स्त्रीलिंग, पुलिंग और जड़, तीन समूह में लिंग निर्णय किया गया है, जैसे – संस्कृत में स्त्रीलिंग, पुलिंग और नपुंसक लिंग की तरह रखा गया है। अंगरेजी में भी Masculine, Feminine and Neuter gender की परिभाषा की गई है। कुँडुख़ (उराँव) जैसी प्राचीन भाषा मूल रूप से आल (मानव) तथा आःलो (मानवेत्तर) में बँटा हुआ है, जिसमें आल मानव के लिए नर और मादा के रूप में व्याकरण में अलग–अलग वैयाकरणिक शब्दावली प्रयुक्त होते हैं। ऐसे में हिन्दी की तरह स्त्रीलिंग और पुलिंग में बांटकर रखना यथोचित नहीं होगा। जैसे – आःलो (मानवेत्तर) संज्ञा शब्द का बहुवचन प्रयोग के लिए गुटठी लगता है, जबकि स्त्रीलिंग का बहुवचन का अपना अलग–अलग रूप होता है। इस तरह कुँडुख़ (उराँव) भाषा में लिंग निर्णय हेतु स्त्रीलिंग, पुलिंग के साथ मानवेतर लिंग के रूप में परिभाषित करने की आवश्यकता है। इसी विचार से कुँडुख़ भाषा का लिंग निर्णय इस तरह है –

1. [illegible] (ā:li me:d'u/ आ:ली मे:द'उ) = Feminine gender, स्त्रीलिंग।

2. [illegible] (ā:le me:d'u / आ:ले मे:द'उ) = Masculine gender, पुलिंग।

3. [illegible] (ā:lo me:d'u/ आ:लो मे:द'उ) = Non human gender, मानवेतरलिंग।

[illegible] = व्याकरणिक लिंग, भाषायिक कुंडुख़ व्याकरण में मानवीय पुरूष एवं स्त्री सूचक तथा मानवेतर सूचक शब्द, Gender, [illegible] = स्त्रीलिंग, [illegible] = पु0, [illegible] = मानवेतर लिंग।

1. [illegible]

पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका गही एका छाव ती मुक्का आल ही बूझ मनी, आद कुँडुख़ कत्था नु आ:ली मे:द'उ बातार'ई।

[संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से महिला शरीरधारी मानव का बोध होता है; उसे कुँडुख़ भाषा में आ:ली मे:द'उ (feminine gender, स्त्रीलिंग) कहा जाता है।]

[illegible] (Female to Female / plural). [illegible] (Female to male / plural).

2. [illegible]

पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका गही एका छाव ती मे:त आल ही बूझ मनी, आद कुँडुख कत्था नु आ:ले मे:द'उ बातार'ई।

[संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से पुरूष शरीरधारी मानव का बोध होता है, उसे कुँडुख़ भाषा में आ:ले मे:द'उ (masculine gender, पुलिंग) कहा जाता है।]

[illegible]

3. [illegible]

पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका गही एका छाव ती आ:ली मेद्धे आ:ले आ:ले मेदङन अम्मबर, आ:लो मेदङ ही बूझ मनी, आद कुँडुख कत्था नु आ:लो मे:द'उ बातार'ई।

[संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से पुरूष शरीरधारी या महिला शरीरधारी मानव को छो:डकर मनुष्येतर जीव–जन्तु या वस्तु का बोध होता हो, उसे कुँडुख़ भाषा में आ:लो मे:द'उ (Non human gender, मनुष्येतर लिंग) कहा जाता है।]

[illegible]

[illegible]

लिंग भेद की पूर्व में की गई परिभाषा :–

[illegible] – (पूर्व की परिभाषा)

1. [illegible] (me:t me:d / मे:त मे:द) = Masculine gender, पुलिंग।

2. [illegible] (mukk me:d / मुक्क मे:द) = Feminine gender, स्त्रीलिंग।

3. [illegible] (ā:lo me:d / आ:लो मे:द) = Non human gender, मानवेतर लिंग।

1. [illegible]

पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका गही एका छाव ती मे:त आल ही बूझ मनी, आद कुँड़ुख कत्था नु मे:त मे:द बातार'ई।

[संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से पुरूष शरीरधारी मानव का बोध होता है, उसे कुँड़ुख़ भाषा में मे:त मे:द (masculine gender, पुलिंग) कहा जाता है।]

[illegible] :- [illegible]

2. [illegible]

पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका गही एका छाव ती मुक्का आल ही बूझ मनी, आद कुँड़ुख़ कत्था नु मुक्क मे:द बातार'ई।

[संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से महिला शरीरधारी मानव का बोध होता है; उसे कुँड़ुख़ भाषा में मुक्क मे:द (feminine gender, स्त्रीलिंग) कहा जाता है।]

[illegible] :- [illegible] (Female to Female / plural). [illegible] (Female to male / plural).

3. [illegible]

पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका गही एका छाव ती आ:ली मे:द मलता आ:ले मे:दन अम्मबर, आ:लो मे:द ही बूझ मनी, आद कुँड़ुख कत्था नु आ:लो मे:द बातार'ई।

[संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से पुरूष शरीरधारी या महिला शरीरधारी मानव को छो:ड़कर मनुष्येतर जीव–जन्तु या वस्तु का बोध होता हो, उसे कुँड़ुख़ भाषा में आ:लो मे:द (Non human gender, मनुष्येतर लिंग) कहा जाता है।]

[illegible] :- [illegible]

[illegible]

(B) [illegible] (ganyā̃ / गनयाँ) = Number, वचन

[illegible]

[illegible]

पिंज्जका, उइजिपिंज्जका, गुनख़ी मलता नलंग गही एका छाव ती गनती गही बूझ मनी, आद कुँड़ुख कत्था नु गनयाँ बातार'ई)।

[संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण या क्रिया शब्द के जिस रूप से गनणा का बोध होता है, उसे कुँड़ुख़ भाषा में गनयाँ (number, वचन) कहा जाता हैं।]

[illegible] :- 1. [illegible]

2. [illegible]

3. [illegible]

4. [illegible]

5. [illegible]

6. [illegible]

7. [illegible]

8. [illegible]

9. [illegible]

10. [illegible]...

यहाँ, **[illegible], [illegible], [illegible]** शब्द से एक व्यक्ति का बोध होता है तथा **[illegible], [illegible], [illegible]** शब्द से एक अधिक व्यक्ति का बोध होता है।

[illegible] :-

1. [illegible] (ond ganyā̃ / ओन्द गनयाँ) = Singular number, एकवचन।

2. [illegible] (bagge ganyā̃ / बग्गे गनयाँ) = Plural number, बहुवचन।

1. [illegible] - [illegible]

बक्क गही एका छाव ती ओतोख़ आःल मलता आःलो ही बूझ मनी, आ छाव कुँड़ुख कत्था नु ओन्द गनयाँ बातार'ई।

[शब्द के जिस रूप से एक मनुष्य या मनुष्येतर संबंधी चीजों की गनणा का बोध होता हो, उसे कुँड़ुख़ भाषा में ओन्द गनयाँ (singular number, वचन) कहा जाता हैं।]

[illegible] – [illegible]...

2. [illegible] - [illegible]

बक्क गही एका छाव ती ओतोख़ ती बग्गे आःल मलता आःलो ही बूझ मनी, आ छाव कुँड़ुख कत्था नु बग्गे गनयाँ बातार'ई।

[शब्द के जिस रूप से एक से अधिक मनुष्य या मनुष्येतर संबंधी चीजों की गनणा का बोध होता हो, उसे कुँड़ुख़ भाषा में बग्गे गनयाँ (plural number, वचन) कहा जाता हैं।]

[illegible] – [illegible]

(C) [illegible] = Person, पुरूष (जीवात्मा के अर्थ में)

[illegible] :-

1. [illegible] (ba'u ā:le, बअ़उ आ:ल) = First person, उत्तम पुरुष।

   [illegible] :- [illegible] – [illegible].

2. [illegible] (minu ā:le, मिनु आ:ल) = Second person, मध्यम पुरुष।

   [illegible] :- [illegible] – [illegible].

3. [illegible] (bā:t'u ā:le, बा:त'उ आ:ल) = Third person, अन्य पुरुष।

   [illegible] :- [illegible] – [illegible].

(I) [illegible] - [illegible]. (बअ़उ आल ही उइजी नु बर'उ बक्क, कुँडुख कत्था नु बअ़उ आ:ल बातार'ई)। [illegible] :- [illegible] - [illegible], [illegible].

[जो सर्वनाम बोलनेवाले के नाम के बदले में आता है, उसे कुँडुख़ भाषा में ब़अ़उ आ:ल (First person, उत्तम पुरुष) कहा जाता है।]

(II) [illegible] – [illegible]. (मिनु आल ही उइजी नु बर'उ बक्क, कुँडुख कत्था नु मिनु आ:ल बातार'ई)। [illegible] :- [illegible] - [illegible].

[जो सर्वनाम सुननेवाले के नाम के बदले में आता है, कुँडुख़ भाषा में उसे मिनु आ:ल (Second person, मध्यम पुरुष) कहा जाता है।]

(III) [illegible] - [illegible]. (बअ़'उ अरा मिनु रिन अम्बर नन्नर ही उइजी नु बर'उ उइजीपिंज्जका बक्क, कुँडुख कत्था नु बा:त'उ आ:ल बातार'ई)।

[illegible] :- [illegible] – [illegible].

[बोलनेवाले एवं सुननेवाले को छोड़कर, अन्य नाम के बदले में आनेवाले सर्वनाम को कुँडुख़ भाषा में बा:त'उ आ:ल (Third person, अन्य पुरुष) कहा जाता है]

(D) [illegible] (Nantud, ननतुद) = Case, कारक

कुँडुख़ भाषा में ननतुद, शब्द के उस रूप एवं संबंध को कहते हैं जिसका साधारण अवस्था में अथवा वाक्य प्रयोग में कोई विशेष अर्थ नहीं होता है, परन्तु वह, संज्ञा या सर्वनाम के अंत में जुड़कर क्रिया के रूप परिवर्तन के लिए विशिष्ट बन जाता है। इस तरह सामान्य दशा में कोई अर्थ न रखने वाला शब्द खण्ड, संज्ञा या सर्वनाम के साथ जुड़कर क्रिया का वाक्य के अन्य शब्दों के साथ संबंध को स्पष्ट करता है। ननतुद = न + न + तु + द – – ननु अरा ननतुउ ही नता, नलङ संग्गे तिंग्गु अरा तुन'उद, ननतुद बातार'ई। ननतुद बअ़ना ती, अंगरेजी नु case बअर अख़तार'ई अरा ईद हिन्दी नु कारक बातार'ई। अंगरेजी में कहा जाता है - There is no case without case sign. अंगरेजी के case sign को हिन्दी में कारक चिन्ह कहा जाता है और कुँडुख़ भाषा में इसे ओठङा कहा गया है। कुँडुख भाषा में ओठङा, जैसे – अस, अद, अय, नु, ती, तरा, गुसन, गही, तुरू, संग्गे, अना, अनय इत्यादि।

[illegible] :- [illegible]

[illegible]

बक्कसोर – पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका बक्क गही एका छाव ती बक्कपुन नु ननु मलता ननतु'उ संग्गे नन्ना बक्क ही नलंग गने नता जोड़ोरका अख़तार'ई, आ छाव अरा नता कुँड़ुख कत्था नु ननतुद बातार'ई।)

परिभाषा – संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से, वाक्य में किसी कार्य के होने या करने में करनेवाले अथवा करवानेवाले सहित अन्य शब्दों का क्रिया के साथ संबंध जुड़ा हुआ होने का बोध हो, वह रूप एवं संबंध को कुँड़ुख़ भाषा में ननतुद (case, कारक) कहा जाता हैं।

[illegible] / ननतुद नौ प्रकार हैं :-

1. **[illegible]** (nanut'u nantud, ननुत'उ ननतुद) = Nominative case, कर्ता कारक। – अस, अद, अय, अर।

2. **[illegible]** (manut'u nantud, मनुत'उ ननतुद) = Accusative case, कर्म कारक। – अन, सिन।

3. **[illegible]** (kamhṛe nantud, कम्हड़े ननतुद) = Instrumental case, करण कारक। – ती, तुरु, तुले।

4. **[illegible]** (pa̐ṛasnā nantud, पँड़सना ननतुद) = Dative case, सम्प्रदान कारक। – गे, खतरी।

5. **[illegible]** (ambarnā nantud, अम्बरना ननतुद) = Ablative case, अपादान कारक। – ती।

6. **[illegible]** (natāne:t nantud, नतानेःत ननतुद) = Genitive case, संबंध कारक। – गही, ही, घी, ता, तन।

7. **[illegible]** (thambāthāh nantud, थम्बाथाह ननतुद) = Locative case, अधिकरण कारक। – नु , गुसन, तरा।

8. **[illegible]** (sangotā nanti, संगोता ननतुद) = Sociative case, साहचर्य कारक। – गने, संगे ।

9. **[illegible]** (ha̐kā nantu, हँका ननतुद) = Vocative case, सम्बोधन कारक। – अना, अनय, अने, ए, ए दे, एखो।

1. [illegible]

[illegible]

बकपुन नु, पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका गही एका छाव ती नलख ननु मलता नलख ननतु'उ ही बूझ मनी, आ बक्क छाव कुँड़ुख कत्थ'अइन नु ननुत'उ ननतुद बातार'ई।)

बकपुन नु, नन्त'उ ननतुदन टिपआ गे, ने नंज्जा बाःचका ती अदि गही मेंजख़ा ननुत'उ ननतुद दहदर मनी काःली।)

[वाक्य में, संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया को सम्पन्न करनेवाले या करवानेवाले का बोध हो, वह रूप या पद, कुँड़ुख़ व्याकरण में ननुत'उ ननतुद (Nominative case, कर्त्ता कारक) कहलाता हैं।] [वाक्य में, ननुत'उ ननतुद को स्पष्ट करने के लिए किसने किया प्रश्न करने पर उसका उत्तर ननुत'उ ननतुद को सुस्पष्ट करता है।

[illegible] (case sign, कारक चिह्न) – – अस, अद, अय, अर।

[illegible] / अस - [illegible] + [illegible] = [illegible], [illegible] + [illegible] = [illegible] (संज्ञा)।

[illegible] / अद - [illegible] + [illegible] = [illegible], [illegible] + [illegible] = [illegible] (संज्ञा)।

[illegible] / अस - [illegible] + [illegible] = [illegible], [illegible] + [illegible] = [illegible], [illegible] + [illegible] = [illegible] (सर्वनाम)।

[illegible] / अद - [illegible] + [illegible] = [illegible], [illegible] + [illegible] = [illegible], [illegible] + [illegible] = [illegible] (सर्वनाम)।

[illegible] / अय - [illegible] + [illegible] = [illegible], [illegible] + [illegible] = [illegible] (संज्ञा)।

[illegible] / अर - [illegible] + [illegible] = [illegible], [illegible] + [illegible] = [illegible] (संज्ञा)।

[illegible] / अत - [illegible] + [illegible] = [illegible] (संज्ञा)।

[illegible] / मंगरस उगता कमआ लगदस।

[illegible] / मंगरी बिण्डो कमआ लगी।

[illegible] / घोड़ो घाँःसी मोःख़ा लगी।

[illegible] / ओरमा आःलत मण्डी ओना काःलोत।

इसन मंगरस, मंगरी अरा घोड़ो, बकपुन गही ननुत'उ (कर्ता) तली अरा ननुत'उ बेसेम अदी गही नलङ, संग्गे मंज्जकी बेअ़ई। अंगरेजी कत्था नु ननुत'उ अरा नलङ गही छाव जुदा–जुदा मल मनी। एकासे का – John is coming / Jeny is coming. इसन अंगरेजी नु संज्ञा गही नाःमे भइर जुदा रअ़ई। अत्तु केम बकपुन अख़तारआ लगी का आद आःली (स्त्री०) छाव नु रअ़ई का आःले (पु०) छाव नु रअ़ई। संस्कृत नु ननुत'उ गही छाव गा जुदा मनी मुन्दा नलङ गा ओन्द लेखेम मनी।

2. [illegible]

(बक्कपुन नू ननुत'उ तुले नलख ननना मलता नलख ननताअ़ना गही ख़ंजपा एका पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका बक्क मइःयाँ पड़ार'ई, आ बक्क छाव कुँड़ुख कत्थ'अइन नु मनुत'उ ननतुद बातार'ई।)

[वाक्य में, कर्त्ता द्वारा किया गया या करवाया गया कार्य का फल जिस संज्ञा या सर्वनाम शब्द पर पड़ता है, वह शब्द कुँड़ुख़ भाषा में मनुत'उ ननतुद (Accusative case, कर्म कारक) कहलाता हैं।]

[illegible] (case sign, कारक चिह्न) – [illegible] / अन, सिन।

[illegible] / इन (आःली मेदख़ा) - [illegible] + [illegible] = [illegible] / मंगरी को।

[illegible] / अन (आःली मेदख़ा) - [illegible] + [illegible] = [illegible] / मंगरो को।

[illegible] / अन (आःली मेदख़ा) - [illegible] + [illegible] = [illegible] / कमला को।

[illegible] / सिन (आःले मेदख़ा) - [illegible] + [illegible] = [illegible] / मंगरी को।

[illegible] / सिन (आःले मेद) - [illegible] + [illegible] = [illegible] / बुधगरसिन को।

[illegible] / अन (आःलो मेद) - [illegible] + [illegible] = [illegible] / एःड़ा को या बकरी को।

[illegible] / अन (आःलो मेःदख़ा) - **[illegible] + [illegible] = [illegible]** / लकड़ा को या बाघ को।

[illegible] / मंगरी बिण्डो कमआ लगी।

[illegible] / घोड़ो घाँःसी मोःख़ा लगी।

इसन मंगरस, मंगरी अरा घोड़ो, बकपुन गही ननुत'उ (कर्ता) तली अरा ननुति बेसेम अदी गही नलङ संग्गे मंज्जकी बेअ़ई। अंगरेजी कत्था नु ननुत'उ अरा नलङ गही छाव जुदा–जुदा मल मनी। एकासे का – John is coming / Jeny is coming. इसन अंगरेजी नु संज्ञाा गही नाःमे भइर जुदा रअ़ई। अत्तु केम बकपुन अख़तारआ लगी का आद आःली (स्त्री0) छाव नु रअ़ई का आःले (पु0) छाव नु रअ़ई। संस्कृत नु ननुत'उ गही छाव गा जुदा मनी मुन्दा नलङ छाव गा ओन्द लेखेम मनी।

3. [illegible]

बक्कपुन नु पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका ही मदईत ती मलता तुरू, आ नलख ननना मलता मनना अख़तार'ई, आ बक्क छाव कुँडुख कत्थअइन नु कम्हड़े ननतुद बातार'ई।

[वाक्य में संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप द्वारा क्रिया सम्पन्न होने का बोध हो, उस रूप को कुँडुख कत्थअइन में कम्हड़े ननतुद (Instrumental case, करण कारक) कहा जाता हैं।]

[illegible] (case sign, कारक चिह्न) – **[illegible]** / तुरू, ती, तुले (से, द्वारा, जरिए)।

[illegible] / तुरू - **[illegible]** / बैल को डण्डे द्वारा मारा।

[illegible] / ती - **[illegible]** / मुर्गी को डण्डे से जान से मारा।

[illegible] / तुले - **[illegible]** / मेरे जरिए कार्य सम्पन्न हुआ।

4. [illegible]

बक्कपुन नु ननु मलता ननतु'उ ती एका पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका गे नलख ननतार'ई, आ पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका बक्कछाव कुँडुख कत्थअइन नु पँड़सना ननतुद बातार'ई।

[वाक्य में, कर्त्ता (करने वाला या करवाने वाला) द्वारा जिस संज्ञा या सर्वनाम के लिए क्रिया सम्पन्न की जाती है, उस संज्ञा या सर्वनाम के रूप को कुँडुख कत्थअइन में पँड़सना ननतुद (Dative case, संप्रदान कारक) कहा जाता हैं।].

[illegible] (case sign, कारक चिह्न) – **[illegible]** / गे, खतरी ।

[illegible] / गे - **[illegible]** / बैल के लिए घांस दो।

[illegible] / खतरी - **[illegible]** / बिरसा वास्ते दूध दो।

5. [illegible]

[illegible]

बक्कपुन नु नलख ननु मलता नलख ननतु'उ (पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका) गही एकअम नन्ना पिंज्जका उइजिपिंज्जका (मनतु'उ) ती अम्बरना ही बूझ मनी, आ पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका छाव कुँड़ुख कत्थअईन नु अम्बरना ननतुद बातार'ई।

[वाक्य में क्रिया को सम्पन्न करनेवाले या करवानेवाले (संज्ञा या सर्वनाम) का किसी दूसरे संज्ञा या सर्वनाम से अलग होना कुँड़ुख़ भाषा व्याकरण में अम्बरना ननतुद (Ablative case, अपादान कारक) कहा जाता हैं।]

[illegible] (case sign, कारक चिह्न) – **[illegible]** / ती, तिके (से)।

[illegible] / ती - **[illegible]** / मुर्गी कुसलीघर से निकली।

[illegible] / तिके - **[illegible]** / चिड़िया भँड़की से भाग गई।

6. [illegible]

बक्कपुन नु नलख ननु मलता नलख ननतु'उ गने दहदर नता जोःड़'उ, पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका बक्कछाव, कुँड़ुख कत्थअईन नु नतानेःत ननतुद बातार'ई।

[वाक्य में क्रिया को सम्पन्न करनेवाले या करवानेवाले के साथ संबंध रखने वाले संज्ञा या सर्वनाम के रूप को कुँड़ुख़ भाषा व्याकरण में नतानेःत ननतुद (Genetive case, संबंध कारक) कहा जाता हैं।]

नोट – नतानेःत ननतुद अथवा सम्बन्ध कारक वाला संज्ञा या सर्वनाम का क्रिया के साथ सीधा सम्पादन नहीं रहता है, पर वह कार्य सम्पादन करने वाला कर्ता के साथ का सम्बन्ध को स्पष्ट करता है, जिसके चलते कुछ व्याकरणाकार इसे कारक की श्रेणी में नहीं रखते है।

[illegible] (case sign, कारक चिह्न) – **[illegible]** / गही, ही, घी, ता (का, के, की)।

[illegible] इसन नलख ननु, तंगड़ी तली।

[illegible] - - **[illegible]** / गही - **[illegible]** / बिरयस गही अड्डो बरचा।

[illegible] / ही - **[illegible]** / आस ही नलक्ष लेखा नना।

[illegible] / घी - **[illegible]** / ईद पुजरस घी ख़ल्ल तली।

[illegible] / ता - **[illegible]** / पद्दा ता जोंःख़स बरचस।

7. [illegible]

पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका गही एका छाव ती बक्कपुन नु नलख ननना मलता नलख मनना गही अड्डा ही पइत्त नु बुझुरतार'ई, आ बक्कछाव कुँड़ुख कत्थअइन नु थम्बाथाह ननतुद बातार'ई।

[संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से, वाक्य में क्रिया के सम्पन्न होने या करने का स्थान या

आधार का बोध हो, उस रूप को कुँड़ुख कत्थअइन में थम्बाथाह ननतुद (Locative case, अधिकरण कारक) कहा जाता हैं।]

(case sign, कारक चिह्न) – / नु, तरा, तरता, गुसन, गुसता।

/ नु - / बौगी नु अड़ख़ा रअ़ई।

/ तरा - / ख़ाड़ तरा अड़्डोन होआ।

/ तरता - / टुंगरी तरता जम्मबु पंज्जा।

/ गुसन - / आस गुसन गुल्ले रअ़ई।

/ गुसता - / अखड़ा गुसता तेताली पंज्जा।

8. (बक्कपुन नु, नलख ननु मलता नलख ननतु'उ ही संग्गे चिअ़उ, पिंज्जका मलता उइजिपिंज्जका ही छाव, कुँड़ुख कत्थअइन नु संगोता ननतु बातार'ई)।

[वाक्य में, क्रिया को सम्पन्न करनेवाले या करवानेवाले का साथ देने वाले संज्ञा या सर्वनाम के रूप को, कुँड़ुख कत्थअइन में संगता ननतु (Sociative case, साहचर्य कारक) कहा जाता हैं।]

(case sign, कारक चिह्न) – / गने, संग्गे, ती।

9. (बक्कपुन नु, एका बक्क ती नेःकआ'निम मेःख़ना, का एन्देरआनिम तेंग्गना ही बूझ मनी आद कुँड़ुख कत्थअइन नु हँका ननतुद बातार'ई)। इदी गने ! चिन्हां लग्गी। – अना, मंगरा !

[वाक्य में, जिस शब्द से किसी को बुलाने या सचेत करने का भाव प्रकट हो उसे कुँड़ुख कत्थअइन में हँका ननतुद (Vocative case, सम्बोधन कारक) कहते हैं। इसके साथ संबोधन चिन्ह (!) लगाया जाता है।

(case sign, कारक चिह्न) – / अना, अनय, अने, ए, एखो।

नोट – कुछ व्याकरणाकार संबंध कारक एवं संबोधन करक को कारक की श्रेणी में नहीं रखते है। उनका मानना है कि उक्त के कारक रूप का क्रिया के सम्पन्न होने में सीधा संबंध नहीं रहता है। जबकि कारक की परिभाषा में कर्ता एवं क्रिया के साथ संबंध होना बतलाया जाता है।

[A case is the form of noun or pronoun, which shows its relation to other words in the sentence.] - Bhola Pandit, Brilliant English Grammar.

[संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से, वाक्य के अन्य शब्दों के साथ उनका (संज्ञा या सर्वनाम का) संबंध सूचित हो, उसे (उस रूप को) कारक कहते हैं। अथवा संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उनका (संज्ञा या सर्वनाम) क्रिया से संबंध सूचित हो, उसे (उस रूप को) कारक कहते हैं।]

– डॉ0 वासुदेवनन्दन प्रसाद, आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना।

(E) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] (कारक माला)

(1) [illegible] [illegible] – [illegible] ([illegible] [illegible])

[illegible]		[illegible]	
		[illegible] [illegible]	[illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible] [illegible]	[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible] [illegible]	[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible] [illegible]	[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible] [illegible]	[illegible] [illegible]	[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible] [illegible]	[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible] [illegible]	[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible] [illegible]	[illegible] [illegible] [illegible]

(2) [illegible] [illegible] – [illegible] ([illegible] [illegible])

[illegible]		[illegible]	
		[illegible] [illegible]	[illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible] [illegible]	[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible] [illegible]	[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible] [illegible]	[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible] [illegible]	[illegible] [illegible]	[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible] [illegible]	[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible] [illegible]	[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible] [illegible]	[illegible] [illegible] [illegible]

(3) [illegible] [illegible] – [illegible] ([illegible] [illegible])

[illegible]		[illegible]	
		[illegible] [illegible]	[illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible] [illegible]	[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible] [illegible]	[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible] [illegible]	[illegible] [illegible] [illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

(4) [illegible] – [illegible] ([illegible])

[illegible]		[illegible]	
		[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

(5) [illegible] – [illegible] / [illegible]

[illegible]		[illegible]	
		[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	--------------	-----------------

(6) [illegible] – [illegible] / [illegible]

[illegible]		[illegible]	
		[illegible]	[illegible]
1.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
2.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
3.	[illegible]	[illegible]	[illegible]

4.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
5.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
6.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
7.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
8.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
९.	[illegible]	--------------	----------------

(7) [illegible] – [illegible] / [illegible]

	[illegible]	[illegible]	
		[illegible]	[illegible]
1.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
2.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
3.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
4.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
5.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
6.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
7.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
8.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
९.	[illegible]	--------------	----------------

(8) [illegible] – [illegible]

	[illegible]	[illegible]	
1.	[illegible]	[illegible]	
2.	[illegible]	[illegible]	
3.	[illegible]	[illegible]	
4.	[illegible]	[illegible]	
5.	[illegible]	[illegible]	
6.	[illegible]	[illegible]	
7.	[illegible]	[illegible]	
8.	[illegible]	[illegible]	
९.	[illegible]	--------------	----------------

(9) [illegible] – [illegible] / [illegible]

	[illegible]	[illegible]	
		[illegible]	[illegible]
1.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
2.	[illegible]	[illegible]	[illegible]

3.	ທາພຫຮບ	ກ:ຕ ດຮຄຮ	ກ:ຄ ດຮຄຮ
4.	ບໍ່ຮາຕຫກ	ກ:ຕ ຜບ	ກ:ຄ ຜບ
5.	ໂພບາຄຫກ	ກ:ຕ ດຢ	ກ:ຄ ດຢ
6.	ຫາດກຫບ:ດ	ກ:ຕ ຜາຫຢ	ກ:ຄ ຜາຫຢ
7.	ອາພບກອກຫ	ກ:ຕ ຫຮ	ກ:ຄ ຫຮ
8.	ຕາລຮດກ	ກ:ຕ ຜາຫບ	ກ:ຄ ຜາຫບ
໙.	ຫໍ່ທກ	-------------	----------------

(10) ຮຢດຢບຢດດທກ – ຢ:ຕ / ຢ:ຄ

ຫາຫດຮມ		ຜາຫວໍກ	
		ຮຫມ ຜາຫວໍກ	ບາຜຜກ ຜາຫວໍກ
1.	ຫາຫຮດ່ຮ	ຢ:ຕ	ຢ:ຄ
2.	ພາຫຮດ່ຮ	ຢ:ຕຢຫ	ຢ:ຄຢຫ
3.	ທາພຫຮບ	ຢ:ຕ ດຮຄຮ	ຢ:ຄ ດຮຄຮ
4.	ບໍ່ຮາຕຫກ	ຢ:ຕ ຜບ	ຢ:ຄ ຜບ
5.	ໂພບາຄຫກ	ຢ:ຕ ດຢ	ຢ:ຄ ດຢ
6.	ຫາດກຫບ:ດ	ຢ:ຕ ຜາຫຢ	ຢ:ຄ ຜາຫຢ
7.	ອາພບກອກຫ	ຢ:ຕ ຫຮ	ຢ:ຄ ຫຮ
8.	ຕາລຮດກ	ຢ:ຕ ຜາຫບ	ຢ:ຄ ຜາຫບ
໙.	ຫໍ່ທກ	-------------	----------------

(11) ຮຢດຢບຢດດທກ – ຫຮ:ຕ / ຫຮ:ຄ

ຫາຫດຮມ		ຜາຫວໍກ	
		ຮຫຄ ຜາຫວໍກ	ບາຜຜກ ຜາຫວໍກ
1.	ຫາຫຮດ່ຮ	ຫຮ:ຕ	ຫຮ:ຄ
2.	ພາຫຮດ່ຮ	ຫຮ:ຕຢຫ	ຫຮ:ຄຢຫ
3.	ທາພຫຮບ	ຫຮ:ຕ ດຮຄຮ	ຫຮ:ຄ ດຮຄຮ
4.	ບໍ່ຮາຕຫກ	ຫຮ:ຕ ຜບ	ຫຮ:ຄ ຜບ
5.	ໂພບາຄຫກ	ຫຮ:ຕ ດຢ	ຫຮ:ຄ ດຢ
6.	ຫາດກຫບ:ດ	ຫຮ:ຕ ຜາຫຢ	ຫຮ:ຄ ຜາຫຢ
7.	ອາພບກອກຫ	ຫຮ:ຕ ຫຮ	ຫຮ:ຄ ຫຮ
8.	ຕາລຮດກ	ຫຮ:ຕ ຜາຫບ	ຫຮ:ຄ ຜາຫບ
໙.	ຫໍ່ທກ	-------------	----------------

(12) ຮຢດຢບຢດດທກ – ກ:ມ / ກ:ຄ

ຫາຫດຮມ		ຜາຫວໍກ	
		ຮຫຄ ຜາຫວໍກ	ບາຜຜບ ຜາຫວໍກ

1.	ตาตรด'ร	π:ม	π:ฆ
2.	ผาตรด'ร	ไมPต	π:ฆPต
3.	ถาผลชV	ไมP ดรฆร	π:ฆ ดรฆร
4.	บ๊ชาอตπ	ไมP ผV	π:ฆ ผV
5.	ไผยาลตπ	ไมP ดP	π:ฆ ดP
6.	ตาดπตV:ด	ไมP ผาลP	π:ฆ ผาลP
7.	ดาผยπดπล	ไมP ตร	π:ฆ ตร
8.	อาลชดπ	ไมP ผาตV	π:ฆ ผาตV
e.	ล๊ถπ	----------	----------------

(13) รPดPบPภดถπ — P:ม / P:ฆ

	ตาตดรม	ผาตฮ๊π	
		ชตม ผาตฮ๊π	ยาผผV ผาตฮ๊π
1.	ตาตรด'ร	P:ม	P:ฆ
2.	ผาตรด'ร	PมPต	P:ฆPต
3.	ถาผลชV	PมP ดรฆร	P:ฆ ดรฆร
4.	บ๊ชาอตπ	PมผV	P:ฆ ผV
5.	ไผยาลตπ	PมP ดP	P:ฆ ดP
6.	ตาดπตV:ด	PมP ผาลP	P:ฆ ผาลP
7.	ดาผยπดπล	PมP ตร	P:ฆ ตร
8.	อาลชดπ	PมP ผาตV	P:ฆ ผาตV
e.	ล๊ถπ	-------------	----------------

(14) รPดPบPภดถπ — ลร:ม / ลร:ฆ

	ตาตดรม	ผาตฮ๊π	
		ชตม ผาตฮ๊π	ยาผผV ผาตฮ๊π
1.	ตาตรด'ร	ลร:ม	ลร:ฆ
2.	ผาตรด'ร	ลรมPต	ลร:ฆPต
3.	ถาผลชV	ลรมP ดรฆร	ลร:ฆ ดรฆร
4.	บ๊ชาอตπ	ลรดP ผV	ลร:ฆ ผV
5.	ไผยาลตπ	ลรดP ดP	ลร:ฆ มP
6.	ตาดπตV:ด	ลรมP ผาลP	ลร:ฆ ผาลP
7.	ดาผยπดπล	ลรมP ตร	ลร:ฆ ตร
8.	อาลชดπ	ลรมP ผาตV	ลร:ฆ ผาตV
e.	ล๊ถπ	-------------	----------------

(15) รPดPบPภดถπ — ไยชπ / ไยชาฆ

[illegible]		[illegible]	
		[illegible]	[illegible]
1.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
2.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
3.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
4.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
5.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
6.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
7.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
8.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	-------------	----------------

(16) [illegible] – [illegible] / [illegible]

[illegible]		[illegible]	
		[illegible]	[illegible]
1.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
2.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
3.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
4.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
5.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
6.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
7.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
8.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	-------------	----------------

(17) [illegible] – [illegible] / [illegible]

[illegible]		[illegible]	
		[illegible]	[illegible]
1.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
2.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
3.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
4.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
5.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
6.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
7.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
8.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	-------------	---------------

(18) ชpดpบpสดทา – ใบชาว / ใบชาด

ตาตดชม	ผาตวิ	
	ชตม ผาตวิ	ยาผผv ผาตวิ
1. ตาตชด'ช	ใบชาว	ใบชาด
2. ผาตชด'ช	ใบชาวต	ใบชาดดpต
3. ทาผชv	ใบชาว ดชตช	ใบชาด ดชตช
4. บ้ชาฒตา	ใบชาว ผv	ใบชาด ผv
5. ใผยาดตา	ใบชาว ดp	ใบชาด ดp
6. ตาดาตv:ด	ใบชาว ผาคp	ใบชาด ผาคp
7. ดาผยาดาค	ใบชาว ตช	ใบชาด ตช
8. ฒาลชดา	ใบชาว ผาตv	ใบชาด ผาตv.
9. คโทา	-------------	----------------

(19) ชpดpบpสดทา – pบชาว / pบชาด

ตาตดชม	ผาตวิ	
	ชตม ผาตวิ	ยาผผv ผาตวิ
1. ตาตชด'ช	pบชาว	pบชาด
2. ผาตชด'ช	pบชาวต	pบชาดดpต
3. ทาผคชv	pบชาว ดชตช	pบชาด ดชตช
4. บ้ชาฒตา	pบชาว ผv	pบชาด ผv
5. ใผยาดตา	pบชาว ดp	pบชาด ดp
6. ตาดาตv:ด	pบชาว ผาคp	pบชาด ผาคp
7. ดาผยาดาค	pบชาว ตช	pบชาด ตช
8. ฒาลชดา	pบชาว ผาตv	pบชาด ผาตv
e. คโทา	-------------	----------------

(20) ชpดpบpสดทา – คชยชาว / คชยชาด

ตาตดชม	ผาตวิ	
	ชตม ผาตวิ	ยาผผv ผาตวิ
1. ตาตชด'ช	คชยชาว	คชยชาด
2. ผาตชด'ช	คชยชาวต	คชยชาดดpต
3. ทาผคชv	คชยชาว ดชตช	คชยชาด ดชตช
4. บ้ชาฒตา	คชยชาว ผv	คชยชาด ผv
5. ใผยาดตา	คชยชาว ดp	คชยชาด ดp
6. ตาดาตv:ด	คชยชาว ผาคp	คชยชาด ผาคp
7. ดาผยาดาค	คชยชาว ตช	คชยชาด ตช
8. ฒาลชดา	คชยชาว ผาตv	คชยชาด ผาตv

e. หาักา -------------- ----------------

(21) ะpดpUpกดกา – ดาล'า

	ตาตดะม	ผาตงิา
1.	ตาตะด'ะ	ดาล'า
2.	ผาตะด'ะ	ดาล'าต
3.	กาผหะ๙ว	ดาล'า ดะตะ
4.	ปาั๙าอตา	ดาล'า ษาลตp
5.	าผยาหตา	ดาล'า ดp
6.	ตาดาตว:ด	ดาล"า ผาหp
7.	อาผยาอาห	ดาล'า ตะ
8.	อาลวดา	ดาล'า ผาตว
e.	หาักา	--------------

(22) ะpดpUpกดกา – ตว ?

	ตาตดะม	ผาตงิา
1.	ตาตะด'ะ	ตว ?
2.	ผาตะด'ะ	ตว:กาต ?
3.	กาผหะ๙ว	ตว ดะตะ ?
4.	ปาั๙าอตา	ตว:กา ผว ?
5.	าผยาหตา	ตว:ก ดp ?
6.	ตาดาตว:ด	ตว ผาหp ?
7.	อาผยาอาห	ตว:ต'าง ตะ ?
8.	อาลวดา	ตว ผาตว
e.	หาักา	--------------

(23) ะpดpUpกดกา – วตมหา ?

	ตาตดะม	ผาตงิา
1.	ตาตะด'ะ	วตมหา ?
2.	ผาตะด'ะ	วตมหาต ?
3.	กาผหะ๙ว	วตมหา ดะตะ ?
4.	ปาั๙าอตา	วตมหา ผว ?
5.	าผยาหตา	วตมหา ดp ?
6.	ตาดาตว:ด	วตมหา ผาหp ?
7.	อาผยาอาห	วตมหา ตะ ?
8.	อาลวดา	วตมหา ผาตว
e.	หาักา	--------------

(24) [illegible] — [illegible] ?

	[illegible]	[illegible]	
1.	[illegible]	[illegible]	
2.	[illegible]	[illegible]	
3.	[illegible]	[illegible]	
4.	[illegible]	[illegible]	
5.	[illegible]	[illegible]	
6.	[illegible]	[illegible]	
7.	[illegible]	[illegible]	
8.	[illegible]	[illegible]	
e.	[illegible]	-------------	----------------

(25) [illegible] — [illegible]

	[illegible]	[illegible]	
1.	[illegible]	[illegible]	
2.	[illegible]	[illegible]	
3.	[illegible]	[illegible]	
4.	[illegible]	[illegible]	
5.	[illegible]	[illegible]	
6.	[illegible]	[illegible]	
7.	[illegible]	[illegible]	
8.	[illegible]	[illegible]	
e.	[illegible]	-------------	----------------

(26) [illegible] — [illegible]

	[illegible]	[illegible]	
1.	[illegible]	[illegible]	
2.	[illegible]	[illegible]	
3.	[illegible]	[illegible]	
4.	[illegible]	[illegible]	
5.	[illegible]	[illegible]	
6.	[illegible]	[illegible]	
7.	[illegible]	[illegible]	
8.	[illegible]	[illegible]	
e.	[illegible]	-------------	----------------

(27) [illegible] — [illegible]

	[illegible]	[illegible]	
1.	[illegible]	[illegible]	
2.	[illegible]	[illegible] [illegible]	
3.	[illegible]	[illegible] [illegible]	
4.	[illegible]	[illegible] [illegible]	
5.	[illegible]	[illegible] [illegible]	
6.	[illegible]	[illegible] [illegible]	
7.	[illegible]	[illegible] [illegible]	
8.	[illegible]	[illegible] [illegible]	
[illegible]	[illegible]	--------------	-----------------

(28) [illegible] – [illegible] / [illegible]

	[illegible]	[illegible]
1.	[illegible]	[illegible] / [illegible]
2.	[illegible]	[illegible] / [illegible] [illegible]
3.	[illegible]	[illegible] [illegible] / [illegible] [illegible]
4.	[illegible]	[illegible] [illegible] / [illegible] [illegible]
5.	[illegible]	[illegible] [illegible] / [illegible] [illegible]
6.	[illegible]	[illegible] [illegible] / [illegible] [illegible]
7.	[illegible]	[illegible] [illegible] / [illegible] [illegible]
8.	[illegible]	[illegible] [illegible] / [illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible]	--------------

(29) [illegible] – [illegible]

	[illegible]	[illegible]
1.	[illegible]	[illegible]
2.	[illegible]	[illegible]
3.	[illegible]	[illegible] [illegible]
4.	[illegible]	[illegible] [illegible]
5.	[illegible]	[illegible] [illegible]
6.	[illegible]	[illegible] [illegible]
7.	[illegible]	[illegible] [illegible]
8.	[illegible]	[illegible] [illegible]
[illegible]	[illegible]	--------------

(30) [illegible] – [illegible] / [illegible]

	[illegible]	[illegible]

1.	[illegible]	[illegible] / [illegible]
2.	[illegible]	[illegible] / [illegible]
3.	[illegible]	[illegible] / [illegible]
4.	[illegible]	[illegible] / [illegible]
5.	[illegible]	[illegible] / [illegible]
6.	[illegible]	[illegible] / [illegible]
7.	[illegible]	[illegible] / [illegible]
8.	[illegible]	[illegible] / [illegible]
9.	[illegible]	--------------

(31) [illegible] – [illegible]

	[illegible]	[illegible]
1.	[illegible]	[illegible]
2.	[illegible]	[illegible]
3.	[illegible]	[illegible]
4.	[illegible]	[illegible]
5.	[illegible]	[illegible]
6.	[illegible]	[illegible]
7.	[illegible]	[illegible]
8.	[illegible]	[illegible]
9.	[illegible]	--------------

(F) Declention of pronoun
(सर्वनाम का रूप विस्तार)

(1) [illegible] (मुर्रा छाव) = Exasarated form / सुस्पष्ट वाचक रूप।

[illegible]	-	[illegible]
(ordinary form)	-	(exasarated form)
[illegible] मैं	-	[illegible] मैं ही
[illegible] हमलोग	-	[illegible] हमलोग ही
[illegible] तुम	-	[illegible] तुम ही
[illegible] तुमलोग	-	[illegible] तुमलोग ही
[illegible] वह	-	[illegible] वही
[illegible] वे	-	[illegible] वे ही
[illegible]	-	[illegible]
[illegible] वह (पु०)	-	[illegible] वही (पु०)
[illegible] वह (स्त्री०)	-	[illegible] वही (स्त्री०)
[illegible] वे	-	[illegible] वे ही
[illegible] यह (पु०)	-	[illegible] यही (पु०)

	ঢ়ঃঅ यह (स्त्री०)	-	ঢ়ঃঅঢঅ यही (स्त्री०)
	ঢ়ঃঌ ये	-	ঢ়ঃঌঢঅ ये ही
	ষঽঃঙ	-	ষঽঃঙঢঅ
	ষঽঃঅ	-	ষঽঃঌঢঅ
	ষঽঃঌ	-	ষঽঃঌঢঅ
	৭ঢ়ঘ॥	-	৭ঢ়ঘ॥ ঌঢঅ
	ঢ়ঢ়ঘ॥	-	ঢ়ঢ়ঘ॥ অঢঅ
	ষঽঢ়ঢ়ঘ॥	-	ষঽঢ়ঢ়ঘ॥ অঢঅ
	৭ঢ়ঘ৭ঌ	-	৭ঢ়ঘ৭ঌ অঢঅ
	ঢ়ঢ়ঘ৭ঌ	-	ঢ়ঢ়ঘ৭ঌ অঢঅ
	ষঽঢ়ঢ়ঘ৭ঌ	-	ষঽঢ়ঢ়ঘ৭ঌ অঢঅ
	ষঽঢ়ঢ়ঘ৭ঙ	-	ষঽঢ়ঢ়ঘ৭ঙ অঢঅ
	৭ঌল'॥	-	৭ঌল'॥ অঢঅ
	ঢ়ঌঅঢ়ঌ'ঢ়অ	-	ঢ়ঌঅঢ়ঌ'ঢ়অ অঢঅ
	ঢ়ঌঅঢ়ঌ'৭অ	-	ঢ়ঌঅঢ়ঌ'৭অ অঢঅ
	ঢ়ঙ'৭অ	-	ঢ়ঙ'৭অ অঢঅ
	ঌঢ়ঃঙ'ঢ়অ	-	ঌঢ়ঃঙ'ঢ়অ অঢঅ
	ঽঌঅঢ়ঃ	-	ঽঌঅঢ়ঃ অঢঅ
	ঽঌঅ৭॥	-	ঽঌঅ৭॥ অঢঅ
	ঽঌঅ৭ঌ	-	ঽঌঅ৭ঌ অঢঅ
	ঢ়ঌঢ়অ	-	ঢ়ঌঢ়অ অঢঅ
	ঢ়ঌঅ৭ঌ	-	ঢ়ঌঅ৭ঌ অঢঅ

৭ঢ়ঌ 1. ঽঢ়ঌঢ়ঢ়ঌঌঌঘ॥ ঙ৭ঌঢ়ঢ় 'ঢ়অ' ঢ়ঽঽঌঌ॥ ষ৭৭ঌঢ়ঽ ঌঽঃঢ়'ঌঃ.

	ঢ়ঃঌ मैं	-	ঢ়ঃঌঢ়অ मैं ही
	ঢ়ঃঅ हम दोनों	-	ঢ়ঃঅঢ়অ हमलोग ही
	ঌঢ়ঃঌ तुम	-	ঌঢ়ঃঌঢ়অ तुम ही
	ঌঢ়ঃঅ तुमलोग	-	ঌঢ়ঃঅঢ়অ तुमलोग ही
	ঌ৷৷ঌ वह	-	ঌ৷ঃঌঢ়অ वही
	ঌ৷৷অ वे	-	ঌ৷ঃঅঢ়অ वे ही
	ঌ৷৷অ हम सभी	-	ঌ৷ঃঅঢ়অ

৭ঢ়ঌ 2. ঽঢ়ঌঢ়ঢ়ঌঌঌঘ॥ ঙ৭ঌঢ়ঢ় 'অঢ়অ' ঢ়ঽঽঌঌ॥ ষ৭৭ঌঢ়ঽ ঌঽঃঢ়'ঌঃ.

	ঢ়অষ৭ঙ	—	ঢ়অষ৭ঙ অঢঅ
	ঌঢ়অষ৭ঙ	—	ঌঢ়অষ৭ঙ অঢঅ
	ঌ৭অষ৭ঙ	—	ঌ৭অষ৭ঙ অঢঅ
	ঢ়অষ৭ঙ	—	ঢ়অষ৭ঙ অঢঅ
	ঌ৭অষ৭ঙ	—	ঌ৭অষ৭ঙ অঢঅ

৭ঢ়ঌ 3. ঽঢ়ঌঢ়ঢ়ঌঌঌঘ॥ ঙ৭ঌঢ়ঢ় 'ঌঢ়অ' ঢ়ঽঽঌঌ॥ ষ৭৭ঌঢ়ঽ ঌঽঃঢ়'ঌঃ.

[illegible]	–	[illegible]
[illegible]	–	[illegible]
[illegible]	–	[illegible]
[illegible]	–	[illegible]
[illegible]	–	[illegible]

* "A pronoun is a word that stands for noun or refers to person or things without naming them. It saves frequent repetition of noun."

- Bhola Pandit, Brilliant English Grammar.

[illegible] (nalang / नलङ) = Verb, क्रिया

[illegible]

एका बक्क ती एकअम नलख गही ननना मलता मनना बुझुरतार'ई, आद कुँडुख कत्था नु नलंग बातार'ई।

[illegible]

1. [illegible] (word root) – **[illegible]** (word root, धातु) **[illegible]**

[illegible]

2. [illegible] (word stem) – **[illegible]** (word stem) **[illegible]**

3. [illegible] (word ending) – **[illegible]** (word ending) **[illegible]**

4. [illegible] (Compound verb) **-** संयुक्त क्रिया। **[illegible]**

[illegible]

5. [illegible] (Principal verb) = प्रधान क्रिया - **[illegible]** = स्नान करना, **[illegible]** = खाना, **[illegible]** = पीना, **[illegible]** = आना, **[illegible]** = जाना, **[illegible]** = तैरना, **[illegible]** = लिखना।

6. [illegible] (Auxillary verb) = सहायक क्रिया - **[illegible]** :- रअ़ना / **[illegible]**, लगना / **[illegible]**.

7. [illegible] (complimentary verb) = सम्पूरक क्रिया - **[illegible]**

[illegible] – ननना / **[illegible]**, मनना / **[illegible]**

8. [illegible] (नाम धातु क्रिया) - **[illegible]**

9. [illegible] (participal form) - **[illegible]**

10. [illegible] (gerund) = क्रियावाचक संज्ञा - **[illegible]**

11. [illegible] (complimentary verb) = Complimentry verb, सम्पूरक क्रिया, अपूर्ण क्रिया। नमूद – ननना, मनना।

12. [illegible] (sālnāsari nalang, सालनासरी नलङ) = Universal verb, सार्वभौमिक क्रिया। नमूद – तलना, बेअ़ना, हिकना।

13. [illegible] (pinjkā thayā nalang), पिंज्जकाथया नलङ) = Nounderived verb, नाम धातु क्रिया। नमूद – टेम्पाअ़ना, ख़जना, ख़जरना गुट्ठी।

14. [illegible] (mant'u nalang chhāv / मन्त'उ नलङ छाव) = Accusative form verb, फलार्थक क्रिया।

15. (mantu'u ra'u nalang / मनतु'उ रअ़उ नलङ) = Transitive verb, सकर्मक क्रिया।

16. (mantu'u malkā nalang / मनतु'उ मलका नलङ) = Intransitive verb, अकर्मक क्रिया।

17. (manar manu nalang chhāv / मनर मनते नलङ छाव) = Participle verb, पूर्वकालिक क्रिया रूप।

18. (purchkā-malpurchkā nalang chhāv / पूर्चका–मलपूर्चका नलङ छाव) = Perfect continuous form, पूर्ण–अपूर्ण क्रिया रूप।

19. (nanarki chhāv / ननरकी छाव) = Active form.

(कर्त्ता)

20. (manarki chhāv / मनरकी छाव) = Passive form.

(कर्म)

21. (āntā chhāv / आनका छाव) = Causal form.

22. (āntārki chhāv / आनतारकी छाव) = Reflexive form.

23. (nanu nalang chāv, ननु संगता छाव) = Doer verb, Doer form verb, कर्तार्थक क्रिया, करनेवाला रूप।

24. (nantu'u nalang chāv, ननतु'उ नलंग छाव) = Causal verb, causal form verb, प्रेरणार्थक क्रिया, करवाने वाला रूप।

25. (mantu'u nalang chāv / मन्त'उ नलंग छाव) = Accussative form verb, फलार्थक रूप।

(६) (nalang gunxi / नलङ गुनख़ी) = Adverb, क्रिया विशेषण

(nalang gunxi / नलङ गुनख़ी) - (विशेषता)

एका बक्क नलंग गही बिहइत तिंग्गी, आद कुँड़ुख कत्था नु नलंग–गुनख़ी बातार'ई।

1. (beṛā nalang-gunxi, बेड़ा नलङ–गुनख़ी) = Adverb of time, कालवाचक क्रिया विशेषण।
2. (addā nalang-gunxi, अड्डा नलङ–गुनख़ी) = Adverb of place, स्थानवाचक क्रिया विशेषण।
3. (xo:yjokh nalang-gunxi, ख़ोःयजोख नलङ–गुनख़ी) = Adverb of quantity, परिमाणवाचक क्रिया विशेषण। –
4. (ne:tri:t nalang-gunxi, नेःत'रीःत नलङ–गुनख़ी) = Adverb of manner, रीतिवाचक क्रिया विशेषण।

1. [illegible] (एका बक्क नलंग गही ननना मलता मनना ही बेड़ा मदहे बिहईत तिंग्गी, आद कुँड़ुख कत्था नु बेड़ा नलंग–गुनख़ी बातार'ई।)

[illegible]

2. [illegible] (एका बक्क नलंग गही ननना मलता मनना ही अड्डा मदहे बिहईत तिंग्गी, आद कुँड़ुख कत्था नु अड्डा नलंग–गुनख़ी बातार'ई।)

[illegible]

3. [illegible] (एका बक्क नलंग गही ननना मलता मनना ही ख़ोयजोख मदहे बिहईत तिंग्गी, आद कुँड़ुख कत्था नु ख़ोयजोख नलंग–गुनख़ी बातार'ई।

[illegible]

4. [illegible] (एका बक्क नलंग गही ननना मलता मनना ही नेःत–रीत मधे बिहइत तिंग्गी, आद कुँड़ुख कत्था नु नेःत–रीत नलंग–गुनख़ी बातार'ई।

[illegible]

(9) [illegible] (karichkā) = non declension word, अव्यय शब्द

[illegible]

अबड़ा बक्क एकदा गही मेद्दे, गनयाँ, ननतुद मलता परिया ही चड्डे एकअम बेसे छाव मल बदलार'ई, आद कुँड़ुख कत्था नु करिचका बक्क बातार'ई।

[illegible] –

[illegible] :-

1. [illegible] (mundhe tunur'u karichkā / मुन्धारे

तुनुर'उ करिचका) = Preposition / Pre declensionless word, पूर्वसर्ग अव्वय।

2. [illegible] (cholle tunur'u karichkā / चोल्ला तुनुर'उ करिचका) = Postposition / Post declensionless word, परसर्ग अव्वय।

3. [illegible] (jo:ṛ'u-chindu karichkā / जोःड़'उ–छिण्डु करिचका) = Conjunction, समुच्चयय बोधक अव्वयय।

(1) [illegible] (jo:ṛ'u bakk) = योजक।

(2) [illegible] (chiṇdu bakk) = विभाजक।

4. [illegible] (haykaṭ karchkā / हयकट कर्चका) = Interjection, विस्मयादिबोधक अव्वयय।

1. [illegible] (mundhare tunur'u karichkā / मुन्धारे तुनुर'उ करिचका) = Preposition / Pre declensionless word, पूर्वसर्ग अव्वय।

[illegible] (एका कर्चका बक्क पिंज्जका गही मुहड़ा मलता मुंज्जा नु बरअर अदि ही नता बक्कपुन ता नन्ना बक्क गने जूड़'ई, आद कुँड़ुख कत्था नु मुन्धारे तुनुर'उ करिचका बातार'ई।)

[illegible] –

2. [illegible] (xolxare tunur'u karichkā / ख़ोलख़ारे तुनुर'उ करिचका) = Postposition / Post declensionless word, परसर्ग अव्वय।

[illegible] (एका कर्चका बक्क पिंज्जका गही मुहड़ा मलता मुंज्जा नु बरअर अदि ही नता बक्कपुन ता नन्ना बक्क गने जूड़'ई, आद कुँड़ुख कत्था नु चोल्ला करिचका बातार'ई।)

[illegible] –

3. [illegible] (jo:ṛ'u-Chhinndu karichkā, जोःड़'उ–छिण्डु करिचका) = Conjunction, समुच्चयय बोधक अव्वयय।

[illegible] (एका करिचका बक्क बक्कपुन नु जुदा–जुदा बक्कपोर गही नता बक्कपुन ता नन्ना बक्क गने जूड़'ई आ कर्चका बक्क कुँड़ुख कत्था नु जोःड़'उ–छिण्डु करिचका बातार'ई।)

[illegible] – [illegible]

[illegible] :–

(1) [illegible] (tun'u karichkā) = योजक।

(2) [illegible] (chhiṇdu karichkā) = विभाजक।

3. [illegible] (haykaṭ karichkā / हयकट करिचका) = Interjection, विस्मयादि बोधक अव्वयय।

[Tolong Siki]

एका करिचका बक्क गही नता बक्कपुन गने मल रअ़ई मुन्दा आद बक्कपुन नु हयकटरना ही भभना तिंग्गी, अबड़ा बक्क कुँड़ुख कत्था नु हयकट करिचका बातार'ई।

[Tolong Siki] – [Tolong Siki] ! [Tolong Siki] ! [Tolong Siki] ! [Tolong Siki] ! [Tolong Siki] !

(९) [Tolong Siki] (बेड़ा अरा परिया) = Time & Tense, समय और काल

[Tolong Siki]

नलङ गही एका छाव ती, एकअम नलख ही मनना मलता ननना गही बेड़ा अरा अदि ही पूर्चका का मलपूर्चका दसा ही बूझ तिंग्गी, आ बेड़ा अरा दसा कुँड़ुख़ कत्थअइन नु परिया बाताःरई।

[Tolong Siki] :-

A. [Tolong Siki] (ra?nā pariȳ/ रअ़ना परिया) = Present tense, वर्तमान काल।

B. [Tolong Siki] (kerkā pariyā / केरका परिया) = Past tense, भूतकाल।

C. [Tolong Siki] (barnā pariyā / बरना परिया) = Future tense, भविष्यत काल।

A. [Tolong Siki] (रअ़ना परिया) = Present tense, वर्तमान काल

[Tolong Siki]

रअ़ना (अकता) परिया, रअ़ना (अकता) बेड़ा ही बूझ नन्त'ई। इन्दिर'ईम नलख रअ़ना बेड़ा नु मनी, मना लगी, अकतेम मंज्जकी रअ़ई, का मननुम रअ़ई, अबड़न तिंग्गु नलंग छाव कुँड़ुख़ कत्था नु रअ़ना परिया बाताःरई।

[Tolong Siki] :-

1. [Tolong Siki] (surā ra'nā pariyā/ सुर्रा रअ़ना परिया) = Simple present tense, सामान्य वर्तमान काल।
2. [Tolong Siki] (sar'ā-lag'ā ra?nā pariyā / सरआ–लगआ रअ़ना परिया) = Present continuous tense, अर्पूण (सप्रवाह) वर्तमान काल।
3. [Tolong Siki] (nante-mante ra?nā pariyā / ननते–मनते रअ़ना परिया) = Present Progressive tense, प्रगतिशील वाचक वर्तमान काल।
4. [Tolong Siki] (pu:rchkā ra'nā pariyā / पूर्चका रअ़ना परिया) = Present Perfect tense, पूर्ण वर्तमान काल।

5. [illegible] (Purchkā malpurchkā ra?nā pariyā / पूर्चका मलपूर्चका रअ़ना परिया) = Present Perfect Continuous tense, पूर्ण–अपूर्ण वर्तमान काल।

1. [illegible] (surrā ra?nā pariyā / सुर्रा रअ़ना परिया) = Simple present tense, सामान्य वर्तमान काल।

[illegible]

नलंग गही एका छाव ती रअ़ना बेड़ा नु नलख मनना मलता नलख ननना अख़तार'ई मुन्दा नलख गही ओरे मनना, मुंजुरना, मलमुंजुरना का मननुम रअ़ना ही दसा पुल्ली बुझ्झुरतारआ, आ नलंग छाव कुँड़ुख़ कत्था नु सुर्रा रअ़ना परिया बाताःरई।

ई छाव नु पँड़सु नलंग संग्गे मल मनी, औडे ईद सुर्रा बातार'ई।

Surrā ra?nā pariyā = principal verb (Present indefinite form) + no auxillary verb.

[illegible]

[illegible]

2. [illegible] (sar'ā-lag'ā ra?nā pariyā / सरआ–लगआ रअ़ना परिया) = Present continuous tense, अर्पूण (सप्रवाह) वर्तमान काल।

[illegible]

[illegible]

नलंग गही एका छाव ती नलख गही मनना मलता ननना, रअ़ना बेड़ा नु अख़तार'ई अरा आद बअ़ना बेड़ा गूटी नु नलख ओ:रे मंज्जका दसन तिंग्गी अरा बेड़ा सिरे सरलगआ नलख मनना बुझुरतार'ई, आ नलंग छाव कुँड़ुख़ कत्था नु सरआ–लगआ रअ़ना परिया बाता:रई।

Sarlag'ā ra?nā pariyā = Principal verb (command form) + Auxillary verb LAGNĀ (Present indefinite form).

[illegible] :-

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

3. [illegible] (nante-mante ra?nā pariyā / ननते–मनते रअ़ना परिया) = Present progressive tense, प्रगतिशील वाचक वर्तमान काल।

[illegible]

नलंग गही एका छाव ती नलख ही मनना मलता ननना, रअ़ना बेड़ा नु अख़तार'ई अरा आद आ नलख ही मल मुंजुरका दसन तिंग्गी एका नलख बेड़ा सिरे मुंजुरना रहचा मुन्दा बग्गे बेड़ा लग्गना ती आ गूटी मनते रअ़ना मलता मननुम रअ़ना बुझुरतार'ई, आ नलंग छाव कुँड़ुख़ कत्था नु ननते–मनते रअ़ना परिया बाता:रई।

Nante-mante ra?nā pariyā = Principal verb (Progressive form) + Auxillary verb RA?NA (Present indefinite form) .

[illegible] :- *[illegible]

*[illegible]

*[illegible]

*[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

*[illegible]

*[illegible]

*[illegible]

*[illegible]

*[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

4. [illegible] (pu:rchkā ra?nā pariyā / पूर्चका रअ़ना परिया) = Present perfect tense, पूर्ण वर्तमान काल।

[illegible]

नलंग गही एका छाव ती नलख ही मनना मलता ननना, रअ़ना बेड़ा नु अख़तार'ई अरा बअ़ना गूटी नलख ही अकतेम पूर्चका दसन तिंग्गी एका पूर्चका नलख गही धाह बअ़ना गूटी बुझुरतार'ई, आ नलंग छाव कुँडुख़ कत्था नु पूर्चका रअ़ना परिया बाता:रई।

Purchkā ra?nā pariya = principal verb (perfect form) + auxillary verb RA?NĀ (Present indefinite form).

[illegible] :- *[illegible]

*[illegible]

*[illegible]

*[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

*[illegible]

*[illegible]

*[illegible]

[illegible]

[illegible]

5. [illegible] (pu:rchkā malpu:rchka ra?nā pariyā / पूर्चका–मलपूर्चका रअ़ना परिया) = Present Perfect Continuous tense, पूर्ण–अपूर्ण वर्तमान काल।

[illegible]

नलंग गही एका छाव ती नलख ही मनना मलता ननना, रअ़ना बेड़ा नु अख़तार'ई अरा बअ़ना गूटी नलख ही मलपूर्चका दसन तिंग्गी एकदा गने जोड़ा भईर पँड़सु नलंग बकपुन नू पूर्चका नलख ही धाह लग्गना बेसे बुझुरतार'ई, आ नलंग छाव कुँडुख़ कत्था नु पूर्चका–मलपूर्चका रअ़ना परिया बाता:रई।

Purchkā-malpurchkā ra?nā pariyā = Principal verb (command form) + Auxillary verb LAGNA (Perfect form) + Auxillary verb RA?NA (Present indefinite form) .

B. (केरका परिया) = Past tense, भूतकाल

(केरका परिया, केरका बेड़ा ही बूझ नन्त'ई। इन्दिर'इम नलख गही केरका बेड़ा नु मंज्जका, मुंजुरका, मल मुंजुरका का मननुम रहचका ही दसा, एका नलंग छाव ती अख़तार'ई, आ नलंग छाव कुँड़ुख़ कत्था नु केरका परिया बाताःरई।)

1. (surrā kerkā pariyā / सुर्रा केरका परिया) = Simple past tense, सामान्य भूतकाल। नमूद -

2. (sar'ā-lag'ā kerkā pariyā / सरआ–लगआ केरका परिया) = Past continuous tense, अर्पूण भूतकाल। नमूद –

3. (nante-mante kerkā pariyā / ननते–मनते केरका परिया) = Past progressive tense, प्रगतिशील वाचक भूतकाल। नमूद –

4. (pu:rchkā kerkā pariyā / पूर्चका केरका परिया) = Past perfect tense, पूर्ण भूतकाल। नमूद –

5. (purchkā-malpuchkā kerkā pariyā / पूर्चका–मलपूर्चका केरका परिया) = Past Perfect Continuous tense, पूर्ण–अपूर्ण भूतकाल। नमूद –

1. (samsurrā kerkā pariyā / सुर्रा केरका परिया) = Simple past tense, सामान्य भूतकाल।

नलंग गही एका छाव ती केरका बेड़ा नु नलख नंज्जका मलता नलख मंज्जका अख़तार'ई मुन्दा नलख गही ओरे मंज्जका, का मुंजुरका, का मल मुंजुरका, का मननुम रहचका ही दसा पुल्ली बुझुरतारआ, आ नलंग छाव कुँड़ुख़ कत्था नु सुर्रा केरका परिया बाताःरई।

Surrā kerkā pariyā = principal verb (past indefinite form) + no auxillary verb.

[illegible] :- *[illegible]

*[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

*[illegible]

*[illegible]

*[illegible]

[illegible]

[illegible]

2. [illegible] (sar'ā-lag'ā kerkā pariyā / सरआ–लगआ केरका परिया) = Past continuous tense, अर्पूण भूतकाल।

[illegible]

नलंग गही एका छाव ती नलख ही मंज्जका का नंज्जका, केरका बेड़ा नु अख़तार'ई अरा आद बअ़ना बेड़ा गूटी नलख ओ:रे मंज्जका दसन तिंग्गी अरा बेड़ा सिरे सरलगआ नलख मनना बुझुरतार'ई, आ नलंग छाव कुँडुख़ कत्था नु सरआ–लगआ केरका परिया बाता:रई।

sarlag'ā kerkā pariya = principal verb (command form) + auxillary verb LAGNA (past indefinite form).

[illegible] :-

*[illegible]

*[illegible]

*[illegible]

*[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

*[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

3. [illegible] (nante-mante kerkā pariyā / ननते–मनते केरका परिया) = Past progressive tense, प्रगतिशील वाचक भूतकाल।

[illegible]

नलंग गही एका छाव ती नलख ही मंज्जका का नंज्जका, केरका बेड़ा नु अख़तार'ई अरा आद आ नलख ही मल मुंजुरका दसन तिंग्गी एका नलखन बेड़ा सिरे मुंजुरना रहचा मुन्दा बेड़ा बग्गे लग्गना ती आ गूटी मनते रहचका मलता मननुम रहचका बुझुरतार'ई, आ नलङ छाव कुँड़ुख़ कत्था नु ननते–मनते केरका परिया बाताःरई।

Nante-mante kerkā pariya = principal verb (Progressive form) + auxillary verb RA?NA (past indefinite form).

[illegible] :-

*[illegible]

*[illegible]

*[illegible]

*[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

*[illegible]

*[illegible]

*[illegible]

[illegible]

4. [illegible] (pu:rckā kerkā pariyā / पूर्चका केरका परिया) = Past perfect tense, पूर्ण भूतकाल।

[illegible]

नलंग गही एका छाव ती नलख ही मंज्जका का नंज्जका, केरका बेड़ा नु अख़तार'ई अरा नलख ही अकतेम मुंजुरका दसन तिंग्गी एका मुंजुरका नलख गही धाह बअ्ना बेड़ा गूटी बुझुरतार'ई, आ नलंग छाव कुँडुख़ कत्था नु पूर्चका केरका परिया बाता:रई।

Pu:rckā kerkā pariya = principal verb (perfect form) + auxillary verb RA?NA (past indefinite form).

[illegible] :- [illegible]

[illegible]

[illegible]

5. (purchkā-malpuchkā kerkā pariyā / पूर्चका–मलपूर्चका केरका परिया) = Past Perfect Continuous tense, पूर्ण–अपूर्ण भूतकाल।

नलंग गही एका छाव ती नलख ही मनना मलता ननना, केरका बेड़ा नु अख़तार'ई अरा बअ़ना गूटी नलख ही मलपूर्चका दसन तिंग्गी एकदा गने जोड़ा भईर पँड़सु नलंग बकपुन नू पूर्चका नलख ही धाह लग्गना बेसे बुझुरतार'ई, आ नलंग छाव कुँड़ुख़ कत्था नु पूर्चका–मलपूर्चका केरका परिया बाताःरई।

C. (बरना परिया) = Future tense, भविष्यत काल

बरना परिया, बरना बेड़ा ही बूझ नन्त'ई। इन्दिर'इम नलख बरना बेड़ा नु मनो, का मंज्जकी रअ़ओ का मननेत रअ़ओ, अबड़ा गही दसा तिंग्गु नलंग छाव कुँड़ुख़ कत्था नु बरना परिया बाताःरई।

1. (surrā barnā pariyā / सुर्रा बरना परिया) = Simple future tense, सामान्य भविष्यत काल।

2. (sar'ā-lag'ā barnā pariyā / सरआ–लगआ बरना परिया) = Future continuous tense, अर्पूण (सप्रवाह) भविष्यत काल। (कुँड़ुख़ कत्था नु बरना परिया मल मनी।)

3. (nante-mante barnā pariyā / ननते–मनते बरना परिया) = Future Progressive tense, प्रगतिशील भविष्यत काल।

4. (pu:rckā barnā pariyā / पूर्चका बरना परिया) = Future perfect tense, पूर्ण भविष्यत काल।

5. (purchkā-malpuchkā barnā pariyā / पूर्चका–मलपूर्चका बरना परिया) = Future Perfect Continuous tense, पूर्ण–अपूर्ण भविष्यतकाल।

1. (surrā barnā pariyā / सुर्रा बरना परिया) = Simple future tense, सामान्य भविष्यत काल।

[illegible]

नलंग ही एका छाव ती बरना बेड़ा नु नलख मनना मलता नलख ननना अख़तार'ई, मुन्दा नलख गही ओरे मनना, मुंजुरना, का मननुम रअ़ना ही दसा ही पइत्त नु पुल्ली बुझाबअ़आ, आ नलंग छाव कुँडुख़ कत्था नु सुर्रा बरना परिया बाताःरई।

Surrā barnā pariyā = principal verb (Future indefinite form) + no auxillary verb.

[illegible]

2. [illegible] (sar'ā-lag'ā barnā pariyā / सरआ–लगआ बरना परिया) = Future continuous tense, अर्पूण (सप्रवाह) भविष्यत काल।

नोट – कुँडुख़ कत्था नु सरआ–लगआ बरना परिया बकपून गही बेहवार मल मनी।

3. [illegible] (nante-mante barnā pariyā / ननते –मनते बरना परिया) = Future Progressive tense, पूर्ण–अपूर्ण भविष्यत काल।

[illegible]

नलंग ही एका छाव ती नलख मनना का नलख ननना बरना बेड़ा नु अख़तार'ई अरा बअ़ना गूटी, आ नलख ही मलमुंजुरका दसन तिंग्गी एका नलखन बेड़ा सिरे मुंजुरओ पहेंस मुन्दा बग्गे बेड़ा लग्गना

ती आ गूटी मनतेम रअ़ओ मलता मननुम रअ़ओ अन्ने बुझुरतार'ई, आ नलंग छाव कुँड़ुख़ कत्था नु ननते–मनते बरना परिया बाताःरई।

Nante-mante barnā pariyā = principal verb (progressive form) + auxillary verb RA?NA (future indefinite form).

[illegible] :- [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
*[illegible]
*[illegible]
*[illegible]
[illegible]

4. [illegible] (pu:rckā barnā pariyā / पूर्चका बरना परिया) = Future perfect tense, पूर्ण भविष्यत काल।

[illegible]

(नलंग ही एका छाव ती बरना बेड़ा नु नलख मनना मलता नलख ननना अख़तार'ई, अरा बअ़ना गूटी नलख ही अकतेम मुंजुरना दसा ही पइत्त नु बुझुरतारई, आ नलंग छाव कुँड़ुख़ कत्था नु पूर्चका बरना परिया बाताःरई।)

pu:rckā barnā pariyā = principal verb (pefect form) + auxillary verb RA?NA (future indefinite form).

[illegible] :- [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

5. [illegible] (purchkā-malpuchkā barnā pariyā / पूर्चका–मलपूर्चका बरना परिया) = Future Perfect Continuous tense, पूर्ण–अपूर्ण भविष्यतकाल।

[illegible]

नलंग गही एका छाव ती नलख ही मनना मलता ननना, बरना बेड़ा नु अख़तार'ई अरा बअ़ना गूटी नलख ही मलपूर्चका दसन तिंग्गी एकदा गने जोड़ा भईर पँड़सु नलंग बकपुन नू पूर्चका नलख ही धाह लग्गना बेसे बुझुरतार'ई, आ नलंग छाव कुँड़ुख़ कत्था नु पूर्चका–मलपूर्चका बरना परिया बाताःरई।

[illegible] – [illegible]

[illegible]

[illegible]

(10) [illegible] (नलङ मेदोख़ा) = mood, क्रिया भाव

[illegible] (नलंग गही एका छाव ती एकअम नलख ननना मलता मनना ही ढचर अखतार'ई, आ छाव कुँडुख कत्था नु नलंग मेदोख़ा बातार'ई।)

[illegible] :-

1. [illegible] (Indicative mood) -

2. [illegible] (Imperative mood) –

3. [illegible] (Conjunctive mood) -

1. [illegible] (Indicative) – [illegible]

[illegible] – statement + question.

*[illegible]

*[illegible] ?

2. [illegible] (Imperative) - [illegible]

[illegible] – Command + direction.

*[illegible]

*[illegible]

3. [illegible] (Conjunctive) - [illegible]

[illegible] – Desire + wish.

*[illegible]

*[illegible]

**Mood shows the mode or manner of the action expressed by the verb. Verb के उस रूप को mood कहते हैं, जो किसी काम के करने के ढंग या रीति को व्यक्त करता है।

- Bhola Pandit, A Text Book of English Grammar, P-179.

G. [illegible] - VII

[illegible] (बक्कपून घोख) = Syntex, वाक्य विचार

[illegible] : - [illegible]

1. [illegible] – [illegible]

2. [illegible] - [illegible]

3. [illegible] - [illegible]

G. [illegible] - VII

[illegible] (बक्कपून घोख) = Syntex, वाक्य विचार

[illegible] (बक्कपून पोर) = Parts of sentence, वाक्य के अवयव।

[illegible] –

1. [illegible] / [illegible] (Subject, उदेश्य) - [illegible]

[illegible] - [illegible]

[illegible] :-

1. [illegible]
2. [illegible]
3. [illegible]

2. [illegible] / [illegible] (Predicate, विधेय) - [illegible]

[illegible] - [illegible]

2. [illegible] (tingir'u / तिङिर'उ) = Voice, वाच्य

[illegible] - [illegible] (कर्त्ता)

[illegible] (कर्म, object) [illegible]

1. [illegible] (ननरकी तिंगिर'उ) = Active voice, कर्तवाच्य
2. [illegible] (मनरकी तिंगिर'उ) = Passive voice, कर्मवाच्य

1. [illegible] (Active voice) - [illegible] ([illegible]) [illegible]

(कर्त्ता) [illegible]

2. [illegible] (Passive voice) - [illegible] (कर्म, object)) [illegible]

3. [illegible] (बक्क पाँ:ती) = पदक्रम

[illegible]

[illegible] - [illegible]

4. [illegible] (बक्क मे:ल) = अन्वय (मेल)

[illegible]

[illegible] - [illegible]

H. [illegible] - VIII

[illegible] (idhi chinhā̃) = Punctuation, विराम चिह्न

1. [0:] [illegible] (selā, सेला) = Long phone, लम्बी ध्वनि।
2. [0̂] [illegible] (mitlā, मितला) = Nasal vowel index, अनुनासिक स्वर सूचक चिह्न।
3. [0'] [illegible] (ghetā, घेतला) = Syllable index , शब्दखण्ड सूचक।
4. [0̃] [illegible] (evā̃, एवाँ) = Non Kūṛux sound symbol index, गैर कुड़ुख़ ध्वनि सूचक चिह्न।
5. [0̱] [illegible] (revā̃, रेवाँ) = अकारन्त संयुक्ताक्षर ' र ' सूचक चिह्न।
6. [0।] [illegible] (hechkā, हेचका) = Glotal stop , अर्द्धस्वर 'अ़'।
7. [0,] [illegible] (uchri tuṛa, उचरी टुड़ा) = Comma, अल्प विराम।
8. [0;] [illegible] (michri tuṛā, मिचरी टुड़ा) = Semi comma, अर्द्धविराम।
9. [0.] [illegible] (gahlā tuṛā, गहला टुड़ा) = Full stop, पूर्ण विराम।

10. [०॰] (fahā, फहा) = Sign of abbreviation, लाघव चिह्न।

11. [ŏ] (favā, फॅवा) = अंग्रेजी वर्ण का ऑ ध्वनि सूचक चिह्न।

12. [¨] (ilā, इला) = इंडियन–लातिनी ध्वनि सूचक।

13. [..] (ufā, उफा) = उर्दू–फारसी ध्वनि सूचक।

14. [_] (pugā, पुगा) = Bar bellow alphabet, नीचे पड़ी लकीर।

15. [¯] (dugā, दुगा) = Bar above alphabet, उपर पड़ी लकीर।

16. [.] (sulā, सुला) = तल विन्दु, विशिष्ट पहचान चिन्ह।

17. [-] (pachā, पचा) = Hyphen, योजक चिह्न।

18. [/] (melchā, मेलछा) मेलछा = Solidus, सहचर्य।

19. [?] (mentā, मेनता) = Question mark, प्रश्न चिह्न।

20. [!] (haykat, हयकट) = Mark of exclamation, विस्मयादिबोधक चिह्न।

21. [‘ ’] (ondxā jalā, ओन्दख़ा जला) = Single quote, एकहरा उद्धरण चिह्न।

22. [“ “] (dohṛā jala, दोहड़ा जला) = Double quote, दोहरा उद्धरण चिह्न।

23. ( ) (sanni delā, सन्नी डेला) = Small bracket, छोटा कोष्ठ।

24. { } (majhil delā, मझिल डेला) = Middle bracket, मझला कोष्ठ।

25. [ ] (konhā̃ delā, कोहाँ डेला) = Large bracket, बड़ा कोष्ठ।

26. [:-] (pe:skā chinhā̃,पे:सका चिन्हाँ) = Sign of following,आदेश चिह्न।

27. [^] (chu:kpurti chinhā, चूकपुरति चिप्हाँ) = त्रुटि पूरक चिह्न।

28. [*] (tu:ṛbinko chinhā, टूड़बीनको चिन्हाँ) = तारक चिह्न।

29. [;] (samsi, समसी) = सम्पूरक चिह्न, पूर्ण–अपूर्ण चिन्ह।

30. [~] (lamsi, लमसी) = अनुतान, उतार–चढ़ाव, सरह–हरह तिङ्गु।

31. [˜] (sevā, सेवाँ) = नासिक्य स्वर सूचक चिह्न (रोमन लिपि में लिप्यन्तरन हेतु)।

32. [˙] (sengā, सेंगा) = नासिक्य व्यंजन सूचक (रोमन लिपि में लिप्यन्तरन हेतु)।

33. [+] (joṛ, जोड़ चिनहा) = जोड़ चिह्न।

34. [–] (ghatāv, घटाव चिनहाँ) = घटाव चिह्न।

35. [x] (gunā, गुना चिनहाँ) = गुणा चिह्न।

36. [÷] (bhāg, भाग चिनहाँ) = भाग चिह्न।

I. ശീർഷകം - IX

ഭാഷാല വകാ ഭാഷാല രൂപാ (क्रिया एवं क्रिया रूप)

ഭാഷാല = ഭാഷാശ ഭാഷണാ + വലപ്രയോഗാ

ധാതുകൾ ഭാവത്തിൽ = prefix – ധാ, വാ.

ധാപ്രകൃതി ഭാവത്തിൽ = infix – വ, വി, തി / ഗായിപ്പാ = ഗായ + വി + പ്പാ

ധാപ്രത്യയം ഭാവത്തിൽ = sufix – പ, മ, ഴ, ര, പ്പാ, ണാ, വണ, ണായ, ണാട, ണായ, ണാക, ണാത, വത, രത, രണ, രധ, രട, രപ, ണാക, ണാട, ണാണ, ണഴയ, ഗാ, തി, ണാട, ഗപ, ഗായ, ഗായ, ഗാണ, ഗാക, ണാക, ണാത, തി, ണായ ധാത്വർത്ഥപ.

ഗായണാ = ഗായ+ണാ (active form)

ഗായാകണാ = ഗായ+വ+ണാ (passive form)

ഗായിപ്പാണാ = ഗായ+തി+ണാ (causal form)
(തിയ്പാ തപ ഗായ്പാ പ:ണാ)

ഗായതി:കണാ = ഗായ+തി+വ+ണാ (reflexive form)
(തിയണഴ ഗായ്പാ പ:ണാകണാ)

ഗായതിതിയാണാ = ഗായ+തി+തി+ണാ (passive-2 form)

ഗായതിതിവകണാ = ഗായ+തി+തിവ+ണാ
(ഗായ+തി+തിയ്പാ+പ:ണാ+വ+ണാ) (reflexive-2 form)

ഗായ്പ = ഗായ+പ

ഗായ്മ = ഗായ+മ

ഗായ്ഴ = ഗായ+ഴ

ഗായ്ര = ഗായ+ര

ഗായ്പാ = ഗായ+പ്പാ

(1) തിണാ പാതപ്രയോ (Present tense) :-

ധാത്വർത്ഥ ഭാവത്തിൽ – ണപ, ണാണ, ണായ, ണാട, ണാക, ണാത, ണാത, തിണാക, തിണാട…

ഗായണപ = ഗായ+ണപ

ഗായണാണ = ഗായ+ണാണ

ഗായണായ = ഗായ+ണായ

ഗായണാട = ഗായ+ണാട

ഗായണാക = ഗായ+ണാക

ഗായണാത = ഗായ+ണാത

ഗായണാട = ഗായ+ണാട

ഗായണാണ = ഗായ+ണാണ

ഗായതിണാക = ഗായ+തിണാക

ഗായതിണാട = ഗായ+തിണാട

ഗായ്പാ (കമആ) = ഗായ+പ്പാ

= ഗായ+പ്പാ ഭാഗ+ണായ

= ഗായ്പാ ഭാഗണായ

= ᤁᤶ’ᤀᤠ ᤗᤡᤃᤛᤴ
= ᤁᤶ’ᤀᤠ ᤗᤡᤃᤛᤷ
= ᤁᤶ’ᤀᤠ ᤗᤡᤃᤛᤸ
= ᤁᤶ’ᤀᤠ ᤗᤡᤃᤏᤷ
= ᤁᤶ’ᤀᤠ ᤗᤡᤃᤛᤆ
= ᤁᤶ’ᤀᤠ ᤗᤡᤃᤏᤴ
= ᤁᤶ’ᤀᤠ ᤗᤡᤃᤱ
= ᤁᤶ’ᤀᤠ ᤗᤡᤃᤃᤢ
= ᤁᤶ’ᤀᤠ ᤗᤡᤃᤱᤴᤠ
= ᤁᤶ’ᤀᤠ ᤗᤡᤃᤱᤛᤸ

ᤁᤶᤆᤁᤠ (कमचका) = ᤁᤶ+ᤆ+ᤁᤠ ᤍᤠ+ᤛᤏ
= ᤁᤶᤆᤁᤠ ᤍᤠᤛᤶ
= ᤁᤶᤆᤁᤠ ᤍᤠᤛᤴ
= ᤁᤶᤆᤁᤠ ᤍᤠᤛᤷ
= ᤁᤶᤆᤁᤠ ᤍᤠᤛᤸ
= ᤁᤶᤆᤁᤠ ᤍᤠᤛᤆ
= ᤁᤶᤆᤁᤠ ᤍᤠᤏᤷ
= ᤁᤶᤆᤁᤠ ᤍᤠᤏᤴ
= ᤁᤶᤆᤁᤠ ᤍᤠᤱ
= ᤁᤶᤆᤁᤱ ᤍᤠᤱ

ᤁᤏᤏᤢᤶ (ननुम) = ᤁᤶᤏᤢᤶ ᤍᤠ+ᤛᤏ
= ᤁᤶᤏᤢᤶ ᤍᤠᤛᤶ
= ᤁᤶᤏᤢᤶ ᤍᤠᤛᤴ
= ᤁᤶᤏᤢᤶ ᤍᤠᤛᤷ
= ᤁᤶᤏᤢᤶ ᤍᤠᤛᤸ
= ᤁᤶᤏᤢᤶ ᤍᤠᤏᤷ
= ᤁᤶᤏᤢᤶ ᤍᤠᤛᤳ
= ᤁᤶᤏᤢᤶ ᤍᤠᤏᤴ
= ᤁᤶᤏᤢᤶ ᤍᤠᤱ

ᤁᤶ’ᤀᤷ (कमअर) = ᤁᤶ’ᤀᤷ ᤘᤷᤛᤏ
= ᤁᤶ’ᤀᤷ ᤘᤥ:ᤆᤛᤏ
= ᤁᤶ’ᤀᤷ ᤁᤠ:ᤛᤏ

ᤁᤶ’ᤀᤠ ᤗᤡᤱᤃᤁᤠ (कमआ लइङ्गका) = ᤁᤶ’ᤀᤠ ᤗᤡᤱᤃᤁᤠ + ᤍᤠᤛᤏ
= ᤁᤶ’ᤀᤠ ᤗᤡᤱᤃᤁᤠ ᤍᤠᤛᤶ
= ᤁᤶ’ᤀᤠ ᤗᤡᤱᤃᤁᤠ ᤍᤠᤛᤴ
= ᤁᤶ’ᤀᤠ ᤗᤡᤱᤃᤁᤠ ᤍᤠᤛᤷ
= ᤁᤶ’ᤀᤠ ᤗᤡᤱᤃᤁᤠ ᤍᤠᤛᤸ

= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]

(2) [illegible] :-

[illegible] – [illegible]

[illegible]	= [illegible]+[illegible]+[illegible]
[illegible]	= [illegible]+[illegible]+[illegible]
[illegible]	= [illegible]+[illegible]+[illegible]
[illegible]	= [illegible]+[illegible]+[illegible]
[illegible]	= [illegible]+[illegible]+[illegible]
[illegible]	= [illegible]+[illegible]+[illegible]
[illegible]	= [illegible]+[illegible]+[illegible]
[illegible]	= [illegible]+[illegible]+[illegible]
[illegible]	= [illegible]+[illegible]
[illegible]	= [illegible]+[illegible]+[illegible]
[illegible] (कमआ)	= [illegible]+[illegible]
	= [illegible]
	= [illegible]
	= [illegible]
	= [illegible]
	= [illegible]
	= [illegible]
	= [illegible]
	= [illegible]

[illegible] (कमचका) = [illegible]+[illegible]+[illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]

[illegible] (कमनुम) = [illegible]+[illegible]+[illegible]

= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]

[illegible] (कमअर) = [illegible]
= [illegible]
= [illegible]

[illegible] (कमआ लइग्गका) = [illegible] + [illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]

(3) [illegible] :-

[illegible] – [illegible] ...
[illegible] = [illegible]+[illegible]
[illegible] = [illegible]+[illegible]
[illegible] = [illegible]+[illegible]
[illegible] = [illegible]+[illegible]
[illegible] = [illegible]+[illegible]
[illegible] = [illegible]+[illegible]
[illegible] = [illegible]+[illegible]

[illegible] (कमचका) = [illegible]+[illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]
= [illegible]

[illegible] (कमनुम) = [illegible]+[illegible] [illegible]+[illegible]

= [illegible]

= [illegible]

= [illegible]

= [illegible]

= [illegible]

= [illegible]

= [illegible]

[illegible] (कमअर) = [illegible]

= [illegible]

= [illegible]

[illegible] (कमआ लइग्गका) = [illegible] + [illegible]

= [illegible]

= [illegible]

= [illegible]

= [illegible]

= [illegible]

= [illegible]

= [illegible]

[illegible] (नलंग मेदोख़ा) - [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

*****

J. [illegible] X

कुँड़ुख़ क्रिया के विभिन्न स्वरूप की सारणी (Table of different form of Verb)

परिया [illegible] Tense	ननुता [illegible] Subject & it's type	[illegible] [illegible] ([illegible] / [illegible]) मुद्ध नलंग (मूली नलंग / जोट्ठा नलंग) Principal Verb (root verb / compound verb)						[illegible] [illegible] पैंड़सु नलंग Auxillary verb	
		[illegible]=[illegible]+[illegible] // कमना = कम + ना (बक्क मूली + बक्क फुन्दही) kamnā = kam + nā (word root + word ending)						[illegible] ra?nā / रअ्ना	[illegible] Lagnā / लगना
I Kamnā [illegible] कमना कम + ना	[illegible] [illegible] करनेवाला कर्ता रूप Doer form	[illegible] [illegible] धातु Root form	[illegible] [illegible] सामान्य रूप Indefinite form	[illegible] [illegible] विधि रूप Command form	[illegible] [illegible] पूर्ण रूप Completion form	[illegible] [illegible] [illegible] Progressive form	[illegible] [illegible] [illegible] Participle form	[illegible] [illegible] सामान्य रूप Indefinite form	[illegible] [illegible] सामान्य रूप Indefinite form
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. [illegible] [illegible] Present tense	[illegible] // [illegible]* [illegible]** [illegible]*** [illegible]* [illegible]** [illegible]*** [illegible]* [illegible]** [illegible]***	[illegible]	[illegible]+[illegible] [illegible]+[illegible] [illegible]+[illegible] [illegible]+[illegible] [illegible]+[illegible] [illegible]+[illegible] [illegible]+[illegible] [illegible]+[illegible] [illegible]+[illegible] [illegible]+[illegible]	[illegible]+[illegible] // [illegible]	[illegible] // [illegible] + [illegible] + [illegible]	[illegible] // [illegible] + [illegible] // [illegible] // [illegible] + [illegible]	[illegible] // [illegible] + [illegible]	[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]	[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
2. [illegible] [illegible] Past Tense	// [illegible]* [illegible]** [illegible]***		[illegible]+[illegible] [illegible]+[illegible] [illegible]+[illegible]					[illegible] [illegible] [illegible]	[illegible] [illegible] [illegible]
3. [illegible] [illegible] Future Tense			[illegible]+[illegible] [illegible]+[illegible] [illegible]+[illegible]					[illegible] [illegible] [illegible]	

परिया [illegible] Tense	मनुता [illegible] When object become subject	[illegible] ([illegible]) मुद्ध नलंग (मूली नलंग / जोट्ठा नलंग) Principal Verb (root verb / compound verb)						Auxillary verb [illegible] पैंड्सु नलंग	
		[illegible] // कमरना = कम + अर + ना (बक्क मूली + बक्क डाड़ा + बक्क फुन्दही) kamar nā = kam + ar + nā (word root + word stem + word ending)						[illegible] ra?nā / रअना	[illegible] lagnā/ लगना
II Kamar nā [illegible] कमरना कम+अर+ना	[illegible] फल पाने वाला Accusative Form	[illegible] धातु Root form	[illegible] सामान्य रूप Indefinite form	[illegible] विधि रूप Command form	[illegible] पूर्ण रूप Completion form	[illegible] Progressive form	[illegible] Participle form	[illegible] सामान्य रूप Indefinite form	[illegible] सामान्य रूप Indefinite form
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. [illegible] Present tense	[illegible] // [illegible]* [illegible]** [illegible]*** [illegible]* [illegible]** [illegible]*** [illegible]* [illegible]** [illegible]*** // [illegible]* [illegible]** [illegible]***	[illegible]	[illegible] (10 forms)	[illegible] + [illegible] + [illegible] // [illegible]	[illegible] + [illegible] + [illegible] // [illegible]	[illegible] + [illegible] + [illegible] // [illegible] + [illegible] + [illegible]	[illegible] + [illegible] + [illegible] // [illegible]	[illegible] (10 forms)	[illegible] (10 forms)
2. [illegible] Past Tense			[illegible] (7 forms) [illegible]+[illegible]+ [illegible]/[illegible]/[illegible]					[illegible] (3 forms)	[illegible] (3 forms)
3. [illegible] Future tense			[illegible] (3 forms)					[illegible] (3 forms)	

परिया [illegible] Tense	ननुता [illegible] Subject & it's type	[illegible] मुद्ध नलंग (मूली नलंग / जोट्ठा नलंग) Principal Verb (root verb / compound verb)						[illegible] Auxillary verb पैंड़सु नलंग	
		[illegible] // कमताअना = कम + ताअ + ना (बक्क मूली + बक्क डाड़ा + बक्क फुन्दही) kamtā?nā = kam + tā? + nā (word root + word stem + word ending)						[illegible] ra?nā / रअना	[illegible] lagnā / लगना
III Kamtā?nā [illegible] कमताअना कम+ताअ+ना	[illegible] करवानेवाला कर्ता रूप Causal fom	[illegible] धातु Root form	[illegible] सामान्य रूप Indefinite form	[illegible] विधि रूप Command form	[illegible] पूर्ण रूप Completion form	[illegible] Progressive form	[illegible] Participle form	[illegible] सामान्य रूप Indefinite form	[illegible] सामान्य रूप Indefinite form
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. [illegible] Present tense	[illegible] // [illegible]* [illegible]** [illegible]*** [illegible]* [illegible]** [illegible]*** [illegible]* [illegible]** [illegible]*** // [illegible]* [illegible]** [illegible]***	[illegible]	[illegible]	[illegible] / [illegible] + [illegible] + [illegible]	[illegible] + [illegible] + [illegible] // ([illegible])	[illegible] + [illegible] + [illegible] // [illegible] + [illegible] + [illegible]	[illegible] + [illegible] + [illegible] // ([illegible])	[illegible]	[illegible]
2. [illegible] Past Tense			[illegible] ([illegible])					[illegible]	[illegible]
3. [illegible] Future tense			[illegible] ([illegible])					[illegible]	

परिया [illegible] Tense	मनुता [illegible] Object & it's type	[illegible] मुद्ध नलंग (मूली नलंग / जोट्ठा नलंग) Principal Verb (root verb / compound verb)						[illegible] Auxillary verb पँड़सु नलंग	
		[illegible] // कमतारना = कम + तार + ना (बक्क मूली + बक्क डाःड़ा + बक्क फुन्दही) kamtār nā = kam + tār + nā (word root + word stem + word ending)						[illegible] ra?nā / रअ्ना	[illegible] lagnā / लगना
IV Kamtār nā [illegible] कमतारना कम+तार+ना	[illegible] फल पानेवाला कर्म रूप Accusative fom	[illegible] धातु Root form	[illegible] सामान्य रूप Indefinite form	[illegible] विधि रूप Command form	[illegible] पूर्ण रूप Completion form	[illegible] Progressive form	[illegible] Participle form	[illegible] सामान्य रूप Indefinite form	[illegible] सामान्य रूप Indefinite form
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. [illegible] Present tense	[illegible] // [illegible]* [illegible]** [illegible]*** [illegible]* [illegible]** [illegible]*** [illegible]*	[illegible]	[illegible] (10 forms)	[illegible] / [illegible] + [illegible] + [illegible]	[illegible] + [illegible] + [illegible] // ([illegible])	[illegible] + [illegible] + [illegible] // [illegible] + [illegible] + [illegible]	[illegible] + [illegible] + [illegible] // ([illegible])	[illegible] (10 forms)	[illegible] (10 forms)
2. [illegible] Past Tense	[illegible]** [illegible]*** // [illegible]* [illegible]** [illegible]***		[illegible] (8 forms) ([illegible]+[illegible]+ [illegible]/[illegible]/[illegible])					[illegible] (3 forms)	[illegible] (3 forms)
3. [illegible] Future tense			[illegible] (3 forms) ([illegible]+[illegible]+ [illegible]/[illegible]/[illegible])					[illegible] (3 forms)	

परिया [illegible] Tense	नतुता [illegible] Subject & it's type	[illegible] [illegible] ([illegible] / [illegible]) मुद्ध नलंग (मूली नलंग / जोट्ठा नलंग) Principal Verb (root verb / compound verb)						[illegible] [illegible] Auxillary verb पेंड्सु नलंग	
		[illegible]=[illegible]+[illegible]+[illegible] // कमताताअ्ना = कम+ता+ताअ्+ना (बक्कमूली+बक्कडाड़ा+बक्क फुन्दही) kamtātā?nā = kam + tā + tā? + nā (word root + word stem + word ending)						[illegible] ra?nā / रअ्ना	[illegible] lagnā / लगना
V [illegible] कमताताअ्ना कम+ता+ताअ्+ना कमता+ताअ्ना	[illegible] [illegible] करवानेवाला कर्ता रूप Co-causal	[illegible] [illegible] धातु Root form	[illegible] [illegible] सामान्य रूप Indefinite form	[illegible] [illegible] विधि रूप Command form	[illegible] [illegible] पूर्ण रूप Completion form	[illegible] [illegible] [illegible] Progressive form	[illegible] [illegible] [illegible] Participle form	[illegible] [illegible] सामान्य रूप Indefinite form	[illegible] [illegible] सामान्य रूप Indefinite form
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. [illegible] [illegible] Present tense	[illegible] // [illegible]* [illegible]** [illegible]*** [illegible]* [illegible]** [illegible]*** [illegible]* [illegible]** [illegible]*** // [illegible]* [illegible]** [illegible]***	[illegible]	[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]	[illegible] + [illegible] + [illegible] // [illegible] + [illegible]	[illegible] + [illegible] + [illegible] + [illegible] // ([illegible])	[illegible] + [illegible] + [illegible] // [illegible] + [illegible] + [illegible]	[illegible] + [illegible] + [illegible] // ([illegible])	[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]	[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
2. [illegible] [illegible] Past Tense			[illegible] [illegible] [illegible] ([illegible]+[illegible]+[illegible]+ [illegible]/[illegible]/[illegible])					[illegible] [illegible] [illegible]	[illegible] [illegible] [illegible]
3. [illegible] [illegible] Future tense			[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ([illegible]+[illegible]+ [illegible]/[illegible]/[illegible])					[illegible] [illegible] [illegible]	

परिया [illegible] Tense	मनुता [illegible] when object become subject	[illegible] (…) मुदघ नलंग (मूली नलंग / जोट्ठा नलंग) Principal Verb (root verb / compound verb)						[illegible] Auxillary verb पैंड़सु नलंग	
		[illegible] // कमतारना = कम+ता+तार+ना (बक्क मूली + बक्क डाःड़ा + बक्क फुन्दही) kamtār nā = kam + tā + tār + nā (word root + word stem + word ending)						[illegible] ra'nā / रअना	[illegible] lagnā/ लगना
VI [illegible] कमतातारना कम+ता+तार+ना	[illegible] फल पाने वाला Accusative form	[illegible] धातु Root form	[illegible] सामान्य रूप Indefinite form	[illegible] विधि रूप Command form	[illegible] पूर्ण रूप Completion form	[illegible] Progressive form	[illegible] Participle form	[illegible] सामान्य रूप Indefinite form	[illegible] सामान्य रूप Indefinite form
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. [illegible] Present tense	[illegible] // [illegible]* [illegible]** [illegible]*** [illegible]* [illegible]** [illegible]*** [illegible]* [illegible]** [illegible]*** // [illegible]* [illegible]** [illegible]***	[illegible]	[illegible] (10 forms)	[illegible] + [illegible] + [illegible] + [illegible] // [illegible]	[illegible] + [illegible] + [illegible] + [illegible] // [illegible]	[illegible] + [illegible] + [illegible] + [illegible] // [illegible] + [illegible] + [illegible]	[illegible] + [illegible] + [illegible] + [illegible] // [illegible]	[illegible] (10 forms)	[illegible] (10 forms)
2. [illegible] Past tense			[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]+[illegible]+ [illegible]/[illegible]/[illegible]					[illegible] (3 forms)	[illegible] (3 forms)
3. [illegible] Future tense			[illegible] (8 forms)					[illegible] (3 forms)	

[illegible] / कम+ना / kam+nā (root + ending)

[illegible] / कम / kam ---- (root / [illegible], बक्क मूली)

A. [illegible] / मुद्ध नलंगछाव / Muddh nalang Chhav ---- (Principal verb form)

1. [illegible] / कमना / kamnā
2. [illegible] / कमरना / kamarnā
3. [illegible] / कमताअ़ना / kamtā?nā
4. [illegible] / कमतारना / kamtārnā
5. [illegible] / कमताताअ़ना / kamtātā?nā
6. [illegible] / कमतातारना / kamtātārnā

B. [illegible] / ख़ोःर नलंगछाव / Xo:r nalang Chhav ---- (Coductive verb form)

1. [illegible] (सुर्रा छाव) = Simple / Indefinite form -- कमदन, कमदय / [illegible].
2. [illegible] (पे:सका छाव) = Command form -- कमआ / [illegible] .
3. [illegible] (पू:र्चका छाव) = Completion form -- कमचका / [illegible] .
4. [illegible] (ननते–मनते छाव) = Progressive form -- कमतेम, कमनुम / [illegible] .
5. [illegible] (मुन्ध पू:र्चका छाव) = Participal form -- कमअर / [illegible] .

C. [illegible] (पैंड़सु नलंग ही सुर्रा छाव गने) = with indefinite form of axilliary verb – रअ़ना, लगना / [illegible]. --------- > 10.

D. [illegible] (नलंग मेदोख़ा छाव) = Mood form -- कमके, कम'ए, कमआ लग्गो, कमआ तुक्की, कमना मनो, कमओ केंधेल, कमओन हअ़न, कमआ बिद्दी गुट्ठी। --------- > 10.

K. ꠅꠞꠅꠅꠞꠅ XI : कुँडुख़ भाषा की पारिभाषिक शब्दावलली

Kurux Terminology and Hindi-English

कुँडुख़ भाषा की पारिभाकि शब्दावली विकास योजना का इतिहास कुँडुख़ भाषा की पारिभाषिक शब्दावली विकास योजना (Terminology Planning in Kur̤ux) शीर्षक के माध्यम से कुँडुख़ भाषा के साहित्यिक विकास एंव मानकीकरण का अद्यतन स्वरूप आप पाठकों तक पहूँचाने का संक्षिप्त प्रयास है। ज्ञातव्य हो कि कुँडुख़ भाषा का प्रथम मानकीकरण का आधार GENEVA में हुए Oriental Congress (1900 ई0 के लगभग) में लिया गया निर्णय है। यह मानकीकरण, अंग्रेजी भाषा और रोमन लिपि पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय ध्वनि विज्ञान का सिद्धांत है। इसके मानकीकरण के पूर्व भी एवं बाद में भी अंगरेजी माध्यम से कुँडुख़ व्याकरण एवं शब्दकोश आदि की किताबें प्रकाशित हुईं, जिनमें से Rev. O. Flex (1874), Rev. F. Batseh (1886), Rev. F. Hahn (1898), Rev. A. Grignard (1924), Rev. C. Bleses (1956) की पुस्तकें देखने एवं पढ़ने योग्य है। आजादी के बाद कुछ कुँडुख़ भाषियों द्वारा देवनागरी लिपि के माध्यम से पुस्तकें लिखी गईं। इनमें से ''मुन्ता पूँप झुम्पा : दवले कुजूर (1950), कुँडुख़ नैगस : शान्ति प्रबल बाखला (1952), 'कुँडुख़ कत्था अरा कत्थ बिल्लिन ईदऊ : डॉ. ख्रीस्त मिखाइल तिग्गा (1952)', कुँडुख़ कत्थ बिल्ली : शान्ति प्रबल बाखला (1960), 'कुँडुख़ कत्थ बिल्ली : श्री पी. सी. बेक (वर्ष 1978 ई0), कुँडुख़ फोनेटिक रीडर : डॉ. फ्रांसिस एक्का, लरका आन्दोलन : श्रद्धेय बिहारी लकड़ा, 'चुरकी डहरे' : श्रद्धेय अहलाद तिर्की आदि पुस्तकें हैं। वर्तमान में राँची विश्वविद्यालय, राँची के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग में स्नातकोत्तर स्तर तक पढाई–लिखाई का काम चल रहा है। इसी बीच कुँडुख़ समाज द्वारा तोलोंग सिकि (लिपि) को कुँडुख़ भाषा की लिपि के रूप में स्वीकार कर पठन–पाठन का कार्य चलाया जा रहा है। इस लिपि को झारखण्ड सरकार, कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग के पत्रांक 129 दिनांक 18.09.2003 द्वारा कुँडुख (उराँव) भाषा की लिपि के रूप में संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किये जाने हेतु अनुशंसित किया गया है। साथ ही, झारखण्ड अधिविद्य परिषद, राँची के विज्ञप्ति संख्या 17/2009, DPO - 20.02.2009 द्वारा 2009 सत्र में सर्वप्रथम, कुँडुख़ कत्थ खोंड़हा लूरएड़पा, लूरडिप्पा, भगीटोली, गुमला, विद्यालय के छात्रों को मैट्रिक परीक्षा में कुँडुख़ भाषा विषय की परीक्षा लिखने की अनुमति दी गयी। तत्पश्चात, झारखण्ड अधिविद्य परिशद,राँची के अधिसूचना संख्या – JAC/गुमला/16095/12–0607 /16 दिनांक 12.02.2016 द्वारा वर्ष 2016 से मैट्रिक में कुँडुख़ भाषा पत्र की परीक्षा तोलोङ सिकि, लिपि में सभी विद्यालयों को परीक्षा लिखने की अनुमति प्राप्त हुई।

इस शीर्षक–लेख के माध्यम से यह बतलाने का प्रयास किया गया है कि अब तक अनेकों लेखकों एवं साहित्यकारों द्वारा कई पुस्तकें अपने–अपने विचार एवं बौद्धिक क्षमता के आधार पर लिखी गई। इनमें से कुछ तो उच्च स्तरीय है और कुछ साधारण, किन्तु वर्तमान में जब प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ाई–लिखाई चल रही है तथा राजकीय स्तर की परीक्षाओं में कुँडुख़ भाषा एकविषय के रूप में प्रश्न–पत्र पूछे जा रहे हैं तब अलग–अलग विचारों एवं पारिभाषिक शब्दावली वाली पुस्तकें बच्चों एवं विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराना उचित नहीं है। इससे बचने के लिए वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पारिभाषिक शब्दावली का मानकीकरण किये जाने की आवश्यकता है। प्रस्तुत शीर्षक लेख में गैर सरकारी संगठनों एवं समाज के बुद्धिजीवियों द्वारा किये गये कार्यों को भी उद्धृत किया गया है। इसके अतिरिक्त शैक्षणिक संस्थाओं एवं शोध संस्थाओं तथा विश्वविद्यालय स्तर में अनेकों कार्य किये गये हैं किन्तु जो समाज के लोगों तक नहीं पहूँच पाया है। इसी तरह, बिहार शिक्षा

परियोजना, राँची के तत्वाधान में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, रातू, राँची में 1994–95 में कुँडुख़ भाषा शब्दावली मानकीकरण के तहत किया गया कार्य प्रशंसनीय है।

तथ्य है कि कुँडुख़ साहित्य के दषष्टिकोण से रेभ. हॉन द्वारा लिखित कुँडुख़ ग्रामर एक उच्च स्तरीय ग्रामर है किन्तु यह अंग्रेजी में है, जिसके चलते सर्वजन को समझ पाना मुश्किल होता है। इन परिस्थितियों में विशप डॉ. निर्मल मिंज ने रेभ. हॉन द्वारा अंग्रेजी में लिखित कुँडुख़ ग्रामर का कुँडुख़ भाषा में अनुवाद करने का निर्णय लिया जाना कुँड़ख़ साहित्य में नवजागरण का आधार बना। इस धरोहर को लोगों तक पहुँचाने हेतु विशप मिंज ने अतुलनीय साहस का कार्य किया और कुँडुख़ में अनुवाद करना आरंभ किया। अनुवाद के दौरान कई तकनीकी कठिनाईयाँ आयीं। पहला – अंग्रेजी शब्दों का कुँडुख़ अनुवाद क्या हो ? तथा दूसरा – एक व्यक्ति (विशप मिंज) द्वारा दिया गया सुझाव, सर्वजन को मान्य होगा अथवा नहीं ? इन प्रश्नों के उत्तर की खोज में विशप मिंज द्वारा अंगरेजी के कुछ पारिभाषिक शब्दावली (terminology) का कुँडुख़ रूपान्तर की सूची कुछ कुँडुख़ terminology) का कुँडुख़ रूपान्तर की सूची कुछ कुँडुख़ भाषियों एवं जिज्ञाशुओं के समक्ष भेजा गया। उपरोक्त प्रश्नों का जबाव न मिलने पर उन्होनें अकेले ही अनुवाद का कार्य आरम्भ किया। इसी क्रम में विशप मिंज द्वारा वितरित पारिभाषिक शब्दावली की सूची डॉ. नारायण उरॉव ''सैन्दा'' को भी प्राप्त हुआ, जिसे देखकर वे आरंभ में विचलित हुए किन्तु कुछ अध्ययन के बाद उन्हें विश्वास हुआ कि वे इस विषय पर कुछ अच्छे सुझाव दे सकते हैं। इसके बाद वे हिन्दी व्याकरण, संस्कष्त व्याकरण, अंग्रेजी ग्रामर, कुँडुख़ व्याकरण, अंग्रेजी शब्दकोश, कुँडुख़ अंग्रेजी शब्दकोश (A Grignand) आदि पुस्तकों का अध्ययन किये और पारिभाषिक शब्दावली की एक लम्बी सूची तैयार कर विशप डॉ. निर्मल मिंज को सौंपे। विशप मिंज द्वारा अनुवाद का कार्य वर्ष 2004 ई. के मध्य तक कर लिया गया था तथा इसे प्रकाशित करवाने की योजना थी, किन्तु जब डॉ. नारायण उराँव द्वारा तैयार की गई सूची वर्ष 2004 ई. के मध्य में प्राप्त हुई तो विशप मिंज ने फिर से अपना उत्तरोत्तर कार्य आरंभ किया और कुँडुख़ भाषा एवं व्याकरण को भाषाविदों से मान्यता दिलाने के उदेश्य से मैसूर जाकर "Central Institute of Indian Language, Mysore" के कुँडुख़ भाषा विशेषज्ञ श्री आर. इलांगियन से मिले। उन्होनें अपना अनुवादित कुँडुख़ ग्रामर एवं डॉ. उरॉव द्वारा समर्पित पारिभाषिक शब्दावली की सूची CIIL Mysor के भाषा विशेषज्ञ श्री इलांगियन को सौंपा। यह कार्य वर्ष 2005 ई. के मध्य का है। इन दोनों अभिलेख सामग्रियों के आधार पर कुँडुख़ विशेषज्ञ श्री आर. इलांगियन ने अपनी व्यस्तता के वाबजूद कुँडुख़ भाषा के लिए समय निकाल कर एक योजना तैयार किया और झारखण्ड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान, राँची के प्रांगण में दिनांक 09.12.2005 से 18.12.2005 तक कार्यशाला होना तय हुआ। इसी योजना के तहत दिनांक 09.12.2005 को केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर की ओर से श्री आर. इलांगियन एवं झारखण्ड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान, राँची के निर्देशक डॉ. प्रकाश चन्द्र उराँव के संयुक्त समन्वयन में Terminology planning in Kũṛux कार्यशाला आरंभ हुई।

कार्यशाला का शुभारंभ प्रो. दुखा भगत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. रामदयाल मुण्डा तथा विशिष्ट अतिथि विशप डॉ. निर्मल मिंज, डॉ. करमा उरॉव, प्रो. एडमण्ड टोप्पो, डॉ. बसंती कुमारी आदि उपस्थिति थे। लगातार 9 दिनों तक लगभग 30 प्रतिभागियों के उपस्थिति में सम्पन्न कार्यशाला हुई, जिनमें प्रो. इन्द्रजीत उराँव, डॉ. हरि उराँव, डॉ. नारायण भगत, प्रो. रामकिशोर भगत, प्रो. सूरा उराँव, प्रो. महामनी उराँव, प्रो. चौठी उराँव, प्रो. बेनीमाधव भगत, प्रो. बसन्ती कुजुर, प्रो. कैलाश उराँव, श्री हेमन्त टोप्पो, श्री महाबीर उराँव, श्री महेश भगत आदि विभिन्न कॉलेजों के कुँडुख़ भाषा के शिक्षकों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त फा. अगुस्तीन केरकेट्टा, डॉ. नारायण उराँव, श्री शिवशंकर उराँव, श्री सरन उराँव आदि कुँडुख भाषा प्रेमी एवं

अनेक छात्र–छात्राएँ उपस्थित थे। कार्यशाला में विशप डॉ. निर्मल मिंज एवं डॉ. नारायण उराँव 'सैन्दा' द्वारा समर्पित शब्दावली को सभी प्रतिभागियों के बीच वितरित किया गया। इन प्रस्तावित अभिलेखों पर गौर करते हुए, प्रतिभागियों का सुझाव एवं श्री इलांगियन का भाषा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर Terminology Planning का कार्य सम्पन्न हुआ। अंतिम दिन दिनांक 18.09.09 को, दिनांक 09.12.2005 से 17.12.2005 तक हुए कार्य का संकलन प्रतिवेदन श्री शिवशंकर उराँव (वर्तमान विधायक, गुमला) द्वारा प्रस्तुत किया गया। राँची से विदाई के पूर्व कुँड़ुख़ भाषा विशेषज्ञ श्री इलांगियन ने वर्ष 2006 में पुनः कार्यशाला आयोजित कर शेष कार्यों को पूरा करने तथा किये गये कायों की समीक्षा किये जाने का आश्वासन दिया था, किन्तु उनके असमय निधन से कुँड़ुख़ समाज को घोर क्षति हुई तथा कुँड़ुख़ शब्दावली विकास का यह कार्य अधुरा रह गया।

Terminology planning in Ku̐ṛux के तहत एक लम्बे अन्तराल के बाद दिनांक 30.06.2014 दिन सोमवार को जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची के प्रांगन में *कुँड़ुख़ भाषा विकास समन्वय समिति* का गठन किया गया। बैठक विशप डॉ. निर्मल मिंज की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में समीक्षोपरांत डॉ. हरि उराँव को समिति का संयोजक तथा सह–संयोजक के रूप में डॉ. नारायण उराँव 'सैन्दा', प्रो. महेश भगत, फा. अगस्तिन केरकेट्टा को मनोनित किया गया। कार्यशाला में डॉ. नारायण भगत, डॉ. रामकिशोर भगत, प्रो. रामदास उराँव, श्री महाबीर उराँव, श्रीमती चौठी उराँव तथा अद्दी अखड़ा के सदस्य श्री जिता उराँव, डॉ. शान्ति खलखो, श्री सरन उराँव आदि ने भाग लिया।

कुँड़ुख़ भाषा विकास समन्वय समिति के गठन के पश्चात् समिति की पहली बैठक दिनांक 29.07.2014 को हुई। *इसी तरह समन्वय समिति* की दूसरी बैठक दिनांक 13.08.2014 को, तीसरी बैठक दिनांक 19.04. 2015 को, चौथी बैठक दिनांक 03.05.2015 को तथा पाँचवीं बैठक दिनांक 05.10.2015 को सम्पन्न हुआ। समन्वय समिति की बैठक डॉ. हरि उराँव, डॉ. नारायण भगत, डॉ रामकिशोर भगत, डॉ. नारायण उराँव 'सैन्दा', फा. अगस्तीन केरकेट्टा, श्री अशोक बाखला, श्री जिता उराँव (सचिव, अद्दी अखड़ा, राँची), श्री सरन उराँव, श्री बिपता उराँव, श्री मंगरा उराँव, श्री प्रकाश पन्ना 'पंकज, श्री बन्दे उराँव, श्री तेतरू उराँव, सुश्री शकुन्तला एवं जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के बहुत सारे छात्र–छात्राएँ उपस्थित थे।

उपरोक्त अनेकानेक कार्यशाला में कुँड़ुख़ भाषा के साहित्यहारों एवं विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में सामाजिक एवं साहित्यिक स्तर पर निरंतर उठ रहे प्रश्नों के उत्तर की समीक्षा के पश्चात, एक लम्बे समय अंतराल के बाद कुँड़ुख़ भाषा विकास समन्वय समिति के समन्वयक सदस्यों की ओर से दिनांक 06.10.2015 को एक संयुक्त रिपोर्ट डॉ. हरि उराँव को जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग से प्रकाशित करवाये जाने हेतु सौंपा गया। उपरोक्त संयुक्त रिर्पोट का लोकार्पण दिनांक 30.11.2015 को जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची के सभागार में मुख्य अतिथि विशप डॉ० निर्मल मिंज की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। समारोह में डॉ० के. सी. टूडू, (विभागाघ्यक्ष, जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग), डॉ० हरि उराँव, डॉ० (श्रीमती) उषा रानी मिंज, डॉ० फ्रांसिस्का कुजूर, डॉ० एच. एन. सिंह, डॉ० नारायण भगत, डॉ० रामकिशोर भगत, डॉ० नारायण उराँव 'सैन्दा', फा० अगस्तीन केरकेट्टा, श्री अशोक बाखला, श्री जिता उराँव (सचिव, अद्दी अखड़ा, राँची), श्री सरन उराँव, श्री बन्दे उराँव, श्री तेतरू उराँव एवं जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के बहुत सारे छात्र–छात्राएँ उपस्थित थे। इन सभी भाषा विशेषज्ञों एवं शिक्षाविदों ने पारिभाषिक शब्दावली के गुण–दोषों एवं आनेवाली पीढ़ी के लिए इसकी आवश्यकता आदि तथ्यों पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए जनसाधारण के

व्यवहार के लिए लोकार्पित किया गया तथा आह्वान किया गया कि इन पारिभाषिक शब्दावलियों के आधार पर विद्वतजन साहित्य की रचना करें और पठन–पाठन में सहयोगी बनें।

उसके बाद, तोलोङ सिकि के प्रचार–प्रसार तथां साहित्य संकलन एवं सृजन के उदेश्य से दिनांक 29.05.2016 को सामाजिक संगठनों एवं कुँड़ुख़ भाषा विषय के शिक्षकों तथा प्राध्यापकों के सहयोग से एक टेक्स्टबुक कमिटि बनी, जिसका नाम कुँड़ुख़ (उराँव) भाषा तोलोङ सिकि टेक्स्टबुक कमिटि, झारखण्ड रखा गया। यह कमिटि तोलोंग सिकि लिपि के माध्यम से पाठ्य पुस्तक तैयार करने में सहयोग करती है। इस कमिटि के सम्मानित अध्यक्ष डॉ० रामकिशोर भगत, सचिव श्री जिता उराँव तथा कोषाध्यक्ष श्री फिलमोन टोप्पो हैं। इस कमिटि द्वारा झारखण्ड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान, राँची में दिनांक 9–18 दिसम्बर 2005 को सम्पन्न कार्यषाला का श्री शिवशंकर उराँव (वर्तमान विधायक, गुमला) द्वारा समर्पित संकलन प्रतिवेदन तथा दिनांक 30.11.2015 को लोकार्पित '' कुँड़ुख़ भाषा पारिभाषिक शब्द भण्डार'' का अध्ययन एवं समीक्षा के पश्चात् लोकहित एवं छात्रहित में संशोधित स्वरूप प्रस्तुत किया है। प्रस्तुति इस प्रकार है :–

कुँड़ुख़ कत्थपिंजसोर / पारिभाषिक शब्दावली
Kurux Terminology

1. कत्था / katthā / [Tolong Siki] = Language, भाषा।
   * derived from – kachhnakharnā + tatxa + turu.
2. हहस / hahas / [Tolong Siki] = Phonemes, human voice, सामान्य भाषायी ध्वनि।
3. ख़हस / xahas / [Tolong Siki] = Allophones, ध्वनिम।
4. सहङ / sahang / [Tolong Siki] = Syllable, agglutinative, शब्दखण्ड, औचारणिक इकाई।
5. सड़ा / saṛā / [Tolong Siki] = Sound, sound in general, ध्वनि।
6. सिकि / siki / [Tolong Siki] = script, लिपि।
7. तोःड़ / To:ṛ / [Tolong Siki] = Letter, वर्ण।
8. तोड़ङ / Toṛang / [Tolong Siki] = Syllablic letter, अक्षर, स्वर–व्यंजन की औचारणिक इकाई।
9. तोःड़न / To:ṛan / [Tolong Siki] = Spelling, हिज्जा, वर्तनी।
10. तोड़पाब / Toṛpāb / [Tolong Siki] = alphabet, वर्णमाला।
11. सरह / sarah / [Tolong Siki] = vowel, स्वर।
12. सन्नी (मूली) सरह / sanni (mu:li) sarah / [Tolong Siki] = short vowel, मूल स्वर।
13. दिगहा सरह / dig'hā sarah / [Tolong Siki] = long vowel, हस्व स्वर से अढ़ाई गुना अधिक उच्चारण समय वाला। जैसे – [Tolong Siki]
13. दोहड़ा सरह / dohṛā sarah / [Tolong Siki] = Square vowel, हस्व स्वर से दोगुना अधिक उच्चारण समय वाला। जैसे – [Tolong Siki]
14. जोट्ठा सरह / jotthā sarah / [Tolong Siki] = compound vowel, यौगिक स्वर या संयुक्त स्वर। [Tolong Siki]
15. हरह / harah / [Tolong Siki] = consonant, व्यंजन।
16. मूःली हरह / mu:li sarah / [Tolong Siki] = primary vowel, मूल व्यंजन।
17. जोट्ठा हरह / jotthā sarah / [Tolong Siki] = compound vowel, यौगिक स्वर या

संयुक्त स्वर। जैसे –

18. दोहड़ा जोट्ठा हरह / dohṛā jotthā harah / = समवर्णी संयुक्त व्यंजन। *tengṛā-dohṛā , dohṛā = double, tengra = kept in up.
19. मेझरा जोट्ठा हरह / mejhrā jotthā harah / = विषमवर्णी संयुक्त व्यंजन। जैसे –
20. हेचका हरह / hechkā harah / = glottal stop, अर्द्धस्वर अ, विकारी अ़।
21. बक्क / bakk / = word, शब्द।
22. रूईहबक्क / ruihbakk / = word in sentence, grammetical word, पद।
*संज्ञा या सर्वनाम के साथ कारक चिह्न के जुड़ने से पद बनता है। नमुद – मंगा, मंगस, मंगस गे।
23. रूड़आबक्क / ruṛ'ā bakk / = Phrase, समूह शब्द, पदबंध।
*A group of words forming a conceptual unit, but not a sentence. नमूद – पद्दा ता ख़द्दर बे:चा लगनर। पद्दा ता ख़द्दर। असन इज्जका जों:ख़र मण्डी ओनोर। इन दोनों में वाक्यों में 'पद्दा ता जों:ख़र' एवं 'असन इज्जका जों:ख़र' समूह शब्द अर्थात रूड़आ बक्क है।
24. बकपुन / bakpun / = Sentence, वाक्य। पूर्ण वाक्य में एक कर्ता एवं एक क्रिया होता है।
25. कुहाबकपुन / kuhābakpun / = clause, उपवाक्य, अंगवाक्य। कोहँ = बड़ा। कुहा = उप, componant।
26. टूड़ना / tu:ṛnā / = To write, लिखना।
27. बअ़ना / ba?nā / = To speak, बोलना।
28. बाचका / bā:chkā / = Statement, वक्तव्य, जबान।
29. बारका / bā:rkā / = Verbal, oral, मौखिक, मौखिक रूप।
30. टूड़का / tu:ṛkā / = Written, लिखित, लिखा हुआ, लिखित रूप।
31. बचना / bachnā / = To read, पढ़ना।
32. कत्थअईन / katth'ain / = Grammar, व्याकरण।
33. तो:ड़ घोख / to:ṛ ghokh / = Orthography, वर्ण विचार।
34. बक्क घोख / bakk ghokh / = Etymology, शब्द विचार।
35. बकपुन घोख / bakpun ghokh / = Syntax, वाक्य विचार।
36. मुँइता / muitā / = Nasal, अनुनासिक, नासिक्य।
37. बइता / baitā / = Oral, निरनुनासिक, मौखिक्य।
38. बक्क गढ़न / bakk gaṛhan / = Word formation, शब्द रचना।
39. तरजुमा / tarjumā / = translation, अनुवाद।
40. खँटी बक्क / khãti bakk / = Pure word, मूल कुँड़ुख़ शब्द।
41. सोहांगी बक्क / sohāngi bakk / = Borrowed word from outside, बाहर से आया हुआ शब्द। *derived from - sohangi korna, sohangi ondorna, begar benjerkam eṛpa korna. Paṛha ara khoṛha ti bahri ta.
42. डण्डी / daṇṇḍi / = Song, गीत।
43. पाइड़का डण्डी / paiṛkā danndi / = Traditional song, पारम्परिक गीत, पूर्व में गाया हुआ गीत।

44. कत्थ डण्डी / katth danndi / [Tolong Siki] = Poem, कविता।
45. कत्थ टूड़ / katth ṭu:ṛ / [Tolong Siki] = Essay, रचना, लेख।
46. कत्थ पण्डी / katth panndi /[Tolong Siki] = Literature, साहित्य।
47. बरन / baran / [Tolong Siki] = Kind, प्रकार।
48. किता / kita / [Tolong Siki] = Kind, प्रकार।
49. रासी / rā:si /[Tolong Siki] = Rasā, रस।
50. लूर / lu:r / [Tolong Siki] = knowledge, ज्ञान।
51. लूर खुरजी / lu:r khurji / [Tolong Siki] = knowledge power, ज्ञान, ज्ञान भण्डार।
52. बेड़ा / beṛā / [Tolong Siki] = Time, समय।
53. परिया / pariyā / [Tolong Siki] = Tense, काल।
54. पिंज्जका / pinjkā / [Tolong Siki] = Noun, संज्ञा।
55. उइजीपिंज्जका / uijipinjkā / [Tolong Siki] = Pronoun, सर्वनाम।
56. गुनख़ी / gunxi / [Tolong Siki] = Adjective, विषेशण।
57. नलङ गुनख़ी / nalang gunxi / [Tolong Siki] = Adjective, विषेशण।
58. नलख / nalakh / [Tolong Siki] = Work, duty, कार्य।
59. नलङ / nalang / [Tolong Siki] = Verb, क्रिया। *derived from - nalakh nannā arā angiya'nā.
60. करिचका / karichkā / [Tolong Siki] = 'Abbyay' in Hindi, अव्यय।
61. ननतुद / nantud / [Tolong Siki] = Case, कारक। * derived from – nanu-nantu'u+nalang+tun'ud. ie. Nanu ara nantu'un nalang gane tun'ud.
62. मेदख़ा / medxā / [Tolong Siki] = Gender, लिंग।* me:d = body, medxa = defined gramatical word for gender. i.e. - special organ of male or spcial organ of female type body.
63. गनयाँ (गनञा) / ganyā̃ / [Tolong Siki] = Number, वचन।
64. आःल / ā:l / [Tolong Siki] = Person, पुरूष, आःल, मानव।
65. बक्कसोर / bakksor / [Tolong Siki] = Definition, परिभाषा।
66. कत्थसोर / katthsor / [Tolong Siki] = Details, विस्तृत विवरणी, भाष्य।
67. मेनता / mentā / [Tolong Siki] = Question, प्रश्न।
68. मेनता कगज / mentā kagaj / [Tolong Siki] = Question paper, प्रश्न पत्र।
69. बक्क गढ़न / bakk gaṛhan / [Tolong Siki] = word formation, शब्द रचना।
70. मनमनरना / manmanarnā / [Tolong Siki] = मन में इच्छा प्रकट करना।
71. नमूद / namud / [Tolong Siki] = Example, उदाहरण।
72. मूली / mu:li / [Tolong Siki] = Root, मूली कत्था, मूल स्वरूप।
73. डाःड़ा / da:ṛā / [Tolong Siki] = Stem, branch, तना, शाखा, मध्य।
74. बक्क मूली / bakk mu:li /[Tolong Siki] = Word root, शब्द का मूल, धातु। *note - isan mu:li gahi mane orignal tali, jokk aalar idin paada ba?nar, aad daw malli. नमूद – कम+ना = कमना, कम+अर+ना = कमरना। इसन 'कम', बक्क खन्दहा बक्क गही बक्कमूली तली।
75. बक्क डाःड़ा / bakk da:rā / [Tolong Siki] = Word stem, शब्द का मध्य रूप। नमूद – कम + अर + ना = कमरना, कम + तार + ना = कमतारना। इसन 'अर', 'तार' बक्क गही 'डाःड़ा' तली।

76. बक्क फुन्दही / bakk phundhi / / = Word ending, शब्द का अंत रूप।
नमूद – कम + ना = कमना, कम + अर + ना = कमरना। इसन 'ना' बक्क गही 'फुन्दही' तली।
77. आःलो / ā:lo / / = Non human being, मानवेतर।
78. हेद्दे / hedde / / = Proximate, नजदीक का।
79. मजही / majhi / / = Intermediate, बीच का।
80. गेच्छा / gechchhā / / = Remote, दूर का।
81. बक्कदोहड़ा / bakkdohṛā / / = repitational word, पुनरुक्ति शब्द।
82. दोहड़ाअ्ना / dohṛa?nā / / = Repitation, दोहराना।
83. मंच्ची बेःल / manchi be:l / / = Chairman, अध्यक्ष।
84. पँड़सु बेःल / pa̐ṛsu be:l / / = Vice chairman, उपाध्यक्ष।
85. मुद्ध देवान / muddh devān / / = Chief secretary, मुख्य सचिव।
86. देवान / devān / / = Secretary, सचिव।
87. नेड्डा / neddā / / = Date, दिनांक।
88. चान / chān / / = Year, वर्ष।
89. चन्द्दो / channdo / / = Moon, month, lunar month, चांद, चन्द्र माह।
90. चन्दख़ो / chandxo / / = Calendar, पंचांग।
91. बीड़ चन्दख़ो / bi:ṛ chandxo / / = Solar month, सौर माह।
92. पुनई / punai / / = Full moon, पुर्णिमा।
93. संदही / sandhi/ / = Full dark moon, अमावस्या।
94. मुठन / muṭhan / / = Form, प्राकृतिक रूप, प्रकार, के जैसा।
95. छाव / chāv / / = Artificial form, बनावटी रूप।
96. तिंगिर'उ / tingir'u / / = Voice, वाच्य।
97. कित्तु / kittu / / = नष्ट होने योग्य, सड़नेवाला। All living things are degradable.
98. मलकित्तु / malkittu / / = नहीं सड़नेवाला।
99. उज्जु, / ujju / / = Animate = उज्जु, सजीव, प्राणीवाचक।
100. मलउज्जु, / malujju / / = Inanimate = मल उज्जु, निर्जीव, अप्राणीवाचक।
101. मिनुर गने / minurgane / / = श्रोता सहित। नमुद – नाःम।
102. ब'उर गने / ba'ur gane / / = वक्ता सहित। नमुद – एःम।
103. जोट्ठा / jotthā / / = Compound, diphthong, संयुक्त।
104. बइती / baiti / / = मुख से।
105. बाईरका / bāirkā / / = छाना हुआ।
106. कछनखरना / kachhnakharnā / / = Conversation, बातचीत करना।
107. बइता सरह / baitā sarah / / = Oral vowel, मौखिक्य स्वर।
108. मुँइता सरह / muitā sarah / / = Nasal vowel, नासिक्य स्वर।
109. सिरा / sirā / / = Prime place, मुख्य प्रधान स्थान। *derived - sirjan + addā = sirā.
110. सिता / sitā / / = सित खतरना अरा सोता उरूखना अड्डा। सिरासिता = सित अरा सोता गही मुहड़ा अड्डा।

111. ख़ीःरी / xi:ri / = Story, कहानी।
112. नहड़ा / nahṛā / = Credit, उधार।
113. पिंज्जसोर / pinjsor / = terminology, पारिभाशिक शब्दावली, शब्द संज्ञा विवरणी, a word used to describe the things or to express an idea.*derived – pinjjnkā+sor.
114. इदहि चिनहाँ / id'hi cinhā̃ / = Punctuation, विराम चिह्न।
115. अरगनी / aragni / = East, पूरब।
116. उटुरनी / uṭurni / = West, पश्चिम।
117. ख़ेड़्ड चप्पो / xeḍḍ chappo / = North, उत्तर।
118. कुक्क चप्पो / kukk chappo / = South, दक्षिण।
119. ऊख़ा पक्ख / u:xā pakkh / = कृष्ण पक्ष।
120. बिल्ली पक्ख / billi pakkh / = शुक्ल पक्ष।
121. ननरकी तिङिर'उ / nanarki tingir'u / = Active voice, कर्तृवाच्य.
122. मनरकी तिङिर'उ / manarki tingir'u / = Passive voice, कर्मवाच्य.
123. सय / say / = Mr., श्रीमान्।
124. सयख़ी / sayxi / = Mrs., श्रीमती। * say gahi xai = sayxi.
125. सयङी / sayngi / = सुपुत्री। * say angi = saingi.
125a. सयनी / sayni / = Miss., कुँवारी। * say niman = saini. unmairred
126. बिच्ची–मंदर / bichchi-mandar / = Herbal-medicine, शाकीयऔषधी।
127. महबागरिया / mahbāgariyā / = Respected, honourable, मान्यवर, माननीय, आदरनीय।
128. छावख़र्रा / chāvxarrā / = Declension, रूप परिवर्तन, शब्द रूप।
129. अमलअ़ना / amla?nā / = to choose for oneself, to retain for oneself, to appropriate for oneself.*An Oraon-English Dictionary - A Grignard. P-19.
130. थिथाबअ़ना / thithaba?nā / = to look at carefully, to watch attentively. *An Oraon-English Dictionary - A Grignard. P - 676.
131. तिगाबअ़ना / tigaba?nā / = to put up to, to instigate, to excite. *An Oraon-English Dictionary - A Grignard. . P - 654.
132. तिङाबअ़ना / tingaba?nā / = to moralised, to preach, to exhort. *An Oraon-English Dictionary - A Grignard. P - 657.
133. इंजिरना / injirnā / = to receive, to accept. *An Oraon-English Dictionary - A Grignard. P - 316.
134. अङीयार'उ उइजीपिंज्जका /   = Reflexive pronoun, आत्मवाचक सर्वनाम। नमूद – तंगआ। Refletive back to subject.
135. मेःलनता उइजिपिंज्जका /   = Relative pronoun, संबंध वाचक सर्वनाम। नमूद – ने/आर, ने/जे।
136. दप्पनता उइजीपिंज्जका /   = Possessive pronoun, अधिकारसंबंध वाचक सर्वनाम। नमूद– एंगहय, निंगहय, तंगहय।

137. अंगियरका उइजिपिंज्जका / = Possessive pronoun, अधिकार संबंध वाचक सर्वनाम। नमूद – एंगहय, निंगहय, तंगहय।

138. तुन'उ करिचका / = Pre/Postposition, संबंधबोधक अव्यय। नमूद – किय्या, मइय्या, हेद्दे, तरा, तरता, गुसता गुट्ठी।

139. उरूब / = ownership, sway, power over, नियंत्रण, स्वामित्व, क्षेत्राधिकार।

140. सुर्रा / surrā / = Simple, सामान्य।

141. सेब्बा / sebbā / = Simple, सरल, साधारण।

142. ननते–मनते छाव / nante-mante chhāv/ = Progressive form, पूर्ण–अपूर्ण रूप। कमनुम, कमतेम।

143. मनर–मनते छाव / manar-mante chhāv / = Participal form, पूर्वकालिक रूप। कमअर, बरअर, ओनर।

144. मनेता / manetā / = meaningful, सार्थक।
*derived from - mane + tā = manetā.

145. बेमनेता / bemanetā / = Meaningless, निरर्थक।

146. गन / ga:n / = with, simultaneously with, एक साथ, समूह में।
*derived from – gane, aas gane, i:s gane. समान विचार वालों का समूह।

147. नता / Natā / = Relation, रिस्ता, संबंध।

148. नतानेःत ननतुद / = Genetive case, संबंध कारक।
नमूद – गही, ही, घी, ता। * Genetive case is not a case, but it is case.

149. कमहड़ / = Instrument, औजार।

150. कम्हड़े ननतुद / = Instrumental case, करण कारक।
नमूद – ती, तुरु, तुले।

151. कराकटा / = Machine, यंत्र, मशीन।

152. टिंगआ छाव / = Superlative degree, उत्तमावस्था।

153. जईत पिंज्जका / = Common / class noun, जातिवाचक संज्ञा।

154. Continuous = uninterrupted, without interval, लगातार।

155. Progressive = gradually increasing in effect, progress step by step.

156. Compound = made up of two or more elements, settle by agreement.

157. Exclusive = किसी एक को छोड़कर दूसरे की मनाही होना, रहित।

158. Inclusive = संग्गे–संग्गे, उरमी संग्गे, सभी के साथ, साथ–साथ, सहित।

159. तफरका / tafarka / = diffirence, अन्तर।

160. मेंजख़ा / menjxā / = Answer, उत्तर।

161. पख़्वा / paxwā / = Echo sound, प्रतिध्वनि।

162. नेःत–रीःत / ne:t-ri:t / = Manner, way of working, रीतिवाचक।
*Ne:t = Received or approved way of acting in any line, good custom.
*Ri:t = Received manner of doing certain action, religious rite

163. नेतगर / = Natural form, manared, शिष्टाचारी।

164. सुर्रा छाव / surra chhav / = Simple form, in natural way, सामान्य रूप से, व्यवहारिक रूप से, प्राकृतिक रूप से * एन, एम, नीन, नीम, तान, ताम, नाम (No gender diffrence).

165. मुर्रा छाव / marrā chhāv / = Emphatic, exasarated, वृद्धि . रूप, बढ़ा–चढा कर।

166. थहगर / thahgar / = Definite form with time and position or in quality, निष्चय पूर्वक, * statement or work related with quality.

167. अनथह / anthah / = Indefinite form with time and position or in quality, अनिश्चित रूप, अस्पष्ट रूप। * statement or work related with quality.

168. टिपगर / tipgar / = Specific, Specification, सुस्पष्ट, विनिर्दिष्ट.
* statement or work related with measurement & number.

169. मनता / mantā / = Honourable, आदरणीय।

170. मनती / manti = Honourable lady, आदरणीय।

171. मोबाईल / mobail / = Mobile, मोबाईल।

172. चुड्डा पेंच्छो / chuḍḍā penchho / = Appendix, परिशिष्ट।

173. टूड़ पेंच्छो / tu:ṛ penchho / = Note, कृपया ध्यान दें।

174. कत्थसिरा / katthsirā / = Title, शीर्षक।

175. कुड्डा अड्डा / kuḍḍā aḍḍā / = Central point / place, native place, केन्द्र विन्दु, जन्म स्थान।

176. उमदा / umdā / = गुनात्मक विषेशता।

177. महतब / mahtab / = महत्व।

178. सनख़ी / sanxi / = Concise, संक्षिप्त। *Derived - sanni xiri.

179. दस्तूर / dastur / = custom, रस्म–रिवाज।

180. दस्तूर कांदून / dastur kandun / = custmary law, दस्तूर कानून।

181. नेगजोग / ne:gjog / = Rite, religious custom, रस्म, अनुष्ठान, नेगचार।

182. नेःतनेःग / ne:tne:g / = culture, संस्कषति।

183. नेतगर / netgar / = cultured, good manner, षिश्टाचारी, सुसंस्कृत।

184. तूड़ / tu:ṛ / = class, वर्ग, जोड़ीदार।

185. टूड़ / ṭu:ṛ / = to drow line, रेखांकन, रेखा, आलेख।

186. बूझ–घोख / bu:jh-gho:kh / = Concept, a general notion.

187. रूम्मबा / rumm'ā / = gathering, group, समूह, झूण्ड।

188. खँाःड़'उ / xā̃:ṛ'u / = त्रिस्कार करने वाला, अनदेखी करने वाला।

189. तउलजोख / tauljokh / = Quantity, परिमाण।

190. बईतुर्रा / baiturrā / = Idioms & phrase, मुहावरा एवं कहावत।

191. समथर / samthar / = Plain, समतल।

192. बक्कसमा / bakksama / = Compound, समास।

193. बक्कपाँती / bakkpā̃:ti / = Word order, पदक्रम।

194. बक्कमे:ल / bakkme:l / = Word combination, अन्वय।
195. सकिस्ता / sakistā / = Discipline, अनुषासन।
196. बेहवार / behwār / = Use, प्रयोग, व्यवहार।
197. भन्दना / bhandnā / = बातों से बांधना।
198. भागजोग / ne:gjog / = Aproximately, किसी प्रकार।
199. अङा / angā / = अङा भार, भार ही ओन्द तरता हिंसा।
200. सङा / sanga / = सङा भार, संग्गे मनर रअ़ना।
201. पे:सना / pe:snā / = To intimate an order, to command, आदेश देना, विधि। - A. Grignard.
202. आ:नना / ā:nnā / = To say, to tell, to inspire, कहना, उत्प्रेरित करना, प्रेरित करना। - A. Grignard.
203. पे:सका छाव / pe:skā chhāv / = Command form, विधि रूप।
204. तेतना / tetnā / = सिर तक वजन उठाने में मदद करना।
205. मदईत / madait / = मदद करना।
206. संगरा / sangrā / = सहायता।
207. पँड़सना / pa̐ṛasnā / = मदद पहुँचाना, सहायता करना या पहुँचाना। पंड़सना क्रिया से पड़सा क्रिया भाव विषेशण रूप बना। कला पड़सा चिअ्आ। कला पड़सा नखरआ।
208. पड़सरना / paṛsarnā / = मददगार होना, सहायक होना। पंड़सरना क्रिया से पड़सरआा क्रिया भाव विषेशण रूप। कला पड़सरआ। कला पड़सरआ नखरआ।
209. पँड़सु / pa̐ṛsu / = Assistant, सहायता करने वाला, सहायक।
210. जोट्ठा / jotthā / = Agllutinative. युग्म, वर्णसमूदाय, इकाई ध्वनि समूह।
211. ओरदा / ordā / = Protected with some thing.
212. बईकुठी / baikuṭhi / = Oral cavity, मुख विवर।
213. मुँईकुठी / muikuṭhi / = Nasal cavity, नासिक्य विवर।
214. ईन्नलता / innaltā / = Modern, आधुनिक।

*derived from - innelanta i:rkā-xu:jkạ malta puna bera nu angiyarka dara hebherka.

215. ननतु'उ नलङ छाव / nantu'u nalang chhāv / = Causal form verb, प्रेरणार्थक क्रियारूप, दूसरे को बोलकर करवाना।
216. मनतु'उ नलङ छाव / mantu'u nalang chhāv / = Accusative verb form, Reflexive form, परावर्तित रूप। *Referring back to the subject of a clause. Having reflexive pronoun as it object.
217. अइखनारका / aikhna:rkā / = retroflex, उत्क्षिप्त। *Derived from - akhain, means an instrument whose tip is retroflexed.
218. पँड़सार'उ नलंग / pa̐ṛsār'u / = Complimentary, सम्पूरक क्रिया।
219. गग्गामुखा / gaggāmukhā / = glottis, स्वरयंत्र मुख।
220. मईड़पा / mairpā / = alveolar, वर्त्स्य। *Derived from - maita musṛa palle, upper part of the base of the teeth.

221. मेदोम्पा / medompā / = crebral, मुर्द्धन्य। *Derived from – meddo tarta musṛa palle, upper heighest part of base of teeth .
222. मुन्धारे / mundhare / = Front, अग्र।
223. चोल्ला / chollā / = Back, पिछला हिस्सा।
224. हिंछा / Hinchha / = Desire, इच्छा, जिज्ञासा, प्यास इच्छा, मनोकुल।
225. ख़ेसेर तोलोंग / xeser tolong / = Neck tie, कण्ठ लंगोट।
226. जईत / jait / = All one species, जातिवाचक, एक प्रकार के सभी।
227. सिच्छा / sichchhā / = Education, शिक्षा।
*Derived from - sikhir'a + uchchhna, si + chchha = sichchha.
228. खँटी बक्कदोहड़ा / khãti bakkdohṛā / = पूर्ण पुनरुक्ति। नमूद – अड्डा–अड्डा, बेर–बेर, बेड़ा–बेड़ा गुट्ठी।
229. खेझरा बक्कदोहड़ा / khejhrā bakkdohṛā / = अपूर्ण पुनरुक्त। नमूद – अड्डा–सड्डा, एड़पा–पल्ली गुट्ठी।
230. सिरजन–बिरजन / sirjan-birjan / = Creation, सृष्टि, प्रकृति।
231. सरगर / sargar / = Fertile, उपजाउ।
232. सँवसिरा / sãvsirā / = Natrue, प्रकृति, सँवसे गही सिरा अड्डा (उपचन अड्डा)।
233. बइता कत्था /baitā kattā / = Oral statement, मौखिक्य।
234. सिलाख एःरना / silākh e:rna / = सुन्दरता देखना, अत्यधिक प्यार।
235. हँका ननतुद / hãkā nantud / = Vocative case, संबोधन कारक।
236. सरहरा / sarharā / = Nature, प्रकुति, कुदरती तौर पर।
237. कोकोरोम्बो / kokorombo / = येन–केन प्रकारेन, किसी तरह।
238. मेःल /me:l / = sociability, संबंध। P - 487, - A Grignard.
239. नलख ननना / nalakh nannā / = कार्य करना। नमूद – गड्डी ननना, डिप्पा ननना, खन्दहा ननना, बुहनी ननना।
240. ननु / nanu / = doer, करने वाला, कर्ता।
241. ननुत'उ / nanut'u / = causal, करवाने वाला कर्ता।
242. मन्त'उ / mant'u / = accusative, कर्म, क्रिया का फल जिस पर पड़ता हो, कर्मफल पानेवाला। कभी–कभी मनतु'उ भी ननतु'उ का स्थान ग्रहण करता है, उस समय क्रिया का रूप मनतु'उ संगता छाव हो जाता है। टटख़ा, मंगरस ती मोख़तारआ लगी। * mantu'u is passive form. nantu'u, mantu'u mana pulli ara mantu'u, nantu'u pulli mana munda eka baari mantu'u, nantu'u gahi adda nu bar'i Aa baari nalang, mantu'u sang'a nalang chhaw nu bar'i. Aa baari nantu'u gane nantu chinha bar'i.
243. अड़ियाचका / = Possessive, अधिकार।
244. ननुता / nanuta / = subject, उदेश्य।
245. मनुता / manuta / = object, विषय, कर्म, मनु–मनतु'उ संगोता।
246. आईनता / āinta / = predicate, विधेय, आईन संगोता।
247. ननुत'उ ननतुद / = Nominative case, कर्त्ता कारक।

248. मनुत'उ ननतुद / = Accusative case, कर्म कारक।
249. सेयान / seyān / = adult, वयस्क।
250. रायबड़ी ननना / raybaṛi nannā / = dicussion, विचार–विमर्श।
251. ओल्लग्गना / ollaggnā / = To salute, ओङनन लग्गना, सामर्थ्यवान को प्रणाम करना, कुँड़ुख़ दर्शन में परमात्मा एवं अन्तर्रात्मा दो सामर्थ्यवान शक्तियाँ हैं।
252. टिंगआ / ting'ā / = Xenith, top place, षिखर, उच्च स्तर पर।
253. भखना / Bhakhnā / = श्राप देना, बुरा बात कहना, अव्यवहारिक बात कहना।
254. भाख खण्डना / Bhakh khandnā / = श्रापित बातों को काटना या ळटाना।
255. तरजुमा / tarjumā / = Translation, अनुवाद।
256. अकता केरका / Aktā kerkā / = Recent past, आसन्न भूत।
257. जेतअम / jet'am / = Unspecific, अस्पष्ट। * work related with measurement & number.
258. अड़ा–अड़ी / Aṛā-aṛi / = दो अलग विचारों का टकराव।
259. ओड़ासरी / Oṛāsari / = Equality in comparision , तुलनात्मक बराबरी।
260. सुढराचका छाव / Suḍhrāchkā chhav / = Revised, संषोधित।
261. सयगरधा / saygardhā / = work to be done in a group, संगत का कार्य। इबड़ा सयगरधा नलख तली। सयगरधा नलख गे ओरमारिन बरना चही।
262. सयसरी / saysari / = member, सदस्य, जनप्रतिनिधि। * from - say + sari (representative), parts of a group. उज्जता सयसरी (life member), अरदा सयसरी (ordinari member),
263. Optical Mark Reader (OMR)
264. Optical Character Reader (OCR)
265. American Standard Code for Information Interchange (ASCII).
266. मुद्ध कत्थअईन पिंज्जसोर = Important grammatical word, मुख्य व्याकरणिक शब्दावली :–

(1) हहस / = voice, औच्चारणिक ध्वनि।
(2) ख़हस / = allophone, ध्वनिम।
(3) सरह / = vowel, स्वर।
(4) हरह / = consonant, व्यंजन।
(5) सड़ा / = sound in general, सामान्य ध्वनि।
(6) सहङ / = syllable, agglutinative, शब्दखण्ड, औचारणिकइकाई।
(7) तोड़ / = letter, वर्ण।
(8) तोड़ङ / = syllablic letter, अक्षर।
(9) तोड़न / = spelling, वर्तनी, हिज्जा।
(10) तोड़पाब / = alphabets, वर्णमाला।
(11) जोटठा / = coined form, compound, संयुक्त।
(12) जोट्ठा सरह / = compound vowel, संयुक्त स्वर।
(13) जोट्ठा हरह / = compound consonant, संयुक्त व्यंजन।

(14) बक्क / [illegible] = word, शब्द।
(15) रूईहबक्क / [illegible] = grammatical word, पद, व्याकरणिक शब्द।
(16) रूड़आबक्क / [illegible] = phrase, समूह शब्द, पदबंध।
(17) बकपुन / [illegible] = sentence, वाक्य।
(18) कुहाबकपुन /[illegible] = clause, componant, उपवाक्य।
*Componant of a sentence. * कोंहा = बड़ा, कुहा = छोटा हिस्सेदार।
(19) बक्कसमा / [illegible] = word compound, समास।
(20) बक्कपाँःती / [illegible] = word order, पदक्रम।
(21) बक्कमेःल / [illegible] = co-ordinstion, अन्वय (मेल)।
(22) बक्कदोहड़ा / [illegible] = repetition, पूनरूक्ति।
(23) कत्थतुर्रा / [illegible] = Proverb, कहावत, लोकोक्ति।
(24) बक्कतुर्रा / [illegible] = idioms, मुहावरा।
(25) बईतुर्रा छाव / [illegible] = Idioms & phrase, कहावत एवं मुहावरा।
(26) अबली / [illegible] = personal, private, निजि, व्यक्तिगत।
(27) आःल / [illegible] = जिया आल, मानव, पुरूषत्व, जीवन, प्रकाशमान शक्ति, Person.
(28) आःली / [illegible] = स्त्रीलिंग, स्त्री जाति। [illegible] + [illegible] = [illegible].
(29) आःले / [illegible] = पुलिंग, पुरूष जाति। [illegible] + [illegible] = [illegible].
(30) आःलो / [illegible] = मानवेतर लिंग, मानव इतर, प्रकृति। [illegible] + [illegible] = [illegible].
(31) आःल'आ / [illegible] = किन्नर, third gender, transgender, [illegible] + [illegible] = [illegible].
(32) मुर्रा छाव / [illegible] = exasarated form, वृद्धि वाचक रूप।

267. पिंज्जका / [illegible] = Noun, संज्ञा।

1. नाःमे पिंज्जका / [illegible] = Proper noun, व्यक्तिवाचक संज्ञा।
2. जईत पिंज्जका / [illegible] = Common / class noun, जातिवाचक संज्ञा।
3. गोठ पिंज्जका / [illegible] = Collective noun, समूहवाचक संज्ञा।
4. जिनसी पिंज्जका / [illegible] = Material noun, द्रब्यवाचक संज्ञा।
5. गुनसी पिंज्जका / [illegible] = Abstract Noun, भाववाचक संज्ञा।

268. उइजिपिंज्जका / [illegible] = pronoun, सर्वनाम।

1. आःल उइजीपिंज्जका = Personal pronoun, पुरुषवाचक सर्वनाम।
2. थिथाबअ़उ उइजीपिंज्जका / [illegible] = Demonstrative pronoun, निर्देशवाचक सर्वनाम।
3. अंगियर'उ उइजीपिंज्जका / [illegible] = Reflexive pronoun, आत्म–वाचक सर्वनाम।
4. मेनता उइजीपिंज्जक / [illegible] = Introgative pronoun, प्रश्न वाचक

सर्वनाम।

5. अनथह उइजीपिंज्जका / [illegible] = Indefinite pronoun, अश्चियवाचक सर्वनाम।

6. मेःलनता उइजीपिंज्जका / [illegible] = Relative pronoun, संबंध वाचक सर्वनाम।

7. दप्पनता उइजीपिंज्जका / [illegible] = Possessive pronoun, अधिकारसंबंध वाचक सर्वनाम।

8. ख़ट्टु उइजीपिंज्जका / [illegible] = Distributive pronoun, विभाजक–वाचक सर्वनाम।

269. मेदख़ा / [illegible] = Gender, लिंग

1. आःली मेदख़ा / [illegible] = Feminine gender, स्त्रीलिंग, स्त्री वाचक। .
2. आःले मेदख़ा / [illegible] = Masculine gender, पुलिंग, पुरूष वाचक।
3. आःलो मेदख़ा / [illegible] = Non human gender, मानवेतर लिंग, मानवेतर वाचक।

270. गनयाँ / [illegible] = Number, वचन

1. ओन्द गनयाँ / [illegible] = Singular number, एकवचन।

2. बग्गे गनयाँ / [illegible] = Plural number, बहुवचन।

271. ननतुद / [illegible] = Case, कारक

1. ननुत'उ ननतुद / [illegible] = Nominative Case, कर्ता कारक।
   ओठङा (case sign, विभक्ति चिह्न) – अस, अद, अर, अय।

2. मनुत'उ ननतुद / [illegible] = Accusative Case, कर्म कारक।
   ओठङा (case sign, विभक्ति चिह्न) – सिन, इन, अन।

3. कम्हड़े ननतुद / [illegible] = Instrumental Case, करण कारक।
   ओठङा (case sign, विभक्ति चिह्न) – तुरू, तुले, ती, बले, गुने।

4. पँड़सना ननतुद / [illegible] = Dative Case, सम्प्रदान कारक।
   ओठङा (case sign, विभक्ति चिह्न) – गे, खतरी।

5. अम्बरना ननतुद / [illegible] = Ablative Case, अपादानकारक।
   ओठङा (case sign, विभक्ति चिह्न) – ती।

6. नतानेःत ननतुद / [illegible] = Genetive Case, संबंध कारक।
   ओठङा (case sign, विभक्ति चिह्न) – गही, ही, घी, ता।
   Genetive case is not a case, but it is a case.

7. थम्बाथाह ननतुद / [illegible] = Locative Case, अधिकरण कारक।
ओठङा (case sign, विभक्ति चिह्न) – नु, तरा, गुसन, गुसता, तरता।

8. संगोता ननतुद / [illegible] = Sociative Case, साहचर्य कारक।
ओठङा (case sign, विभक्ति चिह्न) – गने, संग्गे।

9. हँका ननतुद / [illegible] = Vocative Case, संबोधन कारक।
ओठङा (case sign, विभक्ति चिह्न) – अना, अनय, अने, ए, ए दे।

*** ननतुद (ननु–ननतु'उ गही नलंग गने नता तुन'उ) = कारक, case.

ननुता (ननु तरता) = उदेश्य, subject.
मनुता (मनु तरता) = उदेश्य, object.
आईनता (आईन तरता) = विधेय, predicate.

272. गुनख़ी / [illegible] = विशेषण, Adjective.

1. गुन गुनख़ी / [illegible] = Adjective of quality, गुनवाचक विशेषण।
2. लेक्खा गुनख़ी / [illegible] = Numeral adjective , संख्यावाचक विशेषण।
3. जोखना गुनख़ी / [illegible] = Adjective of quantity, परिमाणवाचक विशेषण।
4. उइजीपिंज्जका मुठन गुनख़ी / [illegible] = Demonstrative adjective, सार्वनामिक विशेषण।

273. नलङ–गुनख़ी / [illegible] = Adverb, क्रिया विशेषण।

1. बेड़ा नलङ–गुनख़ी / [illegible] = Adverb of time, कालवाचक क्रिया विशेषण।
2. अड्डा नलङ–गुनख़ी / [illegible] = Adverb of place, स्थानवाचक क्रिया विशेषण।
3. जोखना नलङ–गुनख़ी / [illegible] = Adverb of quantity, परिमाणवाचक क्रिया विशेषण।
4. नेत–रीत नलङ–गुनखी / [illegible] = Adverb of manner, रीतिवाचक क्रिया विशेषण।

274. जोक्खा नखरना / [illegible] = Comparison of adjective, तुलनावाचक विशेषण।

1. सेब्बा छाव / [illegible] = Positive degree, मूलावस्था, प्राकृतिक रूप।
2. जोक्खा छाव / [illegible] = Comparative degree, उत्तरावस्था।
3. टिंगआ छाव / [illegible] = Superlative degree, उत्तमावस्था।

275. नलङ / [illegible] = Verb, क्रिया

रचना के आधार पर :–

1. मूली (मूली नाःमे) नलङ / [illegible] = simple / native verb, मूल क्रिया।
2. जोट्ठा नलङ / [illegible] = compound verb, यौगिक क्रिया।
   (क) ननरकी नलङ छाव / [illegible] = active verb, doer, क्रियाशील क्रिया।
   (ख) मनरकी नलङ छाव / [illegible] = passive verb, अकर्मक क्रिया, अक्रियाशील क्रिया।
   (घ) ननतु'उ नलङ छाव / [illegible] = causal verb, प्रेरणार्थक क्रिया।
   (ङ) मनतु'उ नलङ छाव / [illegible] = accusative verb, परावर्तित क्रिया।
   (च) पिंज्जकामुठन नलङ / [illegible] = noun derived verb, नाममूलक क्रिया।
   (छ) सड़ामुठन नलङ / [illegible] = sound based verb, ध्वनिमूलक क्रिया।
3. मुद्ध नलङ / [illegible] = principal verb, प्रधान क्रिया।
4. पँड़सु नलङ / [illegible] = auxiliary verb, सहायक क्रिया।
5. पँड़सार'उ नलङ / [illegible] = complimentary verb, सम्पूरक क्रिया।
6. मनतु'उ रअ़उ नलङ / [illegible] = Transitive verb, सकर्मक क्रिया।
7. मनतु'उ मलका नलङ / [illegible] = Intransitive verb, अकर्मक क्रिया।

276. नलङ मेदोख़ा / [illegible] = Mood, क्रिया वृत्ति।

1. बाःचका नलङ मेदोख़ा / [illegible] = Indicative, साधारण, बअ़ना+मेनना।
2. पेःसका नलङ मेदोख़ा / [illegible] = Imperative, संभाव्य, पेःसना+तेंग्गना।
3. बाःख़का नलङ मेदोख़ा / [illegible] = subjunctive, आदेशात्मक, तुक्कना+बाःख़ना।

277. नलङ किता / [illegible] = Types of verb, क्रिया के प्रकार

1. ननरकी नलङ छाव / [illegible] = Active doer form verb, सक्रीय क्रिया, कर्त्तार्थक क्रिया।
2. मनरकी नलङ छाव / [illegible] = Passive verb, अक्रियाशील क्रिया, अकर्मक क्रिया।

3. ननतु'उ नलङ छाव / = Active causal form verb, प्रेरणार्थक क्रिया।

4. मनतु'उ नलङ छाव / = Passive reflexive verb, परावर्तित क्रिया, फलार्थक क्रिया।

278. नलङ छाव / = Form of verb, क्रिया का रूप।

1. सुर्रा छाव / = Simple form or indefinite form, सामान्य रूप।

(i) सुर्रा रअ़ना छाव / = Present simple form, सामान्य वर्तमान रूप। नमूद – कमदन, कमदय, गुट्ठी।

(ii) सुर्रा केरका छाव / = Past simple form, सामान्य भूत रूप। नमूद – कमचकन, कमचकय, कमचस, कमचकत, कमचर, कमचा गुट्ठी।

(iii) सुर्रा बरना छाव / = Future simple form, सामान्य भविष्यत रूप। नमूद – कमओन, कमओय, कमओस, कमओर, कमओम, कमओ गुट्ठी।

2. पे:सका छाव / = Command form, विधि रूप, आज्ञार्थक।
नमूद – कमआ, ओना, नना, इदआ, बीतआ, ओक्का, बोंग्गा, पेसा गुट्ठी।

3. पूर्चका छाव / = Completness form, perfect form, पूर्ण रूप।
नमूद – कमचका, ओण्डका, नंज्जका, इद्दका, बीतका, उक्का, बोंग्गका, पेसका गुट्ठी।

4. ननते–मनते छाव / = Progressive form, पूर्ण–अपूर्ण रूप।
नमूद – कमनुम, ओननुम, नननुम, इदतेम, ओक्कतेम गुट्ठी।

5. मनर–मनते छाव / = Participal form, पूर्वकालिक रूप।
नमूद – कमअर, ओनर, ननर, इदअर, ओक्कर, बोंग्गर, बरअर, एमअर, मो:ख़र गुट्ठी।

6. पूर्चका–मलपूर्चका छाव / = Perfct continuous form, पूर्ण–अपूर्ण रूप। नमूद– कमआ लईगका, ओना लईगका, मो:ख़ा लईगका गुट्ठी।

7. नलङ मेदोख़ा छाव / = Mood form, क्रिया भाव रूप।
नमूद– कमआ लग्गो, ओना बेद्दन, ओक्का नेकआ, ओना तुक्की, मो:ख़ोन केन्धेल गुट्ठी।

279. बेड़ा अरा परिया / = Time and Tense, समय और काल

A. रअ़ना/अकता परिया / = Present tense, वर्तमान काल।

B. केरका परिया / = Past tense, भूत काल।

C. बरना परिया / = Future tense, भविष्यत काल।

A. रअ़ना/अकता परिया / = Present tense वर्तमान काल

1. (surā ra'nā pariyā/ सुर्रा रअ़ना परिया) = Simple present tense, सामान्य वर्तमान काल।

2. (sar'ā-lag'ā ra?nā pariyā / सरआ–लगआ रअ़ना

परिया) = Present continuous tense, अपूर्ण (सप्रवाह) वर्तमान काल।

3. (nante-mante ra?nā pariyā / ननते–मनते रअ़ना परिया) = Present Progressive tense, प्रगतिशील वाचक वर्तमान काल।

4. (pu:rchkā ra'nā pariyā / पूर्चका रअ़ना परिया) = Present Perfect tense, पूर्ण वर्तमान काल।

5. (Purchkā malpurchkā ra?nā pariyā / पूर्चका मलपूर्चका रअ़ना परिया) = Present Perfect Continuous tense, पूर्ण–अपूर्ण वर्तमान काल।

B. केरका परिया / = Future tense, भूतकाल

1. (surrā kerkā pariyā / सुर्रा केरका परिया) = Simple past tense, सामान्य भूतकाल। नमूद -

2. (sarā-lag'ā kerkā pariyā / सरआ–लगआ केरका परिया) = Past continuous tense, अर्पूण भूतकाल। नमूद –

3. (nante-mante kerkā pariyā / ननते–मनते केरका परिया) = Past progressive tense, प्रगतिशील वाचक भूतकाल। नमूद –

4. (pu:rchkā kerkā pariyā / पूर्चका केरका परिया) = Past perfect tense, पूर्ण भूतकाल। नमूद –

5. (purchkā-malpuchkā kerkā pariyā / पूर्चका–मलपूर्चका केरका परिया) = Past Perfect Continuous tense, पूर्ण–अपूर्ण भूतकाल। नमूद –

C. बरना परिया / = Future tense, भविष्यत काल

1. (surrā barnā pariyā / सुर्रा बरना परिया) = Simple future tense, सामान्य भविष्यत काल।

2. (sar'ā-lag'a barnā pariyā / सरआ–लगआ बरना परिया) = Future continuous tense, अर्पूण (सप्रवाह) भविष्यत काल। (कुँड़ुख़ कत्था नु बरना परिया मल मनी।)

3. (nante-mante barnā pariyā / ननते–मनते बरना परिया) = Future Progressive tense, प्रगतिशील भविष्यत काल।

4. [illegible] (pu:rckā barnā pariyā / पूर्चका बरना परिया) = Future perfect tense, पूर्ण भविष्यत काल।

5. [illegible] (purchkā-malpuchkā barnā pariyā / पूर्चका–मलपूर्चका बरना परिया) = Future Perfect Continuous tense, पूर्ण–अपूर्ण भविष्यतकाल।

280. ननुता अरा आईनता / [illegible] = Subject & predicate, उदेश्य और विधेय।

1. ननुता / [illegible] = subject, उदेश्य।
2. मनुता / [illegible] = object, वस्तु।
3. आईनता / [illegible] = predicate, विधेय।

281. बकपुन / [illegible] = Sentence, वाक्य

1. सेब्बा बकपुन / [illegible] = Simple sentence, सरल वाक्य।
2. जोट्ठा बकपुन / [illegible] = Compound sentence, यौगिक वाक्य।
   (i) समरका बकपुन / [illegible] = Conjoint sentence, संयुक्त वाक्य।
   (ii) मेसेरका बकपुन / [illegible] = Complex sentence, मिश्र वाक्य।

282. तिंगिर'उ / [illegible] = Voice, वाच्य

1. ननरकी तिंगिर'उ / [illegible] = Active voice, कर्तष्वाच्य।

2 मनरकी तिंगिर'उ / [illegible] = Passive voice, कर्मवाच्य।

283. करिचका / [illegible] = अव्यय

1. तुन'उ करिचका / [illegible] = संबंधबोधक अव्यय। (Postposition, परसर्ग).
2. जोरन करिचका / [illegible] = Conjunction, समुच्चयय बोधक अव्यय।
   (i) जोःड़'उ / [illegible] = योजक।
   (ii) ख़ट्टु / [illegible] = विभाजक।
3. हयकट करिचका / [illegible] = Interjenction, विस्मयादि बोधक अव्वयय।

284. बक्क घोख / [illegible] = Etymology, शब्द विचार

I. बनावट (कमरका) के आधार पर :–

1. मूली (मूली नाःमे) बक्क / [illegible] = Root word, native word, मूल शब्द, रूढ़ शब्द, आरंभिक शब्द।
2. जोट्ठा बक्क / [illegible] = Compound word, यौगिक षब्द।
   (i) समरका बक्क / [illegible] = conjoint word, संयुक्त शब्द।

(ii) मेसेरका बक्क / = complex word, मिश्रित शब्द।

3. नलङमुठन बक्क / = Gerund, क्रिया मूलक।

4. पिंज्जकामुठन बक्क / = Noun derived word, संज्ञामूलक शब्द।

II. उत्पत्ति (उचपन) के आधार पर :–

1. खँटी बक्क / = Pure word, मूल भाषा का शब्द।

2. सोहाडी बक्क / = Borrowd word, बाहर शब्द।

III. रूपान्तर (छावख़र्रा) के आधार पर :–

1. बदलाःर'उ / = Declended, विकारी।

2. मलबदलाःर'उ / = Undeclended, अविकारी।

IV. अर्थ (मने) के आधार पर :–

1. मनेता बक्क / = Meaningful word, सार्थक शब्द।

2. बेमनेता बक्क / = Meaningless word, निरर्थक शब्द।

285. बक्क गढ़न = शब्द रचना

1. मुहड़ा लटखु / = Prefix, उपसर्ग।

2. मझीना लटखु / = Infix, अंतःप्रत्यार्पण।

3. मुंज्जा लटखु / = Sufix, प्रत्यय।

4. बक्कसमा / = Compound, समास।

5. बक्कदोहड़ा / = Repitition, पुनरुक्ति।

(i) खँटी बक्कदोहड़ा / = Pure repitition, पूर्ण पुनरुक्ति।

(ii) खेझरा बक्कदोहड़ा / = Partial repitition, अपूर्ण पुनरुक्ति शब्द।

(iii) सड़ामुठन बक्कदोहड़ा / = Sound based Repetition, अनुकरणात्मक पुनरुक्ति ।

6. नलंगमुठन पिंज्जका / = Gerund, क्रियार्थक संज्ञा।

*****

L. [illegible] - XII :

कुँड़ुख़ गिनती का मानकीकरण

कुँड़ुख़ गितनी के सुगम एवं सरल रूप हेतु अब तक कई पहल हुए। इस क्रम में दिनांक 26.08.2000 को जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची के सभागार में सम्पन्न हुए कार्यशाला में शून्य (0) का नामकरण 'निदि' रखा गया। उसके बाद दिनांक 24.09.2001 को पुनः जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के सभागार में कुँड़ुख़ गिनती मानकीकरण संबंधी दूसरी बैठक हुई, जिसमें आम सहमति से निर्णय लिया गया कि शून्य के लिए प्रस्तावित नामकरण 'निदि' को स्वीकार किया जाय तथा शून्य वाली बड़ी संख्या का नाम दैनिक कार्यों के उपयोग में आने वाली वस्तुओं के नामकरण के समरूप गिनती के नामकरण को रखे जाएँ, जिससे याद करने एवं समझने में आसानी होगी तथा गणित सीखने में आसानी होगी। साथ ही गिनती के नये तरीके में संख्या के नामकरण में हुए चूक का सुधार आवश्यक है तथा आधुनिक गणित के अंकों की तरह 10 के गुणक में अंकों का नाम स्थापित किया जाय। इससे, गणित के 10 के गुणक के मानक सिद्धांत के अनुरूप आगे बढ़ने से पूरे समाज के लिए गणित एवं विज्ञान समझने में असानी होगी। इस आशय पर अखिल भारतीय तोलोंग सिकि प्रचारिणी सभा की विचार गोष्ठी कार्तिक उराँव कुँड़ुख़ लूरकुड़िया, करमटोली, राँची के कार्यालय में दिनांक 11.07.2011 को डॉ0 निर्मल मिंज, डॉ0 हरि उराँव, डॉ0 नारायण भगत, डॉ0 (श्रीमती) शान्ति खलखो, फा0 अगस्तिन केरकेट्टा, श्री पॉल मुंजनी एवं डॉ0 नारायण उराँव 'सैन्दा' की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक में गहन विचार–विमर्श के बाद निर्णय लिया गया कि कुँड़ुख़ गिनती में 1 से 19 तक का नाम पूर्व की भाँति रहे तथा 20, 30, 40, 50, 60, 70, 80, एवं 90 का नामकरण गणित के सिद्धांत के अनुसार 10 के गुणक में रखा जाय।

मानक गिनती हेतु दिनांक 06.10.2015 को समर्पित शब्दावली एवं दिनांक 11.07.2011 को सैद्धांतिक रूप से तैयार गनणीय कुँड़ुख़ गिनती को अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य में सरल एवं मानक स्वरूप के लिए डॉ. निर्मल मिंज, तमिल एवं हिन्दी के विद्वान डॉ. एम. गोविन्दराजन, नोर्थ ईस्ट यूरोपियन यूनिवर्सिटी हॉलैन्ड के चांस्लर मानवशास्त्री प्रो. डॉ. मोहनकान्त गौतम एवं मानवशृास्त्री प्रो. डॉ. करमा उराँव के सुझाव पर समीक्षोपरांत आवश्यक संशोधन किया गया, जिसमें कहा गया कि गिनती एवं पहाड़ा में कुछ ऐसा काम हो जिससे बच्चे आसानी से समझें और याद कर सकें।

अंतर्राष्ट्रीय गणित के अनुसार 20 = 2 x 10, 30 = 3 x 10, 40 = 4 x 10, 50 = 5 x 10, 60 = 6 x 10, 70 = 7 x 10, 80 = 8 x 10 तथा 90 = 9 x 10 समझा जाता है। गणित इस सिद्धांत के आधार पर कुँड़ुख़ गिनती के अंक को एँड़. x दोय = एन्दोय = 20, मून्द x दोय = मुन्दोय = 30, नाख. x दोय = नख़दोय = 40, पंच्चे x दोय = पन्दोय = 50, सोय x दोय = सोयदोय = 60, साय x दोय = सायदोय = 70, आख़ x दोय = आख़दोय = 80, नय x दोय = नयदोय = 90 की तरह समझा गया है जो इस पुस्तिका के गिनती पाठ में विस्तार से दिया हुआ है। इसके अतिरिक्त आधुनिक हिन्दी साहित्यकारों द्वारा स्थापित नये तरीकों के आधार पर अर्द्धस्वर अ अथवा हेचका के लिए " अ़ " चिह्न तथा लम्बी ध्वनि के लिए " ः " सेला चिह्न एवं शब्दखण्ड सूचक या घेतला ' • ' चिह्न का प्रयोग किया गया है। बाकी चीजें पूर्व के निर्णय के अनुसार ही है। इस निर्णय के आलोक में गिनती का एक स्वरूप सामने आया किन्तु कुछ कुँड़ुख़ विद्वतजनों का सुझाव था कि कुँड़ुख़ गिनती एवं पहाड़ा का स्वरूप मधुर एवं सरल होना चाहिए। यदि ऐसा संभव हुआ तो हम सभी आने वाली पीढ़ी को गणित सिखलाने में मददगार होंगे। उपरोक्त तथ्यों पर गंभीरता पूर्वक विचार–मंथन करने के पश्चात् निम्नांकित तथ्य सामने आया।

1. गिनती का नामकरण 1 से 10 तक पूर्ववत रखा जाय, जो एक धरोहर की तरह है। 2. शून्य का नामकरण 'निदि' को स्वीकार करते हुए गिनती का मानकीकरण हो। 3. पहाड़ा को सरल बनाने हेतु 10 के गुनक के अन्तर्राष्ट्रीय सिद्धांत को अपनाया जाए। 4. बड़ी संख्या (दो से अधिक अंक वाले संख्या) के नामकरण हेतु दैनिक जीवन में उपयोगी वस्तुओं को आधार मानकर नामित किया जाना चाहिए। इस सिद्धांत के तर्क पर 20, 30, 40, 50, 60, 70, 80, 90 (दो अंक वाले संख्या) का नामकरण इस प्रकार रखा गया – 20 = 2x10 = एन्दोय, 30 = 3x10 = मुन्दोय, 40 = 4x10 = नाख़दोय, 50 = 5x10 = पन्दोय, 60 = 6x10 = सोयदोय, 70 = 7x10 = सायदोय, 80 = 8x10 = आख़दोय, 90 = 9x10 = नयदोय,

इसी तरह तीन से अधिक संख्या वाले गिनती का नामकरण हेतु दैनिक उपयोग में आनेवाली संसाधनों को आधार मानकर सौ, हजार, लाख, करोड़, अरब, खरब आदि संख्या की तरह नाम चुने गये हैं, जो इस प्रकार हैं :–

(क) 'सोड़ा' एक दैनिक कार्य की चीज है। इसका स्वरूप बड़ा भी हो सकता है या फिर छोटा सा। इसी 'सोड़ा' शब्द के अन्त में निदि शब्द का ई शब्दांश जुड़ने से 'सुड्डी' शब्द बना, जिसका अर्थ 'सौ' है।

(ख) 'हुँड़ा' शब्द भी माप–तौल का एक शब्द है। इसी 'हुँड़ा' शब्द के अन्त में निदि शब्द का ई शब्दांश जुड़ने से 'हुड्डी', शब्द बना, जिसका अर्थ 'हजार' है।

(ग) 'लोंधा' शब्द भी माप–तौल में व्यवहारित है। इसी 'लोंघा' शब्द के अन्त में निदि शब्द का ई शब्दांश जुड़ने से 'लुड्डी' शब्द बना, जिसका अर्थ 'लाख' है।

(घ) कें:तेर दिनचर्या का एक महत्वपूर्ण सामान है। इसी केंतेर शब्द के अन्त में निदि शब्द का ई शब्दांश जुड़ने से 'किड्डी' शब्द बना, जिसका अर्थ 'करोड़' है।

(ङ) 'कें:तेर' से बड़ा मापक सामग्री 'उड्डू' है। इसी 'उड्डु' शब्द के अन्त में निदि शब्द का ई शब्दांश जुड़ने से 'उड्डी' शब्द बना, जिसका अर्थ 'अरब' है।

(च) 'उड्डु' से बड़ा मापक सामग्री 'खच्चा' है। इसी खचा शब्द के अन्त में निदि शब्द का ई शब्दांश जुड़ने से नजदीक की ध्वनि 'ख़' से 'ख़ूड्डी' षब्द बना, जिसका अर्थ 'खरब' है।

इस प्रकार सुड्डी = सौ, हुड्डी = हजार, लुड्डी = लाख, किड्डी = करोड़, उड्डी = अरब, खुड्डी = खरब आदि रखा गया। कुँड़ुख़ पहाड़ा को याद करने हेतु निम्नांकित तरीके अपनाये गये। एँड़ ओन्दे = ओन्द, एँड़ एँड़े = नाख़, एँड़ मुन्दे = सोय, एँड़ नखे़ = आख़, एँड़ पँजे = दोय, एँड़ सोये = दोय एँड़, एँड़ सये = दोयनाख़, एँड़ अखे़ = दोयसोय, एँड़ नये = दोयआख़, एँड़ दोये = एन्दोय। पहाड़ा सारणी आगे है।

इस सिद्धांत के तर्क पर 20, 30, 40, 50, 60, 70, 80, 90 (दो अंक वाले संख्या) का नामकरण इस प्रकार रखा गया – 20 = 2x10 (एंड. x दोये = एन्दोय), 30 = 3x10 (मून्द. x दोये = मुन्दोय), 40 = 4x10 = नाख़. x दोये = नाख़दोय, 50 = 5x10 (पंज्जी. x दोये = पन्दोय), 60 = 6x10 = सोयदोय, 70 = 7x10 = सायदोय, 80 = 8x10 = आख़दोय, 90 = 9x10 = नायदोय।

इसी तरह तीन से अधिक संख्या कुँड़ुख़ पहाड़ा को याद करने हेतु निम्नांकित तरीके अपनाये गये। एँड़ ओन्दे = ओन्द, एँड़ एँड़े = नाख़, एँड़ मुन्दे = सोय, एँड़ नाखे़ = आख़, एँड़ पंज्जे = दोय, एँड़ सोये = दोयएँड़, एँड़ सोये = दोयएँड़, एँड़ सये = दोयनाख़, एँड़ आखे़ = दोयसोय, एँड़ नये = दोयआख़, एँड़ दोये = एन्दोय। सारणी इस प्रकार है :–

0	निदि	𑷠
1	ओन्द	𑷡
2	एँड़	𑷢
3	मून्द	𑷣
4	नाख़	𑷤
5	पंज्जी	𑷥
6	सोय	𑷦
7	साय	𑷧
8	आख़	𑷨
9	नय	𑷩
10	दोय	𑷡𑷠
11	दोयओंद	𑷡𑷡
12	दोयएँड़	𑷡𑷢
13	दोयमून्द	𑷡𑷣
14	दोयनाख़	𑷡𑷤
15	दोयपंज्जी	𑷡𑷥
16	दोयसोय	𑷡𑷦
17	दोयसाय	𑷡𑷧
18	दोयआख़	𑷡𑷨
19	दोयनय	𑷡𑷩
20	एन्दोय	𑷢𑷠
21	एन्दोओन्द	𑷢𑷡
22	एन्दोएँड़	𑷢𑷢
23	एन्दोमून्द	𑷢𑷣
24	एन्दोनाख़	𑷢𑷤
25	एन्दोपंज्जी	𑷢𑷥
26	एन्दोसोय	𑷢𑷦
27	एन्दोसाय	𑷢𑷧
28	एन्दोआख़	𑷢𑷨
29	एन्दोनय	𑷢𑷩
30	मुन्दोय	𑷣𑷠
31	मुन्दोओन्द	𑷣𑷡
32	मुन्दोएँड़	𑷣𑷢
33	मुन्दोमून्द	𑷣𑷣
34	मुन्दोनाख़	𑷣𑷤
35	मुन्दोपंज्जी	𑷣𑷥
36	मुन्दोसोय	𑷣𑷦
37	मुन्दोयसाय	𑷣𑷧
38	मुन्दोआख़	𑷣𑷨
39	मुन्दोनय	𑷣𑷩
40	नाख़दोय	𑷤𑷠
41	नाख़दोओन्द	𑷤𑷡
42	नाख़दोएँड़	𑷤𑷢
43	नाख़दोमून्द	𑷤𑷣
44	नाख़दोनाख़	𑷤𑷤
45	नाख़दोपंज्जी	𑷤𑷥
46	नाख़दोसोय	𑷤𑷦
47	नाख़दोसाय	𑷤𑷧
48	नाख़दोआख़	𑷤𑷨
49	नाख़दोनय	𑷤𑷩
50	पन्दोय	𑷥𑷠
51	पन्दोओन्द	𑷥𑷡
52	पन्दोएँड़	𑷥𑷢
53	पन्दोमून्द	𑷥𑷣
54	पन्दोनाख़	𑷥𑷤
55	पन्दोपंज्जी	𑷥𑷥
56	पन्दोसोय	𑷥𑷦
57	पन्दोसाय	𑷥𑷧
58	पन्दोआख़	𑷥𑷨
59	पन्दोनय	𑷥𑷩
60	सोयदोय	𑷦𑷠
61	सोयदोओन्द	𑷦𑷡
62	सोयदोएँड़	𑷦𑷢
63	सोयदोमून्द	𑷦𑷣
64	सोयदोनाख़	𑷦𑷤
65	सोयदोपंज्जी	𑷦𑷥
66	सोयदोसोय	𑷦𑷦
67	सोयदोसाय	𑷦𑷧
68	सोयदोआख़	𑷦𑷨
69	सोयदोनय	𑷦𑷩
70	सायदोय	𑷧𑷠
71	सायदोओन्द	𑷧𑷡
72	सायदोएँड़	𑷧𑷢
73	सायदोमून्द	𑷧𑷣
74	सायदोनाख़	𑷧𑷤
75	सायदोपंज्जी	𑷧𑷥
76	सायदोसोय	𑷧𑷦
77	सायदोसाय	𑷧𑷧
78	सायदोआख़	𑷧𑷨
79	सायदोनय	𑷧𑷩
80	आख़दोय	𑷨𑷠
81	आख़दोओन्द	𑷨𑷡
82	आख़दोएँड़	𑷨𑷢
83	आख़दोमून्द	𑷨𑷣
84	आख़दोनाख़	𑷨𑷤
85	आख़दोपंज्जी	𑷨𑷥
86	आख़दोसोय	𑷢𑷦
87	आख़दोसोय	𑷨𑷧
88	आख़दोआख़	𑷨𑷨
89	आख़दोनय	𑷨𑷩
90	नयदोय	𑷩𑷠
91	नयदोओन्द	𑷩𑷡
92	नयदोएँड़	𑷩𑷢
93	नयदोमून्द	𑷩𑷣
94	नयदोनाख़	𑷩𑷤
95	एन्दोपंज्जी	𑷩𑷥
96	नयदोसोय	𑷩𑷦
97	नयदोसाय	𑷩𑷧
98	नयदोआख़	𑷩𑷨
99	नयदोनय	𑷩𑷩
100	सुड्डी / सुड्डोय	𑷡𑷠𑷠

अड्डा मुल्ली (स्थानीय मान)

ओंदिम	– इकाई	–	1	– ओंद
दोयिम	– दहाई	–	10	– दोय
सुडिम	– सैकड़ा	–	100	– सुड्डी
हुडिम	– हजार	–	1000	– हुड्डी
दोय हुडिम	– दस हजार	–	10000	– दोय हुड्डी
लुडिम	– लाख	–	100000	– लुड्डी
दोय लुडिम	– दस लाख	–	1000000	– दोय लुड्डी
किडिम	– करोड़	–	10000000	– किड्डी
दोय किडिम	– दस करोड़	–	100000000	– दोय किड्डी
उडिम	– अरब	–	1000000000	– उड्डी
दोय उडिम	– दस अरब	–	10000000000	– दोय उड्डी
ख़ुडिम	– ख़रब	–	100000000000	– ख़ुड्डी
दोय ख़ुडिम	– दस ख़रब	–	1000000000000	– दोय ख़ुड्डी
सुड्डी ख़ुडिम	– सौ ख़रब	–	10000000000000	– सुड्डी ख़ुड्डी
ख़ुड्डी ख़ुडिम	– ख़रब ख़रब	–	$10^{11}x10^{11} = 10^{22}$	– ख़ुड्डी ख़ुड्डी

बक्क नु टूड़ना

1. एक सौ पैंतिस – ओंदसुड्डी मुन्दोपंच्चे ।
2. चार हजार पाँच सौ सैंतीस – नाख़हुड्डी पंज्जीसुड्डी मुन्दोसाय।
3. बाइस हजार सात सौ सैंतीस – एन्दोएँड. हुड्डी सायसुड्डी मुन्दोसाय।
4. पाँच लाख सात हजार आठ सौ आठ – पंज्जीलुड्डी साय हुड्डी आख़सुड्डी आख़।
5. तीरपन लाख एकतालीस हजार – पन्दोमुन्द लुड्डी नाख़दोओंद हुड्डी।
6. सात करोड़ नब्बे हजार एक्यासी – साय किड्डी नयदोय हुड्डी आख़दोओन्द।
7. पचपन ख़रब बावन हजार एक – पन्दोपंज्जी ख़ुड्डी पन्दोएँड़ हुड्डी ओन्द।
8. एकावन लाख एकतालीस हजार दो – पन्दोओन्द लुड्डी नाख़दोओंद हुड्डी एँड़।
9. तिरसठ करोड़ नब्बे हजार आठ – सोयदोमुन्द किड्डी नयदोय हुड्डी आख़।
10. चउवन ख़रब बावन हजार चार – पन्दोनाख़ ख़ुड्डी पन्दोएँड़ हुड्डी नाख़।

ओंदता – पहला		सोयता – छठवाँ		दोयओंदता – ग्यारहवाँ			
एँड़ता – दूसरा		सायता – सातवाँ		दोयएँड़ता – बारहवाँ			
मुन्दता – तीसरा		आख़ता – आठवाँ		दोयमून्दता – तेरहवाँ			
नाख़ता – चौथा		नयता – नवाँ		दोयनाख़ता – चौदहवाँ			
पानता – पाचवाँ		दोयता – दसवाँ		दोयपानता – पन्दरहवाँ			

(I) [illegible] / कुँड़ुख़ गनती

ओन्द I	दोय ओन्द 11	एन्दो ओंद 21	मुन्दो ओंद 31	नाख़दो ओंद 41	पन्दो ओंद 51	सोयदो ओंद 61	सयदो ओंद 71	आख़दो ओंद 81	नयदो ओंद 91
एँड़ [illegible]	दोय एँड़ 12	एन्दो एँड़ 22	मुन्दो एँड़ 32	नाख़दो एँड़ 42	पन्दो एँड़ 52	सोयदो एँड़ 62	सयदो एँड़ 72	नयदो एँड़ 92	आख़दो एँड़ 82
मून्द [illegible]	दोय मून्द 13	एन्दो मून्द 23	मुन्दो मून्द 33	नाख़दो मून्द 43	पन्दो मून्द 53	सोयदो मून्द 63	सयदो मून्द 73	आख़दो मून्द 83	नयदो मून्द 93
नाख़ [illegible]	दोय नाख़ 14	एन्दो नाख़ 24	मुन्दो नाख़ 34	नाख़दो नाख़ 44	पन्दो नाख़ 54	सोयदो नाख़ 64	सयदो नाख़ 74	आख़दो नाख़ 84	नयदो नाख़ 94
पंज्जी [illegible]	दोय पंज्जी 15	एन्दो पंज्जी 25	मुन्दो पंज्जी 35	नाख़दो पंज्जी 45	पन्दो पंज्जी 55	सोयदो पंज्जी 65	सयदो पंज्जी 75	आख़दो पंज्जी 85	नयदो पंज्जी 95
सोय [illegible]	दोय सोय 16	एन्दो सोय 26	मुन्दो सोय 36	नाख़दो सोय 46	पन्दो सोय 56	सोयदो सोय 66	सयदो सोय 76	आख़दो सोय 86	नयदो सोय 96
सय [illegible]	दोय सय 17	एन्दो सय 27	मुन्दो सय 37	नाख़दो सय 47	पन्दो सय 57	सोयदो सय 67	सयदो सय 77	आख़दो सय 87	नयदो सय 97
आख़ [illegible]	दोय आख़ 18	एन्दो आख़ 28	मुन्दो आख़ 38	नाख़दो आख़ 48	पन्दो आख़ 58	सोयदो आख़ 68	सयदो आख़ 78	आख़दो आख़ 88	नयदो आख़ 98
नय [illegible]	दोय नय 19	एन्दो नय 29	मुन्दो नय 39	नाख़दो नय 49	पन्द नय 59	सोयदो नय 69	सयदो नय 79	आख़दो नय 89	नयदो नय 99
दोय IO	एन्दोय 20	मुन्दोय 30	नाख़दोय 40	पन्दोय 50	सोयदोय 60	सायदोय 70	आख़दोय 80	नयदोय 90	सुड़्डी 100

[illegible] / कुँडुख़ पहाड़ा

	ओन्द 1	एँड़ 2	मून्द 3	नाख़ 4	पंज्जी 5	सोय 6	सय 7	आख़ 8	नय 9	दोय 10
ओन्दे x 1	ओन्द 1	एँड़ 2	मून्द 3	नाख़ 4	पंज्जी 5	सोय 6	सय 7	आख़ 8	नय 9	दोय 10
एँड़े x 2	एँड़ 2	नाख़ 4	सोय 6	आख़ 8	दोय 10	दोय एँड़ 12	दोय नाख़ 14	दोय सोय 16	दोय आख़ 18	एन्दोय 20
मून्दे x 3	मून्द 3	सोय 6	नय 9	दोय एँड़ 12	दोय पंज्जी 15	दोय आख़ 18	एन्दो एँड़ 21	एन्दो नाख़ 24	एन्दो सय 27	मुन्दोय 30
नख़े x 4	नाख़ 4	आख़ 8	दोय एँड़ 12	दोय सोय 16	एन्दोय 20	एन्दो नाख़ 24	एन्दो आख़ 28	मुन्दो एँड़ 32	मुन्दो सोय 36	नाख़दोय 40
पंजे x 5	पंज्जी 5	दोय 10	दोय पंज्जी 15	एन्दोय 20	एन्दो पंज्जी 25	मुन्दोय 30	मुन्दो पंज्जी 35	नाख़ दोय 40	नाख़दो पंज्जी 45	पन्दोय 50
सोये x 6	सोय 6	दोय़ एँड 12	दोय आख़ 18	एन्दो नाख़ 24	मुन्दोय 30	मुन्दो सोय 36	नाख़दो एँड़ 42	नाख़दो आख़ 48	पन्दो नाख़ 54	सोयदोय 60
सये x 7	साय 7	दोय नाख़ 14	एन्दो एँड़ 21	एन्दो आख़ 28	मुन्दो पंज्जी 35	नाख़दो एँड़ 42	नाख़दो नय 49	पन्दो सोय 56	सोयदो मून्द 63	सयदोय 70
आख़े x 8	आख़ 8	दोय सोय 16	एन्दो नाख़ 24	मुन्दो एँड़ 32	नाख़ दोय 40	नाख़दो आख़ 48	पन्दो सोय 56	सोयदो नाख़ 64	सायदो एँड़ 72	आख़दोय 80
नये x 9	नय 9	दोय आख़ 18	एन्दो सय 27	मुन्दो सोय 36	नाख़दो पंज्जी 45	पन्दो नाख़ 54	सोयदो मून्द 63	सायदो एँड़ 72	आख़दो ओन्द 81	नयदोय 90
दोये x 10	दोय 10	एन्दोय 20	मुन्दोय 30	नाख़दोय 40	पन्दोय 50	सोयदोय 60	सयदोय 70	आख़दोय 80	नयदोय 90	सुड़्डोय 100

चुड़्डा पेच्छो (नोट) – कुँडुख़ गनती अरा पहड़ा बचउर गे सेब्बा अरा नेब्बा मनना ती आर चाँःड़े बुझुरओर दरा इंजिरओर। गणित गही आईन अरा परदना, 10 गही गुनईत ती जोड़ोरका दरा कमरका रअ़ई। नमहंय अयंग कत्था गही गणित हूं अन्ने लेखेम परदना दरकार रई। अवंगे कुंडुख़ नु – 14, 25, 50 गुट्ठी टूःड़ा गे, 14 = दोयनाख़, 25 = एन्दोपंज्जी, 50 = पन्दोय बेसे बातार'ई। दरा – नाख़ दोये = नाख़दोय (40), पंज्जी़ दोये = पन्दोय (50), सोय दोये = सोयदोय (60), साय दोये = सायदोय (70), आख़ दोये = आख़दोय (80), नय दोये = नयदोय (90) बातार'ई।

M. [illegible] - XIII : देवनागरी लिपि में कुँड़ुख़ भाषा की लेखन समस्या और समाधान तथा अंक में सुधार – डॉ0 (श्रीमती) ज्योति टोप्पो

कुँड़ुख़ भाषा की लेखन समस्या और समाधान के तरीके एवं गिनती को सुगम तथा सरल करने हेतु अब तक कई पहल हुए। इस क्रम में दिनांक 26.08.2000 को जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची के सभागार में सम्पन्न हुए कार्यशाला में शून्य (0) का नामकरण 'निदि' रखा गया। उसके बाद दिनांक 24.09.2001 को पुनः जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के सभागार में कुँड़ुख़ गिनती का नामकरण संबंधी दूसरी बैठक हुई, जिसमें आम सहमति से निर्णय लिया गया कि शून्य के लिए प्रस्तावित नामकरण 'निदि' को स्वीकार किया जाय तथा शून्य वाली बड़ी संख्या का नाम दैनिक कार्यों के उपयोग में आने वाली वस्तुओं के नामकरण के समरूप गिनती के नामकरण को रखे जाएँ, जिससे याद करने एवं समझने में आसानी होगी तथा गणित सीखने में आसानी होगी।

दिनांक 24.09.2001 को हुए गिनती का नामकरण में 1 से 19 तक पूर्ववत रखा गया, जो एक धरोहर की तरह है। शून्य का नामकरण 'निदि' को स्वीकार करते हुए अगली गिनती का नामकरण किया गया। इस नामकरण में Two zero twenty के तर्ज पर 20, 30, 40, 50, 60, 70, 80, 90 आदि संख्या को नामित किया गया। जैसे – एँड़ निदि– एन्दी = 20, मून्द निदि – मून्दी = 30, नाख़ निदि – नाख़दी = 40, पंचे निदि – पन्दी = 50, सोय निदि – सोयदी = 60, साय निदि – सायदी = 70, आख़ निदि – आख़दी = 80, नय निदि – नयदी = 90 रखा गया। बड़ी संख्या (दो से अधिक अंक वाले संख्या) के नामकरण हेतु दैनिक जीवन में उपयोगी वस्तुओं को आधार मानकर नामित किया गया। इस तरह – सौ = सुड़्डी, हजार = हुड़्डी, लाख = लुड़्डी, करोड़ = किड़्डी, अरब = उड़्डी, खरब = ख़ूड़्डी कहा गया। यहाँ – एँड़ x निदि = एन्दी कहने पर गणित के नियमानुसार गलती हैं। क्योंकि गणित में 2 x 0 = 0 होता है जो भविष्य में गणित सीखने वालों के लिए काफी परेशानी का कारण बनेगा।

आधुनिक गणित में अंकों को 10 के गुणांक में स्थापित किया गया है। जिसे SI सिस्टम या MKS System अर्थात मीटर, किलोग्राम एवं सेकेंड सिस्टम कहते हैं। इसके अनुसार 2x10 =20, 3x10 = 30, 4x10 = 40, 5x10 = 50, 6x10 = 60, 7x10 = 70, 8x10 = 80, 9x10 = 90 समझा जाता है। आदिवासी समाज के लिए भी गणित एवं विज्ञान के मानक सिद्धांत के अनुरूप संख्या का नामकरण होना चाहिए, परन्तु विश्वविद्यालय स्तर पर अबतक भूल–चूक सुधार नहीं किया गया है। इस पर मंथन होना चाहिए!!

इस आशय पर अखिल भारतीय तोलोंग सिकि प्रचारिणी सभा, राँची की विचार गोष्ठी कार्तिक उराँव कुँड़ुख़ लूरकुड़िया, करमटोली, राँची के कार्यालय में दिनांक 11.07.2011 को डॉ0 निर्मल मिंज, डॉ0 हरि उराँव, डॉ0 नारायण भगत, डॉ0 (श्रीमती) शान्ति खलखो, फा0 अगस्तिन केरकेट्टा एवं डॉ0 नारायण उराँव 'सैन्दा' की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक में गहन विचार–विमर्श के बाद निर्णय लिया गया कि कुँड़ुख़ गिनती में 1 से 19 तक का नाम पूर्व की भाँति रहे तथा 20, 30, 40, 50, 60, 70, 80, एवं 90 का नामकरण गणित के सिद्धांत के अनुसार 10 के गुणांक में रखे जाने पर सहमति बनी। इस गोष्ठी में वर्तनी समस्या पर भी विचार किया गया। गोष्ठी में डॉ0 निर्मल मिंज जो स्वयं गणित विषय के स्नातक हैं ने सुझाव दिया कि – इस समस्या का समाधान, वर्तमान तकनीक एवं भाषा विज्ञान को आधार मानकर किया जाना चाहिए।

कुँड़ुख़ भाषा की लेखन समस्या के समाधान हेतु भाषा विज्ञान एवं आधुनिक हिन्दी साहित्यकारों द्वारा दिये गये सुझाव पर अमल किये जाने की आवश्यकता है। भाषाविदों के अनुसार – कुँड़ुख़ भाषा उतरी द्रविड़ भाषा समूह की भाषा है। हिन्दी साहित्यकारों द्वारा, उतरी द्रविड़ भाषा की लम्बी ध्वनि (Long phone) को लिखने के लिए " : " (कॉलन / उपविराम) चिह्न का प्रयोग किया जाता है, जो तकनीकि दृष्टि से बेहतर है। इसी तरह कुँड़ुख़ भाषा में उच्चरित हेचका हरह (Glotal stop) को कुँड़ुख़ भाषियों द्वारा अ़ चिह्न से लिखा जाता है तथा शब्दखण्ड सूचक

कुँड़ुख़ भाषा की लेखन समस्या और समाधान के तरीके एवं गिनती को सुगम तथा सरल करने हेतु अब तक कई पहल हुए। इस क्रम में दिनांक 26.08.2000 को जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची के सभागार में सम्पन्न हुए कार्यशाला में शून्य (0) का नामकरण 'निदि' रखा गया। उसके बाद दिनांक 24.09.2001 को पुनः जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के सभागार में कुँड़ुख़ गिनती का नामकरण संबंधी दूसरी बैठक हुई, जिसमें आम सहमति से निर्णय लिया गया कि शून्य के लिए प्रस्तावित नामकरण 'निदि' को स्वीकार किया जाय तथा शून्य वाली बड़ी संख्या का नाम दैनिक कार्यों के उपयोग में आने वाली वस्तुओं के नामकरण के समरूप गिनती के नामकरण को रखे जाएँ, जिससे याद करने एवं समझने में आसानी होगी तथा गणित सीखने में आसानी होगी।

दिनांक 24.09.2001 को हुए गिनती का नामकरण में 1 से 19 तक पूर्ववत रखा गया, जो एक धरोहर की तरह है। शून्य का नामकरण 'निदि' को स्वीकार करते हुए अगली गिनती का नामकरण किया गया। इस नामकरण में Two zero twenty के तर्ज पर 20, 30, 40, 50, 60, 70, 80, 90 आदि संख्या को नामित किया गया। जैसे – एँड़ निदि– एन्दी = 20, मून्द निदि – मून्दी = 30, नाख़ निदि – नाख़दी = 40, पंचे निदि – पन्दी = 50, सोय निदि – सोयदी = 60, साय निदि – सायदी = 70, आख़ निदि – आख़दी = 80, नय निदि – नयदी = 90 रखा गया। बड़ी संख्या (दो से अधिक अंक वाले संख्या) के नामकरण हेतु दैनिक जीवन में उपयोगी वस्तुओं को आधार मानकर नामित किया गया। इस तरह – सौ = सुड़्डी, हजार = हुड़्डी, लाख = लुड़्डी, करोड़ = किड़्डी, अरब = उड़्डी, खरब = ख़ूड़्डी कहा गया। यहाँ – एँड़ x निदि = एन्दी कहने पर गणित के नियमानुसार गलती हैं। क्योंकि गणित में 2 x 0 = 0 होता है जो भविष्य में गणित सीखने वालों के लिए काफी परेशानी का कारण बनेगा।

आधुनिक गणित में अंकों को 10 के गुणांक में स्थापित किया गया है। जिसे SI सिस्टम या MKS System अर्थात मीटर, किलोग्राम एवं सेकेंड सिस्टम कहते हैं। इसके अनुसार 2x10 =20, 3x10 = 30, 4x10 = 40, 5x10 = 50, 6x10 = 60, 7x10 = 70, 8x10 = 80, 9x10 = 90 समझा जाता है। आदिवासी समाज के लिए भी गणित एवं विज्ञान के मानक सिद्धांत के अनुरूप संख्या का नामकरण होना चाहिए, परन्तु विश्वविद्यालय स्तर पर अबतक भूल–चूक सुधार नहीं किया गया है। इस पर मंथन होना चाहिए!!

इस आशय पर अखिल भारतीय तोलोंग सिकि प्रचारिणी सभा, राँची की विचार गोष्ठी कार्तिक उराँव कुँड़ुख़ लूरकुड़िया, करमटोली, राँची के कार्यालय में दिनांक 11.07.2011 को डॉ0 निर्मल मिंज, डॉ0 हरि उराँव, डॉ0 नारायण भगत, डॉ0 (श्रीमती) शान्ति खलखो, फा0 अगस्तिन केरकेट्टा एवं डॉ0 नारायण उराँव 'सैन्दा' की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक में गहन विचार–विमर्ष के बाद निर्णय लिया गया कि कुँड़ुख़ गिनती में 1 से 19 तक का नाम पूर्व की भाँति रहे तथा 20, 30, 40, 50, 60, 70, 80, एवं 90 का नामकरण गणित के सिद्धांत के अनुसार 10 के गुणांक में रखे जाने पर सहमति बनी। इस गोष्ठी में वर्तनी समस्या पर भी विचार किया गया। गोष्ठी में डॉ0 निर्मल मिंज जो स्वयं गणित विषय के स्नातक हैं ने सुझाव दिया कि – इस समस्या का समाधान, वर्तमान तकनीक एवं भाषा विज्ञान को आधार मानकर किया जाना चाहिए।

कुँड़ुख़ भाषा की लेखन समस्या के समाधान हेतु भाषा विज्ञान एवं आधुनिक हिन्दी साहित्यकारों द्वारा दिये गये सुझाव पर अमल किये जाने की आवश्यकता है। भाषाविदों के अनुसार – कुँड़ुख़ भाषा उतरी द्रविड़ भाषा समूह की भाषा है। हिन्दी साहित्यकारों द्वारा, उतरी द्रविड़ भाषा की लम्बी ध्वनि (Long phone) को लिखने के लिए " : " (कॉलन / उपविराम) चिह्न का प्रयोग किया जाता है, जो तकनीकि दृष्टि से बेहतर है। इसी तरह कुँड़ुख़ भाषा में उच्चरित हेचका हरह (Glotal stop) को कुँड़ुख़ भाषियों द्वारा अ़ चिह्न से लिखा जाता है तथा शब्दखण्ड सूचक (Syllable index) के लिए " ' " (अपॉस्ट्रोफी) का प्रयोग किया जाता है, जो स्वागत योग्य है। इसके अतिरिक्त संख्याओं का नामकरण 10 के गुणांक में किया जाना चाहिए। इस आशय पर डॉ0 नारायण उराँव "सैन्दा" कहा कि – इग्नू के पाठ्यक्रम (एम0एच0डी0–6) में द्रविड़ भाषा की लम्बी ध्वनि के लिए तथा हिन्दी साहित्य के विद्वान फ़ा0

कामिल बुल्के की पुस्तक अंग्रेजी हिन्दी शब्दकोश में लम्बी ध्वनि के लिए ' : ' चिह्न का व्यवहार किया गया है। इसे झारखण्ड के वयोवृद्ध हिन्दी साहित्यकार डॉ0 दिनेश्वर प्रसाद द्वारा भी समर्थन किया गया है।

उपरोक्त विचारों पर डॉ0 हरि उराँव, डॉ0 नारायण भगत एवं डॉ0 श्रीमती शान्ति खलखो ने सुझाव दिया कि भाषा–विज्ञान एवं तकनीकि सम्मत बातों को आवष्यकता अनुसार स्वीकार करना होगा अन्यथा हम पीछे रह जाएंगे। परिचर्या में अपनी बात रखते हुए डॉ0 हरि उराँव ने स्पष्ट किया कि लम्बी ध्वनि के लिए " : " (कॉलन) चिह्न व्यवहार किया जाना IPA (International Phonetic Alphabets) के अनुरूप ही है। वहीं पर हेचका हरह ध्वनि के लिए " अ़ " चिह्न को स्वीकार किये जाने से लिखने, पढ़ने और समझने में आसानी होगी। शब्द खण्ड सूचक चिह्न के स्थान पर '' ' '' (अपॉस्ट्रोफी) का चुनाव चिन्ह को पहले ही स्वीकार किया जा चुका है। गोष्ठी के अंत में देवनागरी लिपि से लिखने समय उठ रही समस्याओं का समाधान हेतु सर्वसहमति से निर्णय लिया गया कि :–

1. कुँड़ुख़ भाषा की लम्बी ध्वनि को दिखलाने के लिए स्वर के बाद " : " (कॉलन) चिह्न दिया जाय। जैसे – एःड़ा, ओःड़ा, मोःड़ा, जोःड़ा, चाँःड़े–चाँःड़े, कोंःड़ा–कोंःड़ा।
2. हेचका हरह के लिए "अ़" चिह्न दिया जाय। जैसे – नेअ़ना, चिअ़ना, बअ़ना, होअ़ना।
3. शब्द खण्ड सूचक के लिए '' ' ''(अपॉस्ट्रोफी) चिह्न दिया जाय। जैसे – बरई–बर'ई, कमई – कम'ई।
4. तोलोंग सिकि (लिपि) को पठन–पाठन के पाठ्यक्रम में षामिल किये जाने की व्यवस्था करवायी जाय।
5. कुँड़ुख़ गिनती को गणित एवं विज्ञान पर आधारित 10 के गुणांक में तैयार किया जाय।

मानक वर्तनी एवं गिनती हेतु वर्ष 2015 कई विशेषज्ञों से विचार–विमर्श किया गया। कुँड़ुख़ गिनती को अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य में सरल एवं मानक स्वरूप के डॉ. नारायण उराँव द्वारा, डॉ. निर्मल मिंज, तमिल एवं हिन्दी के विद्वान डॉ० एम. गोविन्दराजन, नोर्थ ईस्ट यूरोपियन यूनिवर्सिटी हॉलैन्ड के चांस्लर मानवषास्त्री प्रो० डॉ० मोहनकान्त गौतम एवं मानवषास्त्री प्रो० डॉ० करमा उराँव के सुझाव पर समीक्षोपरांत आवश्यक संशोधन किये जाने की रूपरेखा तैयार की गई, जिसमें कहा गया कि गिनती एवं पहाड़ा में कुछ ऐसा काम हो जिससे बच्चे आसानी से समझें और याद कर सकें।

अंतर्राष्ट्रीय गणित के अनुसार 20 = 2 x 10, 30 = 3 x 10, 40 = 4 x 10, 50 = 5 x 10, 60 = 6 x 10, 70 = 7 x 10, 80 = 8 x 10 तथा 90 = 9 x 10 समझा जाता है। गणित के इस सिद्धांत के आधार पर कुँड़ुख़ गिनती के अंक को एँड़ x दोय = एन्दोय = 20, मून्द x दोय = मुन्दोय = 30, नाख़ x दोय = नाख़दोय = 40, पंज्जी x दोय = पन्दोय = 50, सोय x दोय = सोयदोय = 60, साय x दोय = सायदोय = 70, आख़ x दोय = आख़दोय = 80, नय x दोय = नयदोय = 90 की तरह समझा जाना चाहिए है। डॉ. नारायण उराँव द्वारा इस विषय में अच्छे कार्य किये हैं। उन्होंने कईलगा का नवीकृत संस्करण तथा पुना चन्ददो एवं आधुनिक कुँड़ुख़ व्याकारण में इन बातों को विस्तार से प्रस्तुत किया है। डॉ. उराँव एवं डॉ. निर्मल मिंज के साथ वर्ष 2019 में एक लेख प्रस्तुत किया गया जिसमें आधुनिक गणित के सिद्धांतों को आधार मानकर सुधार किये जाने के लिए उपाय बतलाये गये हैं। इस सुझाव के अनुसार :– 20 = एन्दोय, 21 = एन्दोओन्द, 22 = एन्दोएँड़, 23 = एन्दोमून्द, 24 = एन्दोनाख़, 25 = एन्दोपंज्जी, 26 = एन्दोसोय, 27 = एन्दोसाय, 28 = एन्दोआख़, 29 = एन्दोनय, 30 = मून्दोय, 31 = मून्दोओन्द, 32 = मून्दोएँड़ की तरह हो। साथ ही आधुनिक हिन्दी साहित्यकारों द्वारा स्थापित, नये तरीकों के आधार पर व्यंजन अ अथवा हेचका के लिए ' अ़ ' चिह्न तथा लम्बी ध्वनि के लिए '' **:** '' सेला चिह्न एवं शब्दखण्ड सूचक या घेतला " ' '' चिह्न का प्रयोग किया जाए। इस विषय पर कुँड़ुख़ विद्वतजनों का सुझाव था कि कुँड़ुख़ गिनती एवं पहाड़ा का स्वरूप मधुर एवं सरल होना चाहिए। यदि ऐसा संभव हुआ तो हम सभी, आने वाली पीढ़ी को गणित सिखलाने में मददगार होंगे।

उपरोक्त तथ्यों पर अध्ययन के पश्चात् निम्नांकित तथ्य स्पष्ट होता है :–

1. गिनती का नामकरण 1 से 19 तक पूर्ववत रखा जाना चाहिए, जो एक धरोहर की तरह है।
2. शून्य का नामकरण 'निदि' को स्वीकार किया जाना चाहिए।
3. पहाड़ा को सरल बनाने हेतु 10 के गुणांक के अन्तर्राष्ट्रीय गणित के सिद्धांत पर, छोटा और सरल नामकरण दिये जाएँ। इस दिशा में 15 नवम्बर 2019 को ''बक्कहुही'' त्रैमासिक कुँड़ुख़ पत्रिका के लिए डॉ0 निर्मल मिंज एवं डॉ0 नारायण उराँव का संयुक्त लेख मार्गदर्शक बन सकता है।
4. कुँड़ुख़ भाषा की लम्बी ध्वनि को दिखाने के लिए स्वर के बाद " : " (कॉलन) चिह्न दिया जाय। जैसे – एःड़ा, ओःड़ा, मोःड़ा, चाँःड़े–चाँःड़े, कोंःड़ा–कोंःड़ा। इग्नू के पुस्तक में उतरी द्रविड़ भाषा के लिए यह व्यवहारित है।
5. हेचका हरह के लिए "अ़" चिह्न दिया जाय। जैसे – नेअ़ना, चिअ़ना, बअ़ना, होअ़ना, चोअ़ना, बअ़ना, रअ़ना।

[संस्कृत वर्णमाला में ड़ एवं ढ़ वर्ण नहीं है अर्थात हिन्दी वर्णमाला में ड़ तथा ढ़ ध्वनि का संस्करण, आर्य भाषा परिवार में बाहरी भाषा के प्रभाव को दर्शाता है। उर्दू, अरबी, अंग्रेजी, कुँड़ुख़ (उतरी द्रविड़ भाषा) एवं गोंडी (मध्य द्रविड़ भाषा परिवार) आदि भाषाओं के शब्दों को लिखने के लिए देवनागरी लिपि के अक्षरों के नीचे डॉट (तलविन्दु) चिह्न देकर लिखा जाता है। जैसे – ख़ब़र, ग़ब्बर, व़ज़ीर, व़ेल, चिअ़ना, बिअ़ना, नेअ़ना, बेअ़ना, होअ़ना, चोअ़ना, बअ़ना, रअ़ना, एड़पा, माड़ना, बाढ़ी गढ़े, ख़ज्ज, ख़ेंस, इञ़िरना, कोरञ़ो, बाञ़लो आदि। संस्कृत साहित्यों में (मनुस्मृति, अध्याय 2, श्लोक 22) आर्यावर्त भूभाग जिसकी सीमा उत्तर में हिमालय, दक्षिण में विंद्याचल, पूरब में सागर एवं पश्चिम में सागर बतलाया गया है। भारतीय इतिहास में विंद्याचल पर्वतमाला से नर्मदा के बीच का भूभाग को गोंडवाना कहा गया है और भाषायी दृष्टि से यहाँ की भाषा गोंडी एक मध्य द्रविड़ भाषा है। इसी तरह बाल्मीकि रामायण के करूष देश (वर्तमान समय में, गंगा और सोन नदी के बीच का क्षेत्र, विंद्याचल पर्वत श्रृखला के अंतर्गत कैमूर पर्वत श्रंखला) जो द्रविड़ शासक ताड़का (जो रावण की फूआ थी) का क्षेत्र था। हजारों वर्षों तक साथ–साथ रहने से सांस्कृतिक सम्मिश्रण हुआ और बड़े समूह की भाषा को राजनैतिक संरक्षण प्राप्त होते ही विकसित होती गई। इस प्रकार हिन्दी के विकास में मध्य द्रविड़ एवं उतरी द्रविड़ भाषा का भी प्रभाव है। अतएव उतरी द्रविड़ भाषा के ध्वनि को दिखलाने के लिए देवनागरी अक्षरों के नीचे तल विन्दु दिया जाना बेहतर उपाय है। कुँड़ुख़ में ड़, ढ़, ख़, ञ़ तथा अ़ ध्वनि के लिए तलविन्दु लिखने का रिवाज बेहतर समाधान है। बाल्मीकि रामायण के बालकांड में वर्णित करूष जनपद एवं मलद जनपद को कुछ साहित्यकार क्रमशः कुड़ुख़ जनपद एवं मुण्डा जनपद मानते हैं क्योंकि प्रसिद्ध ग्रंथ बाल्मीकि रामायण में वर्णित करूष देश द्रविड़ों के शासन में था, जिसे भगवान राम ने एक महिला शासक का बध करके अपने साम्राज्य का विस्तार किया। यह क्षेत्र आर्य भाषा परिवार के शासकों के कब्जे में आने से पहले संभवतः द्रविड़ भाषी कुड़ुख़ देश रहा था, जिसे संस्कृत भाषियों ने कुड़ुख़ देश से करूष देश किया हो, क्योंकि संस्कृत में ड़ और ख़ ध्वनि नहीं है। वर्तमान में भी गंगा के समतल भूभाग में ड़ के स्थान पर र उच्चरित किया जाता है।]

6. शब्द खण्ड सूचक के लिए '' ' ''(अपॉस्ट्रोफी) चिह्न दिया जाय। जैसे – बरई–बर'ई, कमई – कम'ई।

संदर्भ सूची :–

1. अंग्रेजी हिन्दी शब्दकोश : फ़ादर कामिल बुल्के, पृष्ठ – IX.
2. एम.एच.डी.–6 : इग्नू, नई दिल्ली, 25.5.1 : द्रविड़ परिवार (विश्व की भाषाएँ एवं भारतीय भाषा परिवार)।
3. KURUX PHONETIC READER, CIIL series – 9, : Dr. Fransis Ekka
4. Modern Kurux Grammar, Published on : Aug 2018, : Dr. N. Bhagat & Dr. N. Oraon.
5. IMPROVE YOUR PRONUNCIATION – VICTOR W. TUCKER, S. J. ; P - I
6. Oxford English Hindi Dictionary, Edited by : S K Verma & R N Sahai, Page- XII, XIII.

N. ശിഓരാ - XIV

अंतर्राष्ट्रीय गणित का सिद्धांत के आधार पर कुँड़ुख़ गिनती का मानकीकरण हो

डॉ० निर्मल मिंज गणित (ऑनर्स) विषय में स्नातक थे। स्नाकोत्तर का विषय मानवशास्त्र था तथा धर्मशास्त्र में मिनिसोटा विश्वविद्यालय, अमेरिका से पी.एच.डी.। गणित विषय में अपनी समझ एवं प्रखरता के चलते आदिवासी भाषा तथा गणित के बारे में मुझे, अपना विचार बतलाये – यदि कुँड़ुख़ में गिनती और पहाड़ा का विकास सरल तरीके से हो, तो कुँड़ुख़ समाज के बच्चे अपनी भाषा में गणित को आसानी से समझ सकेंगे। अतएव इससे संबंधित शोध एवं सहमति के साथ ग्रामीण स्तर पर कार्य करें।

डॉ० निर्मल मिंज इस दिशा में प्रयत्नशील रहे। इसी क्रम में दिनांक 26.08.2000 को जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची के परिसर में कुँड़ुख़ गिनती मानकीकरण कार्यशाला में पूर्व से चले आ रहे दोय, एन्दोय, मुन्दोय, नाख़दोय, पन्दोय, सोयदोय, सायदोय, आख़दोय, नयदोय के स्थान पर बोचाल की भाषा में two zero - twenty के तर्ज पर, शून्य के लिए निदि शब्द का प्रस्ताव पारित कर 20 के लिए एँड निदि – एन्दी, 30 के लिए मून्द निदि – मून्दी तथा नाख़दी पन्दी, सोयदी, सायदी, आख़दी, नयदी की तरह रखा गया, पर यह नामकरण के तरीके में चूक हुई है। अब हम लोगों को अंतर्राष्ट्रीय SI System तथा गणित का अंतर्राष्ट्रीय सिद्धांत के अनुसार 10 के गुणक में जैसे 20 = 2x10 या 40 = 4x10 समझा जाता है। उस दिन भूल–चूक से या जल्दबाजी में एन्दी, मुन्दी, नाख़दी पन्दी, सोयदी, सायदी, आख़दी, नयदी इत्यादि हुआ है, जो आनेवाले समय में भ्रम पैदा करेगा।

ज्ञात हो कि अंतर्राष्ट्रीय गणित के नियम से यह चूक (गलती) है। डॉ० मिंज को जब इस चूक का अहसाश हुआ, तो वे बोले कि – गणित की संख्या के नामकरण में हुई चूक को सुधार किया जाए। सुधार का आधार गणित का अंतर्राष्ट्रीय सिद्धांत हो। इसके अनुसार 20 = 2x10 तथा 30 = 3x10 होता है। इसी उदेश्य से दिनांक 11.07.2011 को डॉ० निर्मल मिंज, डॉ० हरि उराँव, डॉ० नारायण भगत, डॉ० (श्रीमती) शान्ति खलखो, फा० अगस्तिन केरकेट्टा, श्री पॉल मुंजनी एवं डॉ० नारायण उराँव की उपस्थिति में बैठक हुई। इस बैठक में गणित के जानकारों के समक्ष निर्णय हुआ और 10, 20, 30, 40, 50, 60, 70, 80, 90 को क्रमवार दोय, एन्दोय, मुन्दोय, नाख़दोय, पन्दोय, सोयदोय, सायदोय, आख़दोय, नयदोय के रूप में 2000 ई० से पूर्व की भाँति रखा गया, जो अंतर्राष्ट्रीय गणित का सिद्धांत के अनुसार 20 के लिए एँड दोय – एन्दोय, 30 के लिए मून्द दोय – मून्दोय की तरह है।

इसपर शोध कार्य करते हुए गिनती एवं पहाड़ा तैयार हुआ है जो आसानी से उच्चारण करने तथा याद करने के उदेश्य से 21 के लिए एन्दोय ओन्द को एन्दोओन्द, 22 के लिए एन्दोय मून्द को एन्दोमून्द की तरह रखे जाने के विषय पर चर्चा हुई। अंतर्राष्ट्रीय गणित में 35 = 5x7 अथवा 35 = 30+5 होता है। इसलिए 35 को मुन्दोयपंज्जी या मुन्दोपंज्जी नामकरण उचित है। यदि नई पीढ़ी के लिए यह प्रयास गणित समझने में योगदान दे सके तो यह कार्य उत्तम होगा। इस दिशा में विस्तृत शोध हो और सहमति बने, जिससे कुँड़ुख़ समाज के बच्चों के लिए गणित आसान हो सके।

– डॉ० नारायण उराँव

दिनांक 31 दिसम्बर 2018 — सैन्दा, सिसई, गुमला (झारखण्ड)

O. [illegible] - XV :

(I) [illegible] / धुमकुड़िया पड़हरा डण्डी

1. इंग्गयो इ बअ़ई, एम्बासिन ए दे। 2।
उरूबासिन उ बअर तिंग्गी, दे। 2।

2. ओरमत गे ओ बअ़ई, अद्दीया गे अ दे।
आ:लो गे आ बअर तिंग्गी, दे। 2।

3. पँड़की प बअ़ई, फिकिड़ो फ दे। 2।
बइकला ब भदड़ी भ मैना म तिंग्गी दे।2।

4. ताँ:तर त बअ़ई, थड़िया थ दे ।2।
दउली द धनु ध नगरा न तिंग्गी दे ।2।

5. टटखा़ ट बअ़ई, ठठरा ठ दे।2।
डउड़ा ड ढरा ढ राणु ण तिंग्गी, दे ।2।

6. चलकी च बअ़ई, छटका छ दे ।2।
जल्ली ज झिलडी झ चिञा ञ तिंग्गी,दे।2।

7. ककड़ो क बअ़ई, खपरा ख दे ।2।
गड़ी ग घड़ी घ डोङा ङ तिंग्गी, दे। 2।

8. मचिया य बअ़ई, रसड़ी र दे ।2।
लट्टु ल जवा व तु:ञ़ ञ़ तिंग्गी, दे।2।

9. सँड़सी स बअ़ई, हँसली ह दे । 2।
खऩ्न ख़ गेड़े ड़ गढ़े ढ़ तिंग्गी, दे । 2।

10. हिजा ननोत अ—आ सन्नी मधेन अदिया अ,
कोहाँ मधेन आ:द'उ आ बओत, दे । 2।

(2) / धुमकुड़िया कुँडुख़ गनती

नीःदी बिण्डो	निदि	0
लकठा खुटा	ओन्द	1
डुण्डलू कुक्क	एँड़	2
कोकरो चुन्दी	मून्द	3
बइकला ठोर	नाख़	4
खे़ड्ड पंजा	पंज्जी	5
सिम्बी लड़ङ	सोय	6
हाँथी सूँढ़ी	साय	7
अल्ला ख़ोला	आख़	8
नेर्र कुक्क	नय	9
तिरयो बिड़यो	दोय	10
दोय ओन्द	दोयओन्द	11
दोय एँड़	दोयएँड़	12
दोय मुन्द	दोयमुन्द	13
दोय नाख़	दोयनाख़	14
दोय पंज्जी	दोयपंज्जी	15
दोय सोय	दोयसोय	16
दोय साय	दोयसाय	17
दोय आख़	दोयआख़	18
दोय नय	दोयनय	19
एँड़ दोये	एन्दोय	20
मून्द दोये	मुन्दोय	30
नाख़ दोये	नाख़दोय	40
पंज्जी दोये	पन्दोय	50
सोय दोये	सोयदोय	60
साय दोये	सायदोय	70
आख़ दोये	आख़दोय	80
नय दोये	नयदोय	90
सुड्डोय / सुड्डी	सुड्डी	100
हुड्डोय / हुड्डी	हुड्डी	10^3
लुड्डोय / लुड्डी	लुड्डी	10^5
केड्डोय / केड्डी	केड्डी	10^7
उड्डोय / उड्डी	उड्डी	10^9
खुड्डोय / खुड्डी	खुड्डी	10^{11}
खुड्डोय खुड्डी	खुड्डोय / खुड्डी	10^{22}
पंज्जी पंज्जे	एन्दोपंज्जी	25

P. [illegible] - XVI

[illegible]

तोलोङ सिकि वर्णमाला का साहित्यिक विवेचना

** व्याख्याकार : डॉ0 (श्रीमती) ज्योति टोप्पो

[illegible] (कुँडुख़ तोलोंग सिकि तोड़पाब)

कुँडुख़ तोलोंग सिकि वर्णमाला / KŨṚUX TOLONG SIKI ALPHABET

[illegible] (सरह तोड़) = स्वर वर्ण (Vowels)

इ i   ए e   उ u   ओ o   अ a   आ ā

: (सेला) = लम्बी ध्वनि, ˙ (मितला) = नासिक्य व्यंजन सूचक, ' (घेतला) = शब्दखण्ड सूचक,
~ (एवाँ) = नासिक्य स्वर सूचक, ‿ (रेवाँ) = लुप्ताकार र, । (हेचका) = अर्द्धस्वर अ़ / व्यंजन अ़

[illegible] (हरह तोड़) = व्यंजन वर्ण (Consonants)

प् p	फ् ph	ब् b	भ् bh	म् m
त् t	थ् th	द् d	ध् dh	न् n
ट् ṭ	ठ् ṭh	ड् ḍ	ढ् ḍh	ण् ṇ
च् ch	छ् chh	ज् j	झ् jh	ञ् ñ
क् k	ख् kh	ग् g	घ् gh	ङ् ṅ
य् y	र् r	ल् l	व् w	ज़् ż
स् s	ह् h	ख़् x	ड़् ṛ	ढ़् ṛh

[illegible] (लेक्खा) = संख्या, numerals

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
0	**1**	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**

[illegible]

ख़द्दर गही कत्था अरा कत्थ बेयाँख़ो = बच्चे का भाषा ज्ञान और भाषा विज्ञान

(पा), (बा), (मा) (ता), (दा), (ना), (का), (गा), (जा)
(पपा) = रोटी, (बबा) = पिताजी, (ममा) = Cooked rice, भात।
(पल्ले) = दाँत, (बई) = मूँह, (मेलख़ा) = Epiglottis, उपरी कण्ठ।
(ततख़ा) = जीभ, (दुदु) = दूध, (नरटी) = Oesophagus, ग्रासिका।

[illegible]

ता:का एमसा:र'ई, पल्ले–बई–मेलख़ा, होलेम चीं:ख़नर ख़द्दर।
ततख़ा–दुदहिन–नरटी तरा तईयी, होलेम उज्जनर ख़द्दर।।

[illegible]

कुँडुख़ तोलोङ सिकि तोःड़पाब का अर्थ हिन्दी में कुँडुख़ तोलोंग सिकि वर्णमाला तथा अंगरेजी में Kuṛux Tolong Siki Alphabet समझा गया है। वर्णमाला का तात्पर्य, वर्णों का क्रमवार प्रस्तुतिकरण। पर माला का साधारण अर्थ किसी धागे में पिरोया हुआ वस्तु भी समझा जाता है, जो आकार या मात्रा के अनुसार आगे–पीछे भी हो सकता है। पर अंगरेजी का Alphabet शब्द का अर्थ Alpha के बाद Beeta का क्रम होना समझा जाता है। कुँडुख़ कत्था एक प्राचीन भाषा है जहाँ तोलोङ सिकि तोःड़पाब का अर्थ प्राचीन ग्रीक भाषा की अवधारणा के जैसा ही है। तोःड़पाब में, पाब का अर्थ, क्रम या बारी होता है, जहाँ प के बाद ही ब आता है। इसलिए वर्णमाला में वर्णों का क्रम, प के बाद ब वाला रूप मान्य हुआ, जैसा कि कुँडुख़ पूर्वजों के द्वारा स्थापित पाब शब्द है। पूर्वजों द्वारा स्थापित शब्दों का चयन कर वर्णमाला के लिए *तोःड़पाब* नामित किया गया, जिसका अर्थ हिन्दी में वर्णमाला तथा अंगरेजी में Alphabet है।

तोःड़पाब दो श्रेणी में बँटा है। 1. सरह तोःड़, अर्थात स्वर वर्ण और 2. हरह तोःड़ अर्थात व्यंजन वर्ण। जो ध्वनि सर्र से निकलती है अर्थात बिना अवरोध के उच्चरित होता है, वह सर्र से सरह तोड़ कहा गया। इसी तरह जो ध्वनि हड़हुड़ाते हुए अर्थात अवरोध के साथ उच्चरित होता है, वह हड़हुड़ से हरह तोःड़ कहलाया। यह दोनों सरह एवं हरह शब्द, भाषा विज्ञान की परिभाषा के अनुसार रचित है।

तोलोङ सिकि वर्णमाला में, स्वर वर्ण का प्रथम वर्ण इ है तथा आ अंत में है। भाषा विज्ञान की मान्यता है कि बच्चे को सबसे पहले आसान शब्दों से सिखलाया जाना चाहिए। इस सिद्धांत के आधार पर इ ध्वनि सबसे आसान है तथा आ ध्वनि अधिक कठिन है। *तोलोङ सिकि का उद्भव एवं विकास,* पुस्तक में बतलाया गया है कि जन्म के बाद, नवजात बच्चे का लगाव एवं जुड़ाव, सबसे अधिक अपनी माँ के साथ होता है, उसके बाद पिता से, फिर आगे के जीवन में ईश्वर से, फिर अपने सगे संबंधियों से और तमाम प्राकृतिक मानवेतर चीजों से। इस संबंध को कुँडुख़ में इंग्गयो (मेरी माँ), एम्बस (मेरे पिता), उरबस (ईश्वर), ओरमत (हम सभी), अद्दियर (पूर्वज), आःलो (मानवेतर) है। इस प्रकार वर्णमाला क्रम इ ए उ ओ अ आ के क्रम में अनुक्रमित किया गया है। अंतराष्ट्रीय ध्वनि विज्ञान के सिद्धांत के अनुसार भी इ ए उ ओ अ आ क्रम की व्यवहारिक मान्यता है।

हरह तोःड़ अर्थात व्यंजन वर्ण का आरंभ प वर्गीय वर्ण से आरंभ किया गया है। इस संबंध में कुँडुख़ समाज आज भी अपने व्यवहारिक जीवन में सबसे पहले बच्चे को प वर्गीय शब्द सिखलाता है। रोटी को पपा, भात को ममा, पानी को मम, दूध को दुदु आदि कहकर सिखलाया जाता है। वयस्क जीवन में इन शब्दों का व्यवहार अपने लिए नहीं होता है, यह बच्चे को सिखलाने का तरीका है। इस संबंध में नवजात एवं शिशु रोग विशेषज्ञों का मानना है कि नवजात जब स्तनपान करता है तो उसके ओठ सक्रीय एवं मजबूत बनते हैं, इसलिए ओठ के सटने से उत्पन्न ध्वनि के उच्चरण को सीखने में बच्चे को आसानी होती है। चिकित्सा विज्ञान की दृष्टिकोण से यह स्पष्ट है कि कुँडुख़ समाज में रोटी को पपा, भात को ममा, पानी को मम, दूध को दुदु आदि कहकर सिखलाये जाने की व्यवहारिक परम्परा विज्ञान सम्मत है। इस संबंध में शिशु विशेषज्ञों के अनुसार एक बच्चा 6वें महीने में एक आक्षरिक शब्द (पा, बा, मा, ता, दा, ना आदि) सीखता है तथा 9वें महीने में द्वी आक्षरिक शब्द (पपा, बबा, ममा, ददा आदि) एवं 1ले वर्ष के अंत में दो षब्द अर्थ सहित सीखता है। आधुनिक नवजात शिशु चिकित्सक जब बच्चे का Resuscitaion करता है तो सबसे पहले बई (mouth) को clear करता है, उसके बाद मुँई (nose) को। यहाँ भी ब के बाद म क्रम है।

तोलोङ सिकि के जनक डॉ0 नारायण उराँव स्वयं एक प्रशिक्षित नवजात एवं शिशु चिकित्सक हैं, जिन्होंने अपने अनुभव के आधार पर कुँडुख़ पूर्वजों के ज्ञान एवं अवधारणा को चिकित्सीय ज्ञान से तूलना कर व्याख्या करने का प्रयास किया है। डॉ0 नारायण का कहना है कि कुँडुख़ पूर्वजों के ज्ञान की अवधारणा इतनी उच्च थी कि वे नवजात शिशु के जन्म के समय होने वाले विकारों को समझते थे। उनके समझ के अनुसार – ''ताःका एमसार'ई, पल्ले बई मेलख़ा, होलेम चींःख़नर ख़द्दर'' अर्थात जब वायु, दन्त, मूख विवर एवं उपरी कण्ठ को स्पर्श करती है तभी बच्चा रोता है। इसी तरह – ''ततख़ा, दुदहिन, नरटी तरा तईयी, होलेम उज्जनर ख़द्दर'' अर्थात जब जीभ, दूध को भोजन नली की ओर खींचता है, तभी बच्चा जिंदा रहता है। इस तरह बच्चे के जीवन के लिए सबसे पहले रोना आवश्यक है, फिर आगे के जीवन के लिए दूध पीना भी आवश्यक है। जो प ब म तथा त द न की तरह का अनुक्रम, पूर्वजों के ज्ञान एवं धरोहर को स्पष्ट करता है।

*** सहायक प्राध्यापक, संस्कृत विभाग,
गॉस्सनर कॉलेज, राँची। दिनांक : 12 फरवरी 2023

Q. [illegible] - XVII : BIBLIOGRAPHY / संदर्भ सूची

1. [illegible]
   (ORIGINE AND DEVELOPMENT OF TOLONG SIKI)
   – Dr. NARAYAN ORAON “SAINDA” ; P -104, 105&109.
2. [illegible]
   (KŨRɷUX PHONETICS AND TRANSLITERATION)
   – Dr. NARAYAN ORAON “SAINDA” ; P -104, 105&109.
3. KURUḰH GRAMMAR
   – REV. FERD HAHN, S. J. ; P – 1, 2, 3,4 & 5.
4. AN ENGLISH URAON DICTIONARY
   – C. BLESES, S.J. ; P – I.
5. AN ORAON ENGLISH DICTIONARY
   – A. GRINARD ; P – IV & V.
6. KURUX PHONETIC READER
   – DR. FRANCIS EKKA ; P – 148 to 151
7. IMPROVE YOUR PRONUNCIATION
   – VICTOR W. TUCKER, S. J. ; P - I
8. Oxford English Hindi Dictionary
   Edited by : S K Verma & R N Sahai, Page – Xii, Xiii.
9. लघु सिद्धांत कमौदी :
   श्रीमद्विद्वद्वर–वरदराजाचार्यप्रणीता, पृष्ठ –11 सें 13.
10. खड़िया ध्वनि शास्त्र : जूलियस बाऽ, पृष्ठ – एवं .
11. अंग्रेजी हिन्दी शब्दकोष : फॉदर कामिल बुल्के, पृष्ठ – IX.
12. कत्थ अरा कत्थ बिल्लिन ईद’उ
    – डॉ० ख्रिस्त मिखाइल तिग्गा : पृष्ठ – 1 से 4.
13. कुंडुख़ कत्थ बिल्ली – पी० सी० बेक : पृष्ठ– 2 से 5.
14. संस्कृत सहचर : आचार्य राधामोहन उपाध्याय पृष्ठ– 10 एवं 13.
15. SANSKRIT - ENGLISH DICTIONARY
    – V. S. APTE , Page - &
16. एम0एच0डी0–6 : इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वदि्यालय, नई दिल्ली, पृष्ठ – 19.